www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...
राष्ट्रीय संस्करण
पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई, 2025 | वर्ष-18 | अंक-86 | पृष्ठ-10 | मूल्य-3.00 रुपए

विधानसभाओं को तकनीकी दक्षता में की जाएगी पूरी ... 02
■ विकसित दिल्ली एम्बेसडर तैयार करना कार्यक्रम का...
■ कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का रखा जाएगा विशेष ... 03
■ ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम...
■ ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने ... 07
नसीरुद्दीन शाह के बयान पर सिने एम्प्लॉइज... 10

बिहार में विपक्ष के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने किया साफ

5 करोड़ वोटरों को नहीं देना होगा दस्तावेज

आयोग ने 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड की

- मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा
- मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की पहल बताई

पटना, 30 जून (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इस सूची में 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। इससे विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी आसानी होगी, क्योंकि अब करीब 60 प्रतिशत मतदाताओं को कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा नहीं करना पड़ेगा। चुनाव आयोग के 24 जून 2025 के निर्देशों के अनुसार, 2003 की मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराया जाएगा।

साथ ही, यह सूची ऑनलाइन भी उपलब्ध होगी, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और मतदाता सूची में नाम जोड़ने या संशोधन के लिए फॉर्म के साथ इसका उपयोग कर सके। इस सुविधा से मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा। जिन मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में हैं, उन्हें केवल अपने विवरण सत्यापित करने और फॉर्म जमा करने की जरूरत होगी। इसके अलावा, जिन लोगों का नाम इस सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता के नाम हैं, उन्हें अपने माता-पिता के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मतदाताओं को केवल अपने लिए दस्तावेज जमा करने होंगे।

मतदाता सूची में संशोधन जरूरी

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के तहत हर चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है। पिछले 75 वर्षों से आयोग वार्षिक आधार पर गहन और संक्षिप्त संशोधन करता रहा है। यह प्रक्रिया इसलिए जरूरी है, क्योंकि मतदाता सूची में लगातार बदलाव अपरिहार्य है। मृत्यु, प्रवास, शादी, नौकरी, शिक्षा या 18 वर्ष की आयु पूरी करने जैसे कारणों से इसमें बदलाव होते रहते हैं। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक, जो उस निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हों, मतदाता के रूप में पंजीकरण के पात्र हैं। यह कदम मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

वोटरों को बाहर किया जा सकता : विपक्ष

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस तरह की गहन समीक्षा से राज्य तंत्र का दुरुपयोग कर जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता है।

विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जा रहा : गहलोत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर कांग्रेस के नेता भाजपा को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। पटना पहुंचे राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। मीडिया से बातचीत में गहलोत ने कहा, वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन बड़ा मुद्दा है। पता नहीं इनकी मंशा क्या है? उन्होंने कहा कि हम बार-बार कहते हैं कि ये लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। हम समझते हैं कि वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का फैसला भी कंफ्यूजन पैदा कर रहा है। इसे लेकर स्पष्टता से चुनाव आयोग भी कुछ बता नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले यह बिना विपक्ष को विश्वास में लिए हुए नई पहल कर रहे हैं।

कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही : तेजस्वी

जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण के कार्य को लेकर तेजस्वी यादव ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग का क्या एजेंडा है कि चुनाव के दो महीने बचे हैं और इसकी अचानक शुरुआत की गई। बिना किसी राजनीतिक दल से विचार किए हुए इतना बड़ा फैसला लेना, इसमें कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के लोग चुनाव हारने को लेकर डरे हुए हैं।

विपक्ष की वजह से हिंदी पर फैसला वापस हुआ : उद्धव

तीन भाषा नीति से जुड़े 16 और 17 अप्रैल के आदेश रद्द कर दिए

- मराठी एकता ने विरोधियों के सिर फोड़े
- पांच जुलाई को विजय उत्सव मनाएंगे

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि विपक्षी पार्टियों के विरोध की वजह से महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को अनिवार्य करने का फैसला वापस ले लिया। ठाकरे ने कहा कि सरकार फैसला वापस नहीं लेती तो भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के मराठी समर्थक भी विरोध मार्च में शामिल होते। दरअसल, उद्धव और राज ठाकरे ने 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध रैली निकालने की बात कही थी। ठाकरे ने कहा कि मराठी एकता ने मराठी विरोधियों के सिर फोड़ दिए। वे फिर से सिर ने उठाएं इसलिए हमें एकता बनाए रखनी चाहिए। अब 5 जुलाई को विरोध मोर्चा की जगह विजय उत्सव होगा। महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को तीन भाषा नीति से जुड़े 16 और 17 अप्रैल के आदेश रद्द कर दिए थे। 16 अप्रैल के आदेश में अंग्रेजी और मराठी मीडियम स्कूलों में पहली से पांचवी क्लास तक हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था। विरोध के बाद अगले ही दिन आदेश में बदलाव करके हिंदी को ऑप्शनल बनाया गया था।

सबको साथ लेकर जीत का जश्न मनाएंगे : राउत

मुंबई। शिवसेना यूबीटी नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में हिंदी को अनिवार्य बनाने संबंधी अध्यादेश को राज्य सरकार की ओर से वापस लिए जाने के बाद आगामी पांच जुलाई को सबको साथ लेकर जीत का जश्न मनाया जायेगा। श्री राउत ने यहां अपने बयान में कहा कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने से मराठी लोगों की ताकत और मजबूत होगी।

सार संक्षेप

पांच वर्ष में हर गांव में सहकारी संस्था होगी : शाह

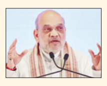

नई दिल्ली। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार ने अगले पांच वर्षों में हर गांव में सहकारी संस्था के गठन का लक्ष्य रखा है और जल्द ही राष्ट्रीय सहकारी नीति की भी घोषणा की जाएगी। श्री शाह ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष - 2025 के उपलक्ष्य में सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ 'मंथन बैठक' की अध्यक्षता में यह बात कही।

भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया।

मणिपुर में चार कुकी उग्रवादियों की गोली मार कर हत्या

इम्फाल। मणिपुर में चुराचांदपुर जिले के के. मोंगजांग गांव में सोमवार सुबह घात लगाकर किए गए हमले में कुकी संगठन से संबंधित चार उग्रवादियों की मौत हो गयी। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस को संदेह है कि यह हमला कुछ अन्य कुकी उग्रवादी समूहों ने किया था। इस घटना को उस समय अंजाम दिया गया जब वे एक वाहन में कहीं जा रहे थे।

सेना प्रमुख चार दिन की भूटान यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को भूटान रवाना हो गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सेना प्रमुख की यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थायी रक्षा सहयोग को और प्रगाढ करना है। जनरल द्विवेदी यात्रा के दौरान भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण-एनएचएआई ने सावन में होने वाली कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर राज्य प्रशासन के अधिकारियों के साथ आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की जिसमें सड़कों को दुरुस्त बनाने पर विचार किया गया।

हिमाचल में भारी बारिश से सैंकड़ों सड़कें बंद

मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत

शिमला, 30 जून (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 250 से ज्यादा सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।

बारिश के बाद रोकी चार धाम यात्रा फिर से शुरू

भारी बारिश के बाद चार धाम यात्रा पर 24 घंटे के लिए लगी रोक हटा दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने सोमवार को बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को मौसम की स्थिति को देखते हुए वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखंड में भी आफत की बारिश

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम लगातार खराब होता जा रहा है। आज मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसका असर अनेक जिलों में दिखाई दे रहा है। रुद्रप्रयाग के घोलतीर में गुरुवार 26 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुई बस के 6 तीर्थयात्री अभी भी लापता हैं। वहीं उत्तरकाशी में रविवार को बादल फटने से हुए हादसे के बाद से 7 मजदूर लापता हैं। बारिश ने जनपद के बांगर क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑन स्पाट पंजीकरण शुरू

■ सुरेश एस डुग्गर

- जम्मू से पहला जत्था कल होगा रवाना
- अमरनाथ यात्रा की 3 जुलाई से शुरुआत

जम्मू, 30 जून (देशबन्धु)। हालांकि पहलगाम नरसंहार के कारण इस बार की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण में कमी को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने यात्रा शुरू होने से तीन दिन पहले ही सोमवार से ऑन स्पाट पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। जबकि यात्रा में शामिल होने के लिए आने वालों में पहलगाम नरंहार की कोई दहशत नजर नहीं आ रही थी।

पंजीकरण केंद्रों पर भारी भीड़

तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। इसमें शामिल होने के लिए जम्मू से पहला जत्था दो जुलाई को यात्री निवास भगवतीनगर से रवाना होगा। ऑनलाइन पंजीकरण कई दिन पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन जिन लोगों ने डिजिटल पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए प्रशासन द्वारा स्थापित विशेष केंद्रों पर सोमवार से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। इन निर्दिष्ट पंजीकरण केंद्रों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि श्रद्धालु पवित्र तीर्थयात्रा के लिए अपने परमिट सुरक्षित करने के लिए सुबह से ही कतार में लग गए थे।

दूर-दराज के राज्यों से आए कुछ श्रद्धालुओं ने आशा और भक्ति के साथ अपनी बारी का इंतजार किया, जिससे माहौल मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक उत्साह से भर गया। जम्मू पहुंची एक श्रद्धालु माया कौल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की। वे कहती थीं हम यहां छह लोग हैं और पहलगाम से होकर जाएंगे। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है और किसी भी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों से बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्रा पर आने का आग्रह करता हूं। जबकि 15 श्रद्धालुओं के समूह के साथ मुंबई से आए शकदीप झा ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि मैं यहां आकर बहुत खुश हूं।

हम पहलगाम मार्ग से यात्रा जारी रखेंगे। जब उनसे हाल ही में हुए हमले के बाद किसी भी आशंका के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दृढ़ता से जवाब दिया कि हमें किसी बात का डर नहीं है। हमारी सेना हमारी रक्षा के लिए मौजूद है।

38 दिनों तक जम्मू में रहेगी रोडबंदी

जम्मू। 3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की सकुशलता के लिए सबसे अधिक 'कुर्बानी' जम्मू कश्मीर के लोगों को देनी होगी। खासकर जम्मू की जनता को जिसे 38 दिनों तक रोडबंदी के नाम पर कथित असुविधाओं का सामना इसलिए करना होगा क्योंकि प्रशासन कोई खतरा मोल नहीं लेते हुए आधे से अधिक शहर में इतने दिनो तक रोडबंदी लागू करने जा रहा है।

आज से बदल जाएंगे कई नियम

यूपीआई से लेकर पैन कार्ड तक शामिल

तत्काल टिकट बुकिंग के कई नए नियम भी हो जाएंगे लागू

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। जुलाई, 2025 से कई नए वित्तीय नियम लागू होने जा रहे हैं, जिसका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इनमें यूपीआई चार्जबैक, नए तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग और पैन कार्ड के नियमों में बदलाव शामिल हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से हाल ही में सिस्टम को आसान बढ़ाने के उद्देश्य से यूपीआई चार्जबैक नियमों में बदलाव किया गया है।

मौजूदा समय में बहुत अधिक दावों के कारण सभी चार्जबैक रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में सही चार्जबैक रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए बैंक को यूपीआई रेफरेंस कंप्लेंट सिस्टम (यूआरसीएस) के जरिए एनपीसीआई के पास जाकर केस को व्हाइटलिस्ट करना पड़ता है।

15 जुलाई के बाद एनपीसीआई की इसमें कोई भूमिका नहीं रहेगी। अगर बैंक को कोई चार्जबैक रिक्वेस्ट सही लगती है तो उसे वह एनपीसीआई से व्हाइटलिस्ट किए बिना प्रोसेस कर सकती है। यूपीआई चार्जबैक एक औपचारिक विवाद है जिसे यूजर तब उठाता है जब कोई लेनदेन विफल हो जाता है या जब भुगतान की गई सेवा या उत्पाद वितरित नहीं किया जाता है। यह यूजर को बैंक या भुगतान सेवा प्रदाता से धन वापसी की मांग करने की अनुमति देता है।

पैन कार्ड के आधार जरूरी

नए पैन कार्ड का आवेदन करने के लिए एक जुलाई से आपके पास आधार कार्ड होना जरूरी है। इससे पहले आप किसी भी वैध दस्तावेज या जन्म प्रमाणपत्र के जरिए पैन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते थे।

जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के कई नए नियम लागू हो जाएंगे। 1 जुलाई 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप के जरिए तत्काल ट्रेन टिकट के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य हो जाएगा।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका,12 की मौत

- धमाके में 34 लोग जख्मी
- दवा बनाने की थी फैक्ट्री

संगारेड्डी, 30 जून (एजेंसियां)। । तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सोमवार सुबह दवा बनाने वाली फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हो गया। घटना में 12 मजदूरों की मौत हो गई, 34 लोग जख्मी हैं। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह के समय हुआ।

राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा- अबतक 4 शव बरामद हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अब और कोई मौत नहीं होगी। द्वुत्त वी सत्यनारायण ने बताया कि घटना के दौरान फैक्ट्री में 150 लोग थे, जहां ब्लास्ट हुआ वहां 90 लोग मौजूद थे। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाया जा रहा है। रिएक्टर में तेजी से केमिकल रिएक्शन होने से ब्लास्ट की संभावना जताई गई है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है।

इधर, पीएम मोदी ने इस घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की।

भाजपा को बड़ा झटका

विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा

हैदराबाद, 30 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व के फैसले से असहमति जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका यह फैसला रामचंदर राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बाद सामने आया है। राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं यह पत्र भारी मन से और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से न सिर्फ मैं, बल्कि लाखों कार्यकर्ता, नेता और पार्टी के समर्पित मतदाता भी सदमे में हैं। ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की दहलीज पर है, इस प्रकार का निर्णय पार्टी की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

परेशानी — सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

मई में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घट कर 1.2 फीसदी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। उपभोक्ता मांग में कमी के बीच देश में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर मई 2025 में 1.2 प्रतिशत रही जो गत वर्ष सितंबर के बाद का इसका न्यूनतम स्तर है। पिछले वर्ष इसी माह औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 6.3 प्रतिशत और इस वर्ष अप्रैल में 2.6 प्रतिशत थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी मई के आंकड़ों के अनुसार अखिल भारतीय आईआईपी मई , 2025 में 156.6 रहा जबकि एक साल पहले इसी माह यह 154.7 और एक माह पहले 151.8 अंक था।

इस वर्ष मई में खनन क्षेत्र का उत्पादन सालाना आधार पर 0.1 प्रतिशत घट गया जबकि विनिर्माण क्षेत्र में 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बिजली का उत्पादन मई में सालाना आधार पर 5.8 प्रतिशत कम रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में औद्योगिक वृद्धि दर 1.8 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में औद्योगिक उत्पादन 5.7 प्रतिशत बढ़ा था। इस वर्ष मई में प्राथमिक वस्तु उद्योग के उत्पादन में सालाना आधार पर 0.2 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 14.1 प्रतिशत की वृद्धि रही। आलोच्य माह में माध्यमिक वस्तुओं का उत्पादन 3.5 प्रतिशत बढ़ तथा निर्माण/अवसंरचना वस्तु उद्योग की वृद्धि 6.3 प्रतिशत रही । इसी दौरान टिकाऊ उपभोक्ता उद्योग का उत्पादन 0.7 प्रतिशत कम रहा और गैर टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत की कमी दिखी।

■ मांग में नरमी का संकेत

मई तक 131.6 अरब रुपए का घाटा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में मई 2025 तक सरकार की कुल राजस्व प्राप्तियां 732963 करोड़ रुपए रही है और कुल व्यय 746126 करोड़ रुपए रहा है। इस तरह से सरकार का कुल 131.6 अरब रुपए का राजकोषीय घाटा रहा है जो चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 0.8 प्रतिशत है।

देश

उवाच "बिहार की जनता अब राजद के बहकावे में नहीं आने वाली है। इन लोगों ने बिहार को बर्बाद कर दिया है। कोई भी राजद को वोट नहीं देने वाला है। अब तक यह लोग भाजपा का डर दिखाकर मुस्लिम समुदाय का वोट लेते रहे हैं, लेकिन अब मुस्लिम समुदाय के पास जन सुराज का विकल्प है।

–प्रशांत किशोर

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	30.0	26.0
मुंबई	29.0	26.0
कोलकाता	29.0	27.0
चेन्नई	35.0	29.0

सोचने-समझने की शक्ति का इस्तेमाल जीवों के कल्याण में करे मनुष्य : मुर्मु

■ भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से किया संवाद

लखनऊ/बरेली, 30 जून (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी प्रजातियों के संरक्षण को जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है उसका इस्तेमाल सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। मुर्मु ने सोमवार को बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के दीक्षांत समारोह में कहा कि मनुष्य का वनों और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व का रिश्ता है। कई प्रजातियों के या तो विलुप्त होने या विलुप्त होने के कगार पर पहुंचने का उल्लेख करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता और पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने मनुष्य को जो सोचने और समझने की शक्ति दी है, उसका उपयोग सभी जीवों के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। कोरोना महामारी ने मानव जाति को आगाह किया है कि उपभोग पर आधारित संस्कृति न केवल मानव जाति को बल्कि अन्य जीवों और पर्यावरण को भी अकल्पनीय नुकसान पहुंचा सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदं सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित भारतीय संस्कृति सभी जीवों में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। देवताओं और ऋषियों द्वारा जानवरों से संवाद करने की मान्यता भी इसी सोच पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1889 में स्थापित इस संस्थान ने 135 वर्ष की यात्रा में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रपति ने वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध कार्यों और इस संस्थान नाम दर्ज अनेक पेटेंट्स, डिजाइन,

सभी प्रजातियों का संरक्षण जैव विविधता व पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण : द्रौपदी मुर्मु

कॉपीराइट्स चर्चा करते हुए कहा कि प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर कहावत पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी पूरी तरह से लागू होती है।

विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल किए प्रदान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को उपाधि व मेडल भी प्रदान किए। राष्ट्रपति ने उपाधि व पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बड़ी संख्या देखकर गर्व हो रहा है कि बेटियां अन्य क्षेत्र की तरह पशु चिकित्सा के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं, यह शुभ संकेत है। बीमारियों के रोकथाम में टीकाकरण की अहम भूमिका है। इस संस्थान के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम में अनेक टीके यहीं पर विकसित किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि आज पूरे विश्व में 'एक स्वास्थ्य' की अवधारणा को महत्व मिल रहा है। इसका मानना है मनुष्य, पालतू तथा जंगली जानवर, वनस्पतियां और व्यापक पर्यावरण सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं। हमें पशु कल्याण के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक प्रमुख पशु चिकित्सा संस्थान के रूप में आईवीआरआई इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है खासकर जूनोटिक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में। राष्ट्रपति ने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तरह प्रौद्योगिकी पशु चिकित्सा और उनकी देखभाल में भी क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से देश भर के पशु चिकित्सालयों को सशक्त बनाया जा सकता है।

पशुओं के लिए की स्वदेशी उपचार खोजने की अपील

राष्ट्रपति ने आईवीआरआई जैसे संस्थानों से पशुओं के लिए स्वदेशी और कम लागत वाले उपचार और पोषण खोजने की अपील की। उन्होंने कहा कि उन्हें उन दवाओं के विकल्प भी तलाशने चाहिए जिनके दुष्प्रभाव न केवल जानवरों बल्कि मनुष्यों और पर्यावरण को भी प्रभावित करते हैं। राष्ट्रपति ने मासूम और बेजुबान जानवरों के इलाज तथा कल्याण को अपना करियर चुनने के लिए आईवीआरआई के छात्रों की सराहना की। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि अपने जीवन और करियर में किसी दुविधा की स्थिति में जानवरों के बारे में सोचें। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें सही रास्ता मिलेगा। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से उद्यमी बनने और पशु विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्ट-अप स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से वे न केवल जरूरतमंदों को रोजगार दे सकेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान दे सकेंगे।

हेमंत ने हूल क्रांति के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची/नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित झारखंड भवन में एक संक्षिप्त समारोह में संथाल हूल क्रांति के शहीदों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर टुंडी इलाके के झामुमो के वरिष्ठ विधायक मथुरा महतो और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन सहित कई लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 30 जून का दिन भारत के इतिहास में आदिवासी समाज के बलिदान और स्वतंत्रता की पहली चिंगारी के रूप में दर्ज है। वर्ष 1855 में शुरू हुई हूल क्रांति भारत की आज़ादी की नींव रखने वाला पहला जनविद्रोह था। यह सिर्फ ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ाई नहीं थी, बल्कि जल, जंगल और जमीन के अधिकार की मांग भी थी। हमारे पूर्वजों ने विषम परिस्थितियों में देश की परिकल्पना की। ऐसे महापुरुषों को भुलाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं है। सोरेन ने कहा कि संथाल हूल विद्रोह के महानायक अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो और हजारों वीर शहीदों के संघर्ष और समर्पण के पदचिन्हों पर चलने वाले आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं। इस कारण मैं इस बार भोगनाडीह की क्रांतिकारी भूमि पर नहीं आ पाया। सोरेन ने कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, हूल दिवस हमारे लिए सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है। हूल दिवस हमारे लिए संकल्प का दिन है, हूल हमारी ताकत है, हूल हमारी पहचान है।

जम्मू-कश्मीर में की गई नए राजनीतिक गठबंधन की घोषणा

श्रीनगर, 30 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) प्रमुख सज्जाद लोन, हकीम यासीन की अध्यक्षता वाले पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) और पिछले साल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जमात इस्लामी के एक धड़े 'जस्टिस डिपार्टमेंट फ्रंट (जेडीएफ) ने सोमवार को एक नए गठबंधन 'पीपुल्स अलायंस फॉर चेंज' (पीएसी) की घोषणा की। लोन ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए गठबंधन 'पीएसी' की घोषणा की। इस दौरान तीनों दलों के शीर्ष नेता मौजूद थे। इस अवसर पर लोन ने कहा कि नया गठबंधन जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक बेहतर विकल्प पेश करता है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बहुत कष्ट सहे हैं, लेकिन हम बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। तीनों दलों ने इस ऐतिहासिक एकता में एक साथ आने का फैसला किया ताकि उम्मीद, जिम्मेदारी और परिवर्तन पर आधारित बदलाव की घोषणा की जा सके। इस बीच, गठबंधन घोषणापत्र के मुताबिक जेकेपीसी और जेडीएफ ने एक साथ आने और बदलाव के लिए काम करने का फैसला किया है। गठबंधन ने कहा कि वह अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए और राज्य के दर्जे की बहाली में विश्वास करता है। गठबंधन इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सभी राजनीतिक साधनों का उपयोग करेगा। गठबंधन ने कहा कि कश्मीरियों को शक्तिहीन करने का सबसे बड़ा साधन जम्मू-कश्मीर में आरक्षण की व्यवस्था है। गठबंधन की घोषणा में कहा गया है आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था एक क्षेत्रीय मुद्दा है और यह कश्मीर के लोगों के साथ भेदभाव करती है। भर्ती विभागों द्वारा हाल ही में जारी की गई सभी सूचियाँ एक स्पष्ट चलन को उजागर करती हैं। 90 प्रतिशत नौकरियाँ जम्मू क्षेत्र में जाती हैं। अब तक इसे क्षेत्रीय मुद्दा कहने वाली एकमात्र पार्टी जेकेपीसी रही है।

■ जेकेपीसी व जेडीएफ ने एक साथ आने का किया फैसला

सार संक्षेप

नासिक में पानी से भरे गड्ढे में मिले तीन बच्चों के शव

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक शहर के आडगांव इलाके के विडी कामगार नगर से लापता हुए तीन बच्चों के शव पानी से भरे बड़े गड्ढे में मिले हैं। तीनों बच्चे रविवार से लापता हैं। बच्चों की पहचान साईं गोरक्ष गरद (14), साईं केदारनाथ उगले (13) और साहिल हिलाल जाधव (14) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि रविवार को तीनों बच्चे लापता हो गए थे और इसके बाद उनके परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। हालांकि, उनका कहीं पता नहीं चला। आखिरकार आज सुबह तीनों बच्चों के कपड़े और जूते विडी कामगार नगर के पास एक निजी इमारत के निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे के पास मिले, जिससे आशंका जताई जा रही है कि नासिक के तीनों बच्चों की डूबने से मौत हुई होगी।

ममता बनर्जी ने हुल दिवस की दी बधाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को जनजातीय समुदायों को पवित्र 'हुल दिवस' के अवसर पर बधाई दी। बनर्जी ने जनजातीय समुदाय के लोगों को दिए संदेश में कहा कि हुल दिवस के अवसर पर मैं, अपने भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के उत्पीड़न के खिलाफ सिद्धो और कान्हो के नेतृत्व में संथालों का संघर्ष आज भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के पश्चिमी भाग में जंगलमहल क्षेत्र में स्थापित एक विश्वविद्यालय का नाम दो जनजातीय नायकों, सिद्धो और कान्हो के नाम पर रखा है।

फ्रेओ ने शुरू की हेल्थ इंश्योरेंस को समझाने की मुहिम

नई दिल्ली। भारत में बीमा कवरेज भले ही बढ़ रहा हो, लेकिन इसे समझने की रफ़्तार अभी भी धीमी है। हर 10 में से 8 पॉलिसीधारकों को यह तक नहीं पता होता कि उनकी बीमा पॉलिसी क्या कवर करती है, क्या नहीं करती- और दावा कैसे किया जाता है। यही वजह है कि फ्रेओ ने बीमा को बेचने से पहले समझाने की पहल की है। 3.5 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के लिए क्रेडिट को आसान बनाने के बाद, अब फ्रेओ ने उठाया है अगला बड़ा कदम- हेल्थ इंश्योरेंस को हर भारतीय के लिए समझने लायक और अपनाने लायक बनाना। 28 जून को इंश्योरेंस अवेयरनेस डे के मौके से शुरू की गई यह मुहिम लोगों हैल्थ बीमा के प्रति जागरूक करते हुए बताया जा रहा है कि आज भी भारत में लाखों लोग बीमा इसलिए नहीं लेते क्योंकि वो इसे समझ ही नहीं पाते। फ्रेओ के सीईओ और सह-संस्थापक कुणाल वर्मा कहते हैं कि 'भारत में ज़्यादातर बीमा प्लेटफॉर्म और ब्रांड सिर्फ बीमा बेचने की दौड़ में लगे हैं।

विधानसभाओं को तकनीकी दक्षता में की जाएगी पूरी मदद : ओम बिरला

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्य विधानसभाओं से कहा है कि विधायी कार्यों के लिए आधुनिक तकनीकी का भरपूर इस्तेमाल किया जाना चाहिए और इस काम में दक्षता हासिल करने के लिए जो भी जरूरी होगा उनकी मदद की जाएगी। बिरला ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए सोमवार को कहा कि नई तकनीकी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) नवाचार की दिशा में महत्वपूर्ण है और इस तरह की नयी तकनीकी का इस्तेमाल विधायी कार्यों में किया जाना चाहिए। राज्य विधानसभाओं को विश्वास दिलाते हुए उन्होंने कहा कि नवाचारों को अपनाने के लिए जितनी भी तकनीकी दक्षता की उन्हें आवश्यकता होगी, भारत की संसद यह सब उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि संसाधनों का प्रबंधन, लोकतंत्र की रक्षा और एआई आदि नवाचार को अपनाकर विधायिका को अधिक दक्ष बनाने की जरूरत है और इसके लिए जिस तरह की भी मदद की आवश्यकता होगी वह संसद की तरफ से उपलब्ध कराई जाएगी।

■ राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन का किया उद्घाटन

मौजूदा राजनीतिक माहौल लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

■ जयपुर में आयोजित राजस्थान प्रगतिशील मंच कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक माहौल में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा दौर चल रहा है जिसमें राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति को भी घसीट लिया जाता है और यह भारतीय लोकतंत्र और संस्कृति से मेल नहीं खाता। धनखड़ ने राजस्थान के जयपुर में राज्य के पूर्व विधायकों के संगठन राजस्थान प्रगतिशील मंच के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश का मौजूदा राजनीतिक परिवेश भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है।

उन्होंने कहा, राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है और प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए। दरार पैदा हो जाए। दुश्मन सीमापार हो सकते हैं। देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता। उप राष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है। बेलगाम होकर वक्तव्य दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जब राज्य में होता है, तो उस पर आसानी से वार किया जा सकता है। राज्य की सरकार यदि केंद्र की सरकार के अनुरूप नहीं है तो आरोप लगना बहुत आसान हो जाता है। समय के साथ बदलाव आया और उपराष्ट्रपति भी इसमें जुड़ गया और राष्ट्रपति को भी इस दायरे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा, यह चिंतन, चिंता और दर्शन का विषय है। ऐसा मेरी दृष्टि में होना उचित नहीं है। धनखड़ ने कहा कि प्रतिपक्ष का बहुत बड़ा योगदान रहता है और प्रतिपक्ष विरोधी पक्ष नहीं है। यह प्रजातंत्र में आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति हो, वाद-विवाद हो, संवाद हो। वैदिक तरीके से, जिसको अनंतवाद कहते हैं। अभिव्यक्ति बहुत महत्वपूर्ण है और प्रजातंत्र की जान है।

उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति कुंठित होती है या उस पर कोई प्रभाव डाला जाता है या अभिव्यक्ति इस स्तर पर पहुँच जाती है कि दूसरे के मत का कोई मतलब नहीं है, तो अभिव्यक्ति अपना अस्तित्व खो देती है। अभिव्यक्ति को सार्थक करने के लिए वाद-विवाद को जरूरी करार देते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि दूसरे के मत को सुनना अभिव्यक्ति को ताकत देता है। उन्होंने आगे कहा कि कई बार हम आवेश में आकर प्रश्न उठा देते हैं जब चोट मुझे नहीं लगेगी तो मैं कहूंगा लड़ते रहो, लड़ाई जारी रखो, यह अखबार में पढ़ने की बातें नहीं हैं। बड़ा कष्ट होता है, अर्थव्यवस्था पर गहरी चोट लगती है और ऐसा क्यों। क्योंकि जो भारत आज से 11 साल पहले कहां था। हर कालखंड में महारथ हासिल की गई है, 50 के दशक में, 60 के दशक में, 70 के दशक में बड़े-बड़े काम हुए हैं। जब इस कालखंड की बात करते हैं तो इसका अर्थ कदापि नहीं निकाला जाए कि किसी और कालखंड से तुलना कर रहे हैं।

राजनीति का परिवेश असहनीय हो रहा है बेलगाम होकर वक्तव्य दिए जा रहे हैं : जगदीप धनखड़

संवैधानिक पदों पर दबाव वाले बयान पर दिया जवाब

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत के संवैधानिक पदों पर दबाव वाले बयान पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं न दबाव में रहता हूं, न दबाव देता हूं, न दबाव में काम करता हूं, न दबाव में किसी से काम कराता हूं। जयपुर में 'स्नेह मिलन समारोह' के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, मुझे थोड़ी सी चिंता हुई, मेरे स्वास्थ्य की नहीं, मेरे मित्र पूर्व मुख्यमंत्री की, जिन्होंने कहा कि हम दबाव में हैं। राजस्थान की राजनीति में वह मेरे सबसे पुराने मित्र हैं और मेरे बड़े भारी शुभचिंतक भी हैं। मैं सार्वजनिक रूप से, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है, वो चिंतामुक्त हो जाएं, मैं न दबाव में रहता हूं, न दबाव देता हूं, न दबाव में काम करता हूं, न दबाव में किसी से काम कराता हूं।

महाराष्ट्र विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन नेताओं ने किया शक्ति प्रदर्शन

■ विपक्ष ने झांझ मंजीरा लेकर अनोखे अंदाज में किया विरोध प्रदर्शन

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मानसून सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा है। विधानमंडल में मानसून सत्र के पहले दिन की शुरुआत प्रमुख राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में हुई। बारी-बारी से लगभग विधायकों ने विधानमंडल पहुंचकर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उसके बाद हंगामे के बीच मानसून सत्र का आगाज हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने पहले दिन अपना-अपना शक्ति प्रदर्शन करने की कोशिश की। महाविकास आघाड़ी के नेताओं ने विधान भवन की सीढ़ियों पर धरना दिया। विपक्ष ने झांझ मंजीरा लेकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टर लेकर उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि वह मराठी भाषा का अपमान कर रही है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप-मुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विधानसभा परिसर में छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मानसून सत्र 2025 की शुरुआत से पहले मुंबई के विधानभवन में छत्रपति शिवाजी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका आशीर्वाद लिया।

हिंदी भाषा की सख्ती को लेकर था आंदोलन : आदित्य ठाकरे

शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने हिंदी विवाद पर कहा कि आंदोलन हिंदी भाषा की सख्ती को लेकर था। इस आंदोलन में सिर्फ विपक्षी नहीं, बल्कि पूरा महाराष्ट्र सड़कों पर उतरा था, इसलिए मुख्यमंत्री को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। अभी तक हम लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

मणिपुर में दो उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल, 30 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि राज्य में सफल अभियानों की एक श्रृंखला में पहले अभियान में इम्फाल पूर्वी जिले के लामलाई पुलिस थानान्तर्गत नोंगपोक संजेनबाम खुल्लेन से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है। एक अलग घटना में, बिष्णुपुर जिले के मोइरांग पुलिस थानान्तर्गत तेराखोंगशांगबी मानिंग लैथेल में लगाया गया 51 मिमी आईएलएलजी बम बरामद किया गया। सूचना मिलने पर बम निरोधक इकाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विस्फोटक को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया, जिससे बड़ी घटना होने से टल गई। घटनास्थल से बरामद किए गए छर्रों को फोरेंसिक और आगे की जांच के लिए एकत्रित किया गया है। बाद में रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट/पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबद्ध एक अन्य उग्रवादी को गिरफ्तार किया।

गुरुद्वारा साहिब बना जीवन रक्षक केंद्र : सीपीआर प्रशिक्षण से 40 से अधिक परिवार हुए सशक्त

नई दिल्ली 30 जून (एजेंसियां)। समुदायिक भावना और जीवन रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, 'गुरु नानक सत्संग दरबार ट्रस्ट' ने 'सबका डॉक्टर फाउंडेशन' के सहयोग से लाजपत नगर स्थित गुरुद्वारा सत्संग गुरु नानक दरबार साहिब परिसर में सुबह 9:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) पर एक जागरूकता और व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला में क्षेत्र के 40 से अधिक परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पुरुष, महिलाएं और युवा शामिल थे। सभी प्रतिभागियों ने हृदयाघात की स्थिति में जीवन बचाने वाली सीपीआर तकनीकों को सीखने का अवसर प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण सबका डॉक्टर फाउंडेशन और एएचए प्रमाणित प्रशिक्षकों की टीम द्वारा आयोजित किया गया।

'सबका डॉक्टर फाउंडेशन' के वरिष्ठ सदस्य डॉ. हरमीत सिंह ने बताया, 'हृदयाघात के दौरान पहले 4 से 7 मिनट सबसे अहम होते हैं। समय पर सीपीआर देने से रोगी के जीवित बचने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है, जब हम आम नागरिकों को यह जीवन रक्षक कौशल सिखाते हैं, तो हम मूक दर्शकों को संभावित जीवनरक्षकों में बदल रहे हैं।'

डॉ. राजू गुप्ता, बाल रोग विशेषज्ञ और सबका डॉक्टर फाउंडेशन के सलाहकार, ने कहा, 'गुरुद्वारे के परिसर में सीपीआर जागरूकता शिविर आयोजित करना केवल एक चिकित्सीय पहल नहीं, बल्कि सेवा (सेल्फलेस सर्विस) का कार्य है।

कवायद पवित्र अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षाबलों ने कसी कमर

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिरिक्त सैनिक तैनात

जम्मू, 30 जून (देशबन्धु)। दो जुलाई को अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से पहला जत्था रवाना होगा। ऐसे में सुरक्षाबल शिरकत करने आ रहे हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति कोई ढील देने को राजी नहीं है। पहलगाम नरसंहार और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर से उपजे हालात को देखते हुए वह अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा की खातिर कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते हैं क्योंकि मिलने वाली खबरें कहती हैं कि आतंकी अमरनाथ यात्रा को नुक्सान पहुंचाने की कोशिशें कर सकते हैं। याद रहे वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है, इसलिए तीर्थयात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विशेष रूप से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य महत्वपूर्ण सड़क संपर्क मार्गों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महत्वपूर्ण जंक्शनों पर अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती की गई है, जबकि यातायात को नियंत्रित करने और आवाजाही पर नजर रखने के लिए हाईवे पर कई चौकियां स्थापित की गई हैं। अधिकारी का कहना था कि राजमार्ग और महत्वपूर्ण चौराहों पर सैनिकों की तैनाती पूरी कर ली गई है। मार्ग के प्रमुख बिंदुओं पर तलाशी बढ़ा दी गई है। निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जानकारी के लिए इस वर्ष एक उल्लेखनीय कदम के रूप में, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अमरनाथ गुफा के करीब तैनात की जाएगी। तीर्थयात्रा मार्ग और आधार शिविरों पर ड्रोन गतिविधि की निगरानी के लिए विशेष टीमों को भी नियुक्त किया गया है। यही नहीं चौबीसों घंटे गश्त की जाएगी। दिन में सुरक्षा कर्मियों द्वारा और रात में 360 डिग्री कैमरा लगे मोबाइल बंकर वाहनों के माध्यम से। अधिकारी का कहना था कि किसी भी तीर्थयात्री वाहन को नागरिक यातायात के साथ मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। तीर्थयात्रियों के काफिले का समय तय होगा और बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों पर अर्धसैनिक बलों द्वारा उनकी सुरक्षा की जाएगी। यात्रा काफिले की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए डॉग स्क्वॉड, काउंटर-आईईडी उपकरण, वाहन मरम्मत इकाइयां और रिकवरी टीमें भी तैनात की गई हैं। सेना के हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगातार क्षेत्र की निगरानी के लिए हवाई निगरानी करेंगे। उधमपुर में सीआरपीएफ की 137 बटालियन के कमांडेंट रमेश कुमार ने पत्रकारों को बताया था कि राजमार्ग के किनारे विभिन्न बिंदुओं पर विशेष डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं।

उनका कहना था कि हम तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यहां हैं। डरने की कोई बात नहीं है। हमारी टीमें सतर्क और तैयार हैं। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के डीजीपी ने अधिकारियों को सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने का निर्देश दिया था, खासकर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कमजोर बिंदुओं पर।

■ अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से कल रवान होगा पहला जत्था

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पुलिस : मैडम एक्टिवा पर एल लगाकर अकेले चला रही है, परमानेन्ट लाईसेंस वाला एक आपके साथ पीछे बैठा होना चाहिए ऐसा नियम है...।
लड़की : अरे वो गिर गए लगते हैं...!

विकसित दिल्ली एम्बेसडर तैयार करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य : रेखा गुप्ता

दिल्ली सरकार ने की विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम की शुरुआत

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। युवाओं को शासन की चुनौतियों से परिचित कराने और उन्हें समाधानकारी सोच विकसित करने का मंच प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार ने 'विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली के युवाओं को सरकार के साथ काम करने का अवसर मिलेगा।

सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि यह दिल्ली सरकार की ऐतिहासिक पहल है, जिससे युवाओं को राजधानी का भविष्य गढ़ने में अपनी भूमिका मजबूत करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार इस कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य 'विकसित दिल्ली एम्बेसडर' तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 150 होनहार युवाओं का चयन किया जाएगा, जो तीन महीनों तक दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों और जमीनी परियोजनाओं के साथ प्रत्यक्ष रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रामाणिक बनाया गया है, ताकि श्रेष्ठ युवा नेतृत्व सामने आए। सबसे पहले, ऑनलाइन आवेदन के तहत अभ्यर्थियों की सोच, नेतृत्व क्षमता, नागरिक दृष्टिकोण और प्रशासन की समझ को परखा जाएगा। इसके बाद 300 चयनित अभ्यर्थियों को एक दिवसीय बूट कैंप में आमंत्रित किया जाएगा।

दिल्ली सरकार की यह ऐतिहासिक पहल है जिससे युवाओं को राजधानी का भविष्य गढ़ने में अपनी भूमिका मजबूत करने का अवसर मिलेगा : रेखा गुप्ता

विकसित दिल्ली की सोच व नीतियों को आगे बढ़ाएंगे युवा

मुख्यमंत्री के अनुसार चयनित युवा भविष्य में अपने कॉलेजों, समुदायों और सोशल प्लेटफॉर्म्स पर विकसित दिल्ली की सोच और नीतियों को आगे बढ़ाएंगे। यह इंटर्नशिप युवाओं को शासन की चुनौतियों से परिचित कराएगी और उन्हें समाधानकारी सोच विकसित करने का मंच देगी। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस ऐतिहासिक पहल से दिल्ली में जन-भागीदारी आधारित शासन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है, जो न सिर्फ नीति-निर्माण में लोकतांत्रिक सोच को मजबूती देगा, बल्कि युवाओं को सकारात्मक परिवर्तन का वाहक भी बनाएगा। हमारी सरकार का विश्वास है कि इस इंटर्नशिप के माध्यम से युवा सिर्फ शासन को नजदीक से देखेंगे ही नहीं, बल्कि उसमें बदलाव लाने का अवसर भी पाएंगे। हमारे शहर का हर सपना, हर संघर्ष, हर उम्मीद इंटर्न्स की ऊर्जा से पूरी होगी। मुख्यमंत्री का मानना है कि 'विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' से सरकार को भी सीखने का अवसर मिलेगा। दिल्ली सरकार सिर्फ सिखाने नहीं, सीखने को भी तैयार है। युवा जब अपने नए विचार, साहसिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच लेकर आएंगे, तो प्रशासन भी उनसे प्रेरणा लेकर खुद को बदलेगा।

क्लूक ने भारती सिंह के साथ लॉन्च किया 'दी बेस्ट यू' कैंपेन

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। ट्रैवल और एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म क्लूक ने भारत में अपना नया ब्रांड कैंपेन 'दी बेस्ट यू' लॉन्च किया है, जिसमें कॉमेडियन भारती सिंह एक नई भूमिका में नजर आ रही हैं। यूएई में शूट किए गए इस कैंपेन में भारती खुद को फिर से खोजने के लिए सफर पर निकलती हैं। टीमलैब फेनोमेना अबू धाबी जैसे इमर्सिव आर्ट स्पेस और रेगिस्तानी सफारी जैसे अनुभवों के जरिए यह फिल्म दिखाती है कि यात्रा सिर्फ घूमने का जरिया नहीं, बल्कि आत्म-खोज और खुशी का माध्यम भी है। क्लूक की ट्रैवल पल्स स्टडी के अनुसार, आज के युवा यात्रा को व्यक्तिगत बदलाव और भावनात्मक जुड़ाव के लिए चुनते हैं। इस कैंपेन में तीन-भागों की ब्रांड फिल्म, बिहाइंड-द-सीन क्लिप्स और एक ट्रैवल पर्सनैलिटी क्विज शामिल है, जो यात्रियों को उनके अनोखे सफर से जोड़ता है।

कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं का रखा जाएगा विशेष ध्यान : आशीष सूद

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर की विशेष समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। दिल्ली के शिक्षा, गृह और ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली सचिवालय में कांवड़ यात्रा-2025 की तैयारियों को लेकर एक विशेष समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कांवड़ यात्रा के प्रभारी मंत्री कपिल मिश्रा, विधायक अनिल शर्मा, संजय गोयल, प्रधुम्न राजपूत, के अलावा दिल्ली पुलिस, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, बिजली वितरण कंपनियां, ऊर्जा विभाग, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, फायर विभाग, शहरी विकास विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के बाद सूद ने बताया की आज की बैठक 19 जून को की गई बैठक में सभी विभागों को दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा के लिए रखी गई थी। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह निर्णय लिया है कि दिल्ली सरकार 11 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा में सभी श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान रखेगी। उन्होंने कहा की आज की बैठक में मंडलीय आयुक्त को निर्देश दिए गए की कांवड़ यात्रा के शुरू होने में अब कम समय रह गया है इसलिए सारी तैयारियां युद्ध स्तर पर पूरी होनी चाहिए। बैठक में सभी विभागों को निर्देश दिए गए कि वे संबंधित जिलाधिकारियों के संपर्क में रहते हुए तैयारियों को कल से शुरू करें। सभी 11 जिलों के एडीएम को इसका नोडल अधिकारी बना दिया गया है ताकि कावंड़ समितियों को संबंधित विभागों से सारे कागज पूरे होने पर अनापति प्रमाण पत्र एक ही स्थान पर दी जा सके। कल सुबह 9 बजे से सभी डीएम कार्यलयों में समितियों का पंजीकरण का काम शुरू हो जाएगा। एडीएम सभी नोडल अधिकारी की सूची जारी कर देंगे ताकि समितियों को कोई परेशानी न हो। मंत्री ने आगे बताया कि दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री धार्मिक उत्सव समिति की देखरेख में कांवड़ यात्रा और शिविरो में सुविधाओं की व्यवस्था कर रही है।

सार संक्षेप

दिल्ली नगर निगम के 240 कर्मचारी हुए सेवानिवृत

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 240 कर्मचारी आज सेवानिवृत हुए। दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर मुख्यालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मियों को प्रशस्ति पत्र, पीपीओ शीट, लीव एनकैशमेंट के चेक दिए गए। सभी जोन में भी सेवानिवृत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सेवानिवृत कर्मचारियों को दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की गई।

कोनिका मिनोल्टा ने किया मार्केटिंग कैंपेन का दूसरा चरण शुरू

नई दिल्ली। डिजिटल प्रोडक्शन प्रिंटिंग एवं बिजनेस सोल्युशन्स में अग्रणी प्लेयर कोनिका मिनोल्टा बिज़नेस सोल्युशन्स इंडिया प्रा. लिमिटेड अपने अखिल भारतीय ब्राण्ड मार्केटिंग कैंपेन के दूसरे चरण के लॉन्च के साथ नई उंचाईयों को छू रहा है। मेट्रो ट्रेनों के माध्यम से यह कैंपेन छह बड़े महानगरों दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता को कवर करेगा। कत्सुहिसा असारी, मैनेजिंग डायरेक्टर, कोनिका मिनोल्टा बिज़नेस सोल्युशन्स इंडिया प्रा. लिमिटेड ने कहा कि बड़े पैमाने पर इस ब्रांडिंग के साथ हम भारत के सबसे जीवंत शहरों में ब्राण्ड के बारे में जागरुकता बढ़ाने के अगले चरण की शुरुआत कर रहे हैं। हर ट्रेन जिसके माध्यम से हम ब्रांडिंग कर रहे हैं, वह हमारी टेक्नोलॉजी के प्रचार का चलता-फिरता साधन होगी।

सामाजिक सुरक्षा में भारत का दूसरा स्थान उपलब्धि : प्रवीण

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने भारत को सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में विश्व में दूसरा स्थान प्राप्त होने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि करार देते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों का परिणाम है।

डॉ. साहिब सिंह वर्मा के आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत : वीरेन्द्र सचदेवा

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर दिल्ली भाजपा ने की श्रद्धांजलि अर्पित

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. साहिब सिंह वर्मा की पुण्यतिथि पर सोमवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, सांसद मनोज तिवारी, योगेन्द्र चंदोलिया एवं बांसुरी स्वराज सहित भाजपा के कई विधायक एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने स्वाभिमान स्थल जाकर हवन किया एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी द्वारा दिल्ली देहात में किया विकास और उनके शासनकाल में हुआ दिल्ली का समग्र विकास अद्वितीय हैं जिनको हम कभी भूल नहीं सकते हैं। उनके कुशल नेतृत्व और उनके आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। वर्मा जी के अधूरे कार्यों और दिल्ली के विकास को लेकर जो उनके सपने थे उसे दिल्ली भाजपा सरकार पूरा करने का काम शुरू कर चुकी है। सचदेवा ने कहा कि डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी ऐसे मुख्यमंत्री थे जो हफ्ते में दो-तीन बार सुबह-सुबह ही दौरे पर निकल जाते थे और लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुनते थे।

किसानों के लिए मसीहा समान थे साहिब सिंह वर्मा : प्रवेश

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. साहिब सिंह वर्मा को याद करते हुए दिल्ली सरकार में मंत्री एवं उनके बेटे प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि वह मेरे पिता ही नहीं गुरु भी थे। उनके द्वारा किए कार्य एवं लिए राजनीतिक एवं प्रशासनिक निर्णय आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। गरीब, दलित, पिछड़े और किसानों के लिए मसीहा समान डॉ. साहिब सिंह वर्मा जी की सादगी की मिसालें आज भी दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात के लिए हो या फिर गरीबों के लिए हर वर्ग के लिए उन्होंने काम किया और यही कारण है कि दिल्ली में देहात हो, शालीमार बाग हो अपीन सेवा दी।

■ नई दिल्ली में श्री गीता भवन मंदिर में आयोजित मेडिकल शिविर के दौरान मैक्स प्रगति आई सेंटर और फ्री निःशुल्क होम्योपैथिक डिस्पेंसरी के उद्घाटन में शिकरत करते मुलतान वैलफ़ेयर सोसायटी के प्रधान तमिन्दर नांगरू, महासचिव सतपाल गिरधर, मंदिर कमेटी चेयरमैन अनिल कटारिया, सहायक सदस्य संजय वलेचा व अन्य। फोटो अजय मेहता

विधायिका भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ : विजेंद्र गुप्ता

धर्मशाला में आयोजित सीपीए के वार्षिक सम्मेलन को किया संबोधित

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को धर्मशाला में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन-सीपीए, भारत क्षेत्र, जोन-2 के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों के साथ संवाद हुआ। राज्य संसाधनों के प्रबंधन बनाम राज्य के विकास में विधायिकाओं की भूमिका विषय पर बोलते हुए गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने में सशक्त विधायिकाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विधायिका को लोकतंत्र की रीढ़ कहा जाता है, क्योंकि वह प्रत्येक योजना, नीति और कानून को जन भागीदारी से चर्चा और सामूहिक निर्णय के माध्यम से मंजूरी देती है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि निर्णय संतुलित हों और समाज के सभी वर्गों की आवाज़ उसमें सम्मिलित हो। अध्यक्ष ने कहा कि विकास की योजना बनाना एक जटिल कार्य है, जिसमें विधायिका की भूमिका नीतियों के निर्माण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन के माध्यम से समावेशी विकास का आधार तैयार करने में निर्णायक होती है। उन्होंने बताया कि वार्षिक बजट सीधे आम जनता को प्रभावित करते हैं चाहे वह निर्धनों के लिए कल्याणकारी योजनाएं हों, अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता या स्कूलों में बेहतर सुविधाएं विधायिका यह सुनिश्चित करती है कि संसाधनों का आवंटन न्यायसंगत और विवेकपूर्ण तरीके से हो।

■ राज्य के विकास और संसाधन प्रबंधन में विधानमंडलों की महत्वपूर्ण भूमिका को किया रेखांकित

सहकारी राजनीति की आवश्यकता पर दिया जोर

सहकारी राजनीति की आवश्यकता पर बल देते हुए गुप्ता ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी करें और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि विधायिकाएं केवल औपचारिक संस्थान नहीं, बल्कि राज्य की आत्मा होती हैं, जो शासन, न्याय और प्रगति की दिशा तय करती हैं। अपने संबोधन के समापन पर अध्यक्ष ने नीति-निर्माण में दूरदृष्टि, समावेशिता, क्षेत्रीय प्रासंगिकता, पर्यावरणीय स्थिरता और राष्ट्र के विकास लक्ष्यों के अनुरूप दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

शकरपुर व गांधी नगर इलाकों में अवैध मीट दुकानों पर चला बुलडोजर

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम की शाहदरा साउथ जोन की टीम ने सोमवार को अवैध मीट बिक्री और सड़क किनारे अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। शकरपुर थाने की पुलिस और निगम की पशु सेवाएं विभाग व सामान्य शाखा की संयुक्त टीम ने दोपहर के समय शकरपुर-नोएडा मोड़ के पास छापेमारी कर अवैध रूप से मीट काटने के छह तख्त जब्त किए और उन्हें निगम स्टोर में जमा कराया। इस अभियान के तहत सड़क किनारे अवैध रूप से लगाई गई मुर्गा-मछली की पटरी दुकानों और कच्ची संरचनाओं को भी हटाया गया। निगम अधिकारियों के अनुसार, इससे न केवल सड़क पर यातायात सुगम हुआ बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से भी राहत मिली। इसी तरह सोमवार पूर्वाह्न में गांधी नगर, डुडला चौक, अजीत नगर और शास्त्री पार्क इलाकों में निगम की टीम ने 'मीट हाइजीन रेड' अभियान चलाया।

उत्तर रेलवे

संविदा चिकित्सक की नियुक्ति करना (सीएमपी)

स्वास्थ्य इकाई, जिंद, दिल्ली मंडल, उत्तर रेलवे में एक संविदा चिकित्सक पदों के लिए योग्य उम्मीदवारो से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है। विज्ञापन की विस्तृत जानकारी, सेवा शर्ते आवेदन का प्रारूप आदि उत्तर रेलवे की वेबसाइट **https://nr.indianrailways.gov.in** → News & Recruitment info → Recruitment Info. दिल्ली मण्डल पर उपलब्ध है।

पत्रस०:-एनआर-डीएलआईओपीईआरएस/466/2020/0डीपीओ/ए/डीएलआई/एनआर/22409/पी.9 दिनांक 30.06.2025 (द्युति किशन)

मण्डल कार्मिक अधिकारी/नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1966/25

आरोप — आयुष्मान भारत योजना को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

योजना के तहत राजधानी में महज 93 अस्पताल ही जुड़े

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना के प्रचार और शुरू करने में जहां करोड़ों रुपए खर्च कर डाले, वहीं दो महीने पहले 10 अप्रैल को लागू हुई योजना के तहत महज 93 अस्पताल ही जुड़े है, जबकि शहर में सैंकड़ों निजी अस्पताल है और अधिकतम बड़े अस्पतालों ने योजना से दूरी बनाई हुई है। यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को भाजपा सरकार जमीनी स्तर पर स्थापित करने में विफल रही है, जबकि इसको लागू करने के भव्य उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हर्ष मल्होत्रा को आमंत्रित किया गया था।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना भी भाजपा सरकार की प्रचार नीति की भेट चढ़ा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के अंतर्गत इलाज और मेडिकल जांच प्रक्रिया की तय दरें निजी अस्पतालों को मंजूर नहीं है। सरकार जबरन अस्पतालों पर तय दर के तहत पेमेंट लेने पर जोर दे रही है, जो मार्केट रेट का केवल 30-40 प्रतिशत है, जिसके कारण अस्पताल प्रबंधन डरा हुआ है और नामी अस्पतालों ने योजना से दूरी बनाने का निश्चिय किया है। विशेषज्ञों की माने तो योजनाओं से बड़े अस्पताल इसलिए भी भाग रहे है कि मरीजों के इलाज के बाद कई-कई महीनों तक भी पेमेंट नही दी जा रही है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि लगभग 3 करोड़ आबादी वाली राजधानी में सिर्फ 3,63,524 कार्ड बनना सरकार की नाकामी है जबकि अब तक केवल 17,318 लोगों के इलाज के लिए एडमिशन हुए है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी हो या भाजपा सरकार, दोनो दिल्ली के गरीब लोगों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं देने में विफल साबित हुई है। प्राईवेट अस्पतालों में गरीब लोगों के इलाज होने के बाद पेमेंट में देरी से जहां भाजपा सरकार की नीति से अस्पताल नाखुश है, वहीं आम आदमी पार्टी के शासन के दौरान भी गरीबों के इलाज के बाद अस्पतालों की पेमेंट में देरी एक बड़ा मुद्दा था। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अस्पतालों के स्पष्ट संकेत है कि मौजूदा दरों और पेमेंट प्रक्रिया के तहत आयुष्मान भारत योजना के साथ जुड़ना संभव नही है। अगर दिल्ली सरकार की यही नीति रहती है तो वो दिन दूर नहीं जब आयुष्मान योजना दिल्ली में शुरु होने से पहले खत्म हो जाएगी। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में जनसंख्या के अनुपात में इंफ्रास्ट्रक्चर की भारी कमी है क्योंकि अत्यधिक अस्पतालों में डाक्टर, नर्से, पेरामेडिकल स्टॉफ, जांच की मशीने तक प्रर्याप्त नहीं है और ज्यादातर जरुरी दवाईयां भी उपलब्ध नही होती है। ऐसे में आयुष्मान योजना को दिल्ली में लागू करने का भाजपा सरकार का दावा अपने आप में झूठ नजर आता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को कार्यान्वित करने के लिए दिल्ली सरकार को अपने 38 अस्पतालों को सुव्यवस्थित करे ताकि अधिकतर मरीजों का इलाज दिल्ली सरकार के अस्पतालों में इलाज सुनिश्चित हो सके और 11 केन्द्र सरकार के अस्पतालों में प्राथमिक तौर पर लोगों के इलाज को सुनिश्चित करें।

भाजपा सरकार आयुष्मान भारत योजना को जमीनी स्तर पर लागू करने में रही विफल : देवेंद्र यादव

पूर्वोत्तर के राज्यों में पहुंची आईआईटी दिल्ली

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। आईआईटी दिल्ली ने पूर्वोत्तर भारत के छात्रों तक पहुंचने की महत्वपूर्ण और अनोखी पहल की है। यह पहल विज्ञान और इंजीनियरिंग शिक्षा के प्रति छात्रों में उत्साह पैदा करने के उद्देश्य से की गई है। इस अभियान में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और आईआईटी दिल्ली साझेदार हैं। दोनों के संयुक्त रूप से चलाए जा रहे 'आईआईटी-पीएएल (प्रोफेसर असिस्टेड लर्निंग)' कार्यक्रम का आयोजन पूर्वोत्तर भारत में किया गया।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती हैः–

क्र.स.	निविदा स.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82245004	आपातकालीन चिकित्सा बक्से (विनिर्देश पीडीएफ के अनुसार संलग्न)	328	25.07.2025
2	82245058A	ऑर्थो ओटी टेबल (रीढ़ विस्तार के साथ हेड रेस्ट सिस्टम के साथ ट्रैक्शन सेट के साथ)	1	15.07.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। **टेंडर नोटिस सं. 82245004/MED/PART-II दिनांकः– 30.06.2025 1959/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

पत्र सं. 128-W-269-O.E.T.-04-NRCH-2025-26 दिनांक : 30.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निदेशक/एडमिन, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e–निविदाएं आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
1	30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए केंद्रीय अस्पताल का वार्षिक जोन कार्य।	रु. 11999997.97	रु. 210000/-	12 माह	25.07.2025

सुचनाः निविदा रेलवे की वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 25.07.2025 15:00 बजे तक ही भरी जाएगी।

1970/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

शूटिंग रेंज के निर्माण का उद्देश्य गाजियाबाद और आस-पास के युवा न केवल प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकें बल्कि आने वाले वक्त में गाजियाबाद के साथ प्रदेश और देश का डंका दुनिया के दूसरे मुल्कों में बजा सकें। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज और उसमें प्रस्तावित दूसरी अति आधुनिक सुविधाओं के मद्देनजर लागत का आंकलन कराया जा रहा है : **अतुल वत्स, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष।**

साइबर अपराध रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी जिले की पुलिस कमिश्नर

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। नई जिम्मेदारी के तहत नोएडा की पुलिस कमिश्नर पूरे उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध रोकने का खाका प्रस्तुत करेंगी। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा में साइबर क्राइम रोकने में नोएडा कमिश्नरी पुलिस ने बड़ी भूमिका निभाई है। बीते तीन सालों में ठगों की रिकॉर्ड गिरफ्तारी जिले की पुलिस ने की है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी द्वारा प्रदेश पुलिसिंग को और अधिक बेहतर बनाने के लिए कुल 21 सीनियर आईपीएस अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी कड़ी में नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को प्रदेश भर में साइबर क्राइम रोकने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाकर उत्तर प्रदेश के डीजीपी के सामने प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नर ने इसपर काम करना भी शुरु कर दिया है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए दस प्रमुख क्षेत्रों में सुधार की जिम्मेदारी चयनित आईपीएस अधिकारियों पर है। यह अधिकारी एक माह में उत्तर प्रदेश पुलिसिंग से संबंधित क्षेत्रों में क्या-क्या सुधार किया जाना चाहिए इसकी रिपोर्ट बनाकर सौंपेंगे। उसके बाद उक्त क्षेत्रों में सुधार का रोडमैप तैयार किया जाएगा। सभी दस प्रमुख क्षेत्रों में सुधार के लिए एक अधिकारी फील्ड से तो एक अधिकारी को मुख्यालय से तैनात किया गया है।

निवाड़ी में बनेगा विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त शूटिंग रेंज

- **इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के मानकों के आधार पर होगा निर्माण**
- **शूटिंग रेंज में तैयार हो सकेंगे चैम्पियन, जो दुनिया में करेंगे प्रदेश और देश का नाम रोशन**
- **परिसर में इंटीग्रेटिड बहुउद्देसीय हाल, एथलीट के लिए हास्टल और स्पोर्ट्स के दूसरे साधन एक ही छत के नीचे होंगे उपलब्ध**

गाजियाबाद, 30 जून (देशबन्धु)। निवाड़ी की दस एकड़ जमीन पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अति आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्व स्तरीय क्लास शूटिंग रेंज का निर्माण कराएगा, ये शूटिंग रेंज इंटरनेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन के मानकों को ध्यान में रखते हुए बनेगा। वह भी ऐसा कि जो आने वाले वक्त में शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए हब बने। जहां पर प्रशिक्षण प्राप्त चैम्पियन दुनिया में देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रदेश सरकार की खेलों को बढ़ावा देने की योजना के मद्देनजर तैयार किया जाएगा।

ये ही नहीं दस एकड़ में विकसित किए जाने वाले शूटिंग रेंज में चारों तरफ न केवल रनिंग ट्रेक की सुविधा उपलब्ध होगी बल्कि परिसर में इंटीग्रेटिड मल्टी परपज हाल, एथलीट के लिए हास्टल और स्पोर्ट्स के दूसरे साधन एक ही परिसर में उपलब्ध होंगे। इस शूटिंग रेंज का निर्माण टेंडर की प्रक्रिया अपनाते हुए ऐसी एजेंसी से निर्माण कराया जाएगा, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटिंग रेंज के निर्माण का अनुभव प्राप्त हो। निवाड़ी में बनने वाले शूटिंग रेंज का रखरखाव और संचालन के दायित्व पीपीपी मॉडल पर किया जाएगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि शूटिंग रेंज के निर्माण का उद्देश्य गाजियाबाद और आस-पास के युवा न केवल प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकें बल्कि आने वाले वक्त में गाजियाबाद के साथ प्रदेश और देश का डंका दुनिया के दूसरे मुल्कों में बजा सकें। उन्होंने बताया कि वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज और उसमें प्रस्तावित दूसरी अति आधुनिक सुविधाओं के मद्देनजर लागत का आंकलन कराया जा रहा है।

नगर निगम बोर्ड में हंगामा

बढ़ा कर नहीं लेगा निगम, प्रस्ताव निरस्त

- **मामला कोर्ट में लंबित**

गाजियाबाद, 30 जून (देशबन्धु)। सोमवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक हंगामेदार रही। बैठक में बढ़ा टैक्स नहीं वसूलने के निर्णय लिया गया। पार्षदों व जनप्रतिनिधियों के विरोध के चलते इसे निरस्त कर दिया गया।

बैठक में महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम बढ़ा हुआ टैक्स नहीं लेगा। बढ़ा हुआ टैक्स को स्थगित किया जाता है। उन्होंने कहा कि जितना फंड होगा उतना ही विकास होगा। टैक्स पर कर्मचारियों के जवाब देही होगी तय। नीचे के कर्मचारियों की मिली भगत की भी होगी जांच। टैक्स का बिल बनाने के लिए कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय होगी। उन्होंने कहा कि निगम को आत्मनिर्भर बनाना होगा। आगे बुलाया जाएगा सदन तभी होगा तय की कितना लगेगा टैक्स इससे पहले नगर निगम सदन में महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में निगम की स्पेशल बोर्ड बैठक शुरू हुई। वंदे मातरम के बाद शुरू हुई निगम सदन में नगर निगम के जरिए बढ़ाए गए संपत्ति कर का मामला गरमाया। निगम की स्पेशल बोर्ड बैठक में निगम पार्षदों ने बढ़े हुए संपत्ति कर का विरोध दर्ज कराया। पार्षदों ने इस मुद्दे पर कड़ी आपत्ति जताई और निगम के इस फैसले को वापस लेने की मांग सन जी8 की। महापौर ने सभी पार्षदों से बड़े हुए टैक्स पर उनकी राय मांगी। बोर्ड बैठक में हंगामे के बीच महापौर और नगर आयुक्त ने पार्षदों को समझाने का प्रयास किया। संपत्ति कर के मुद्दे पर निगम पार्षदों और निगम प्रशासन के बीच तकरार बढ़ती दिख रही है। इस मुद्दे पर आगे क्या कार्रवाई होगी, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। फिलहाल सदन में इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा जारी है। महापौर ने सदन में सभी पार्षदों की राय मांगी। पार्षद रुखसाना टैक्स के विरोध में तख्ती लेकर सदन में पहुंची। बैठक में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, विधायक अजित पाल त्यागी, संजीव शर्मा समेत तमाम पार्षद व निगम अधिकारी उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

दुष्कर्म करने के दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

गाजियाबाद। खोड़ा में चार वर्ष की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के दोषी को अदालत ने सुनवाई के बाद 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर 25 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड के रूप में प्राप्त होने वाली संपूर्ण धनराशि पीड़िता को दिए जाने के आदेश दिए हैं। विशेष लोक अभियोजक सतीश शर्मा ने बताया कि थाना खोड़ा क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले एक व्यक्ति की चार वर्ष की मासूम बेटी 26 फरवरी 2019 को घर के बाहर खेल रही थी। पड़ोस में रहने वाला राहुल उर्फ छोटू मासूम बच्ची को बहला फुसला कर अपने घर ले गया। इसके बाद बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची ने घर पहुंच कर यह बात अपनी मां को बताई। बच्ची की मां ने 4 मार्च को यह बात बच्ची के पिता को बताई। बच्ची के पिता ने मामले की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराते हुए राहुल को नामजद कराया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर राहुल को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। सोमवार को मामले की अंतिम सुनवाई विशेष पॉक्सो कोर्ट थर्ड के न्यायाधीश लाल बाबू यादव की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने पेश सबूत और गवाहों के बयान के आधार पर राहुल को दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

भाजपा बूथ स्तर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर पौधारोपण किया

खोड़ा। निकाय क्षेत्र के अंतर्गत प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित करके कई

बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी गई। पूर्व सभासद नागेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वंदना एनक्लेव में आयोजित कार्यक्रम में लोगो द्वारा मन की बात सुनी गई। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस की श्रद्धांजलि दी गई। कई बूथों पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी गई। उनके बताए हुए राष्ट्रवादी और सामाजिक समरसता वाले विचारों पर चलने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम समापन के उपरांत कई जगहों पर कार्यकर्ताओं ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण को हरा भरा बनाने का संदेश दिया गया। मौके पर पूर्व सभासद नागेंद्र सिंह चौहान सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

नोएडा में 108 किलो गांजा के साथ 4 गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-2 व सीआरटी, स्वॉट-2 टीम ने चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 108 किलो गांजा बरामद किया गया। ये गांजा हाइक्वालिटी का है। इसकी बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपए है। ये लोग इंवर्ट की बाडी में गांजा को पैक कर रैलवे से तस्करी करते है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गांजा को इस तरह से पैक किया जाता है कि बाहर बिल्कुल भी स्मैल नहीं आती है। इनकी गिरफ्तारी निम्मी विहार के सामने बड़ा पार्क सेक्टर-88 से की गई। इनके नाम अब्दुला, सोवाना, शाबान हसन और समीर है। अब्दुल्ला इस गैंग का लीडर है। ये चारो लोग उड़ीसा से इनवर्ट में गांजा भरकर तस्कर करते है। ये दिल्ली एससीआर के नदजीक ऐसे स्टेशन पर उतरते है। जहां चेकिंग नहीं होती है। वहां से लोकल गाड़ियों के जरिए दिल्ली एनसीआर में प्रवेश करते है और यहां गांजा डिमांड करने वाले लोगों को बेचते है।

कंपनी की मनमानी से परेशान हैं वेंडर, लगाए गंभीर आरोप

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। भारतीय रेलवे में कैटरिंग का काम करने वाली नोएडा स्थित निजी कंपनी की मनमानी से छोटे छोटे माल की सप्लाई करने वाले वेंडर्स बेहद परेशान हैं। सोमवार को नोएडा मीडिया क्लब में एमएसएमई वेंडर्स एसोसिएशन ऑफिस इंडिया के सदस्यों द्वारा प्रेसवार्ता की गई, प्रेसवार्ता के दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने आईआरसीटीसी के रजिस्टर्ड वेंडर अम्बुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी पर आरोप लगाया है की कंपनी पिछले 7 से 8 महीनों से अपने साथ काम करने वाले छोटे छोटे वेंडर्स/ सप्लायर्स का भुगतान रोककर बैठी हुई है, ऐसे में छोटे छोटे उद्योग करने वाले वेंडर्स को जीवन यापन करने में भी काफी दिक्क़त आ रही है। वेंडर्स एसोसिएशन के सुशील तोमर ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बताया की नोएडा के ए-16 सेक्टर 6 स्थित अम्बुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी आईआरसीटीसी का अधिकृत कैटरिंग सेवा प्रदाता है, जो वर्तमान में पूरे देश ने करीब 60 से अधिक मेल/एक्सप्रेस एवं वन्दे भारत ट्रेनों में खाद्य सेवा का संचालन करती है, लेकिन कंपनी द्वारा करीब 6 से 8 महीनों से अपने सैकड़ो सप्लायरों और वेंडरों का भुगतान रोककर बैठी हुई है। जिसकी बकाया राशि करीब 7 से 8 करोड़ रुपए बैठती है। वहीं अमन गुप्ता ने बताया कि जब भी कोई वेंडर सेक्टर 6 स्थित कंपनी के मुख्य कार्यालय में भुगतान की मांग करने पर्चेज मैनेजर आनंद शर्मा एवं अकाउंट मैनेजर अभिषेक झा द्वारा धमकी दी जाती है की जो करना है कर लो लेकिन पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया की हमें बाउंसर द्वारा माध्यम से डराया धमकाया जाता है साथ ही कई बार मारपीट भी की जा चुकी है। हमारी मानसिक स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि आत्महत्या जैसे ख्याल आने लगे हैं। वेंडर्स संगठन से जुड़े सभी लोगों ने प्रेस वार्ता के दौरान अपील की कि सभी सप्लायरों और वेंडर्स का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाए जिससे वह अपने लघु उद्योग को बचा सकें साथ ही कंपनी कि उच्च स्तरीय वित्तीय और सतर्कता जांच होनी चाहिए, आईआरसीटीसी द्वारा उक्त कंपनी का लाइसेंस भी रद्द करना चाहिए।

अंबुज होटल एंड रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड ने दिया अपना पक्ष

कंपनी के प्रबंधन ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया है। उन्होंने कहा कि हम वास्तविक विक्रेताओं और एमएसएमई का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दबाव की रणनीति के आगे नहीं झुकेंगे। बढ़ी हुई कीमतों पर घटिया काम स्वीकार नहीं करेंगे। हितधारकों और मीडिया से निष्कर्ष निकालने से पहले दोनों पक्षों से तथ्यों को सत्यापित करने का आग्रह करते हैं। हम दुर्भावना पूर्ण तत्वों के खिलाफ मानहानि और एग्रीमेंट के उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

कांवड़ मार्ग पर पुलिस-प्रशासन सतर्क

- **पुलिस कमिश्नर व जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण**
- **चौकियों से लेकर कंट्रोल रूम तक तैयारियों की गहन समीक्षा**

गाजियाबाद, 30 जून (देशबन्धु)। कांवड़ यात्रा के सुचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने सोमवार को संयुक्त रूप से कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ यात्रा मार्ग पर की जा रही तैयारियों का गहन अवलोकन किया और दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस चौकी कादराबाद, कोतवाली मोदीनगर, मुरादनगर स्थित गंगनहर तथा मेरठ रोड तिराहा स्थित कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं संचार प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की।पुलिस आयुक्त जे. रविंद्र गौड़ एवं जिलाधिकारी दीपक मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा के दौरान यातायात बाधित ना होने पाए। साथ ही कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए हर पड़ाव पर चिकित्सीय सहायता, शुद्ध पेयजल और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं, अत: सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें एवं प्रत्येक व्यवस्था का स्थलीय परीक्षण समय-समय पर किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने में कोई दिक्कत न हो। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) रणविजय सिंह एवं पुलिस विभाग से एडिशनल पुलिस कमिश्नर आलोक प्रियदर्शी, डीसीपी सुरेन्द्र नाथ तिवारी, एडिशनल डीसीपी सच्चिदानंद, एसीपी जियाउद्दीन अहमद, एसीपी ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी लिपि नागायच, एसीपी पूनम मिश्रा सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्यानिक कार्यों के लिए दिल्ली एनडीएमसी से लेंगे प्रशिक्षण

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। शहर के पार्क, ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज में तकनीकी दक्षता के साथ उद्यानिकी कार्य किए जाए, जिससे शहर में हरियाली को बढ़ावा दिया जा सके। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण उद्यान विभाग के 200 कर्मचारी अब दिल्ली स्थित एनडीएमसी के अधिकारियों-कर्मचारियों से तकनीकी प्रशिक्षण लेने जाएंगे। चूंकि यह कर्मचारी जी 20 के समय तकनीकी प्रशिक्षण लेकर आए थे, जिसके बाद वह प्रधानमंत्री आवास, कार्यालय, राष्ट्रपति भवन, लोधी रोड, नेहरू गार्डन का कार्य देख रहे है। इनके कार्य को इन स्थानों पर लोग आकर्षित हो रहे है। ऐसे में शहर में हरियाली बढ़ाने जाने एवं उद्यानिक कार्य में तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर अपेक्षित सुधार किए जाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग एवं एनडीएमसी दिल्ली के कर्मी उद्यानिक कार्य के संबंध में जानकारी साझा किए जाने के लिए उच्चाधिकारियों की ओर से निर्देशित किया गया है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने बताया कि इस संबंध में उद्यान विभाग के समस्त उद्यान कर्मियों एवं उद्यान चौधरियों को एनडीएमसी दिल्ली के कर्मियों द्वारा उद्यानिक कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। एनडीएमसी दिल्ली के अधिकारियों / कर्मचारियों की ओर से तिथि निर्धारित कर शहर के उद्यानिक कार्य का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत उद्यानिक कार्य के संबंध में उद्यान विभाग के कर्मचारियों एवं एनडीएमसी दिल्ली के कर्मी आपस में उद्यानिक कार्य में अपेक्षित सुधार के लिए जानकारी साझा करेंगे। इस संबंध में एनडीएमसी दिल्ली के उद्यान अधिकारियों द्वारा नोएडा के उद्यान विभाग के समस्त उद्यान कर्मियों एवं उद्यान चौधरियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे नोएडा के उद्यान कर्मी एनडीएमसी दिल्ली के कर्मियों की सहभागिता से उद्यानिक कार्य के लिए तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर नोएडा शहर को हरियाली, हरितिमा एवं उद्यानिक कार्यों में तकनीकी दृष्टि से और अधिक उद्यानिक सुंदरता को बढ़ाया जा सके।

थार से कुचलने के प्रयास में आरोपियों की जमानत खारिज

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। नोएडा सेक्टर-53 मारपीट व थार से कुचलने के चर्चित मामले में आरोपियों की जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। पीड़ित की ओर से गौतमबुद्धनगर बार के अध्यक्ष प्रमेन्द्र भाटी की दलील पर मा. न्यायलय ADJ प्रथम ने जमानत याचिका को खारिज किया। आरोपियों की तरफ से अधिवक्ता उमेश भाटी ने पैरवी की थी। न्यायलय ने ज़मानत की दलीलों को पर्याप्त न मानते हुए याचिका को खारिज किया। बता दे आरोपी अमन अवाना व आकाश अवाना पुत्र सुधीर अवाना व उनके साथियों द्वारा 2 सगे भाइयों से गंभीर मारपीट व थार से कुचलने के वीडियो वायरल हुआ था। गौतमबुद्धनगर की मा. न्यायलय ADJ प्रथम सोमप्रभा मिश्रा की अदालत ने सोमवार को चर्चित मारपीट व हत्या के प्रयास के एक मामले में दोनों आरोपियों अमन अवाना और आकाश अवाना की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। अदालत ने माना कि आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया गंभीर आरोप हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो व मेडिकल रिपोर्ट से पीड़ित पक्ष की बात पुष्ट होती है। जमानत याचिका में कहा गया कि वादी से उनका पुराना व्यक्तिगत विवाद है। उसी रंजिश के चलते फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह भी कहा गया कि वादी और उसके भाई के विरुद्ध पूर्व में थाना सूरजपुर में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसे वापस लेने के लिए उन पर दबाव बनाया जा रहा है। आरोपों को आत्मरक्षा में हुई घटना बताया गया और कहा गया कि चोटें गंभीर नहीं हैं। हालांकि सुनवाई के बाद एडीजे प्रथम ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

सलाहकार कंपनी की रिपोर्ट के बाद अंडरपास निर्माण के लिए होगा कंपनी का चयन

- **181 करोड़ का है बजट, सीएम ने किया था शिलान्यास**
- **38 सेक्टर 20 गांव को फायदा**

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे पर प्राधिकरण दो नए अंडरपास झट्टा (16.900 किमी चैनेज पर) व सुल्तानपुर गांव (6.10 किमी चैनेज पर) के सामने बनाया जाएगा। इन दोनों अंडरपास के निर्माण के लिए पांच-पांच कंपनियां आई थी, दोनों अंडरपास निर्माण के लिए छात्र शक्ति नामक कंपनी का चयन किया गया है, लेकिन अभी काम का आवंटन होने की अनुमति सीईओ से नहीं मिली है।

सीईओ डॉ. लोकेश एम चाहते है कि पिछले अंडरपास निर्माण में जो खामियां थी, उन्हें यहां पर दोहराया न जाए। इसलिए एक सलाहकार कंपनी से अंडरपास का निरीक्षण कराया जा रहा है, रिपोर्ट आने के बाद ही चयनित कंपनी को अनुमति प्रदान की जाएगी। चयनित कंपनी करीब डेढ़ साल में दोनों अंडरपास का निर्माण 181 करोड़ रुपए में पूरा करेगी। करीब डेढ़ साल में अंडरपास का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। इससे करीब 20 गांव और 38 सेक्टर के लोगों को फायदा होगा। उनकी सीधी कनेक्टविटी एक्सप्रेस वे से हो जाएगी। इन दोनों अंडरपास का निर्माण डायाफार्म तकनीक पर किया जाएगा।

181 करोड़ में बनाए जाएंगे दोनों अंडरपास

पहला अंडरपास एक्सप्रेस-वे पर 16.900 किमी चैनेज पर सेक्टर-145, 146 155 और 159 के बीच बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 800 मीटर होगी। इसे निर्माण में करीब 99.74 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इससे नवविकसित / विकासाधीन औद्योगिक सेक्टर-151, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 162 और 9 गांव को लाभ मिलेगा।

दूसरा अंडरपास सुल्तानपुर के पास एक्सप्रेस-वे पर 6.10 किमी चैनेज पर सेक्टर-128, 129, 132 और 108 के बीच बनेगा। इसकी लंबाई 731 मीटर की होगी। इसके निर्माण में कुल 81.61 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस अंडरपास से सेक्टर-104, 105, 106, 107, 108, 110, 80, 81, 82, 83, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, फेस-2, एनएसईजेड एवं 11 गांव को लाभ मिलेगा।

दोनों अंडरपास डायाफ्राम तकनीक से किया जाएगा निर्माण

इस बार बनाए जाने वाले अंडरपास में तकनीक का बदलाव किया गया है। 2020 के बाद एक्सप्रेस वे पर कोंडली, एड्वेंट और सेक्टर-96 अंडरपास बॉक्स पुशिंग तकनीक पर बनवाए गए थे। इसमें लगातार एक्सप्रेस वे की सड़क धंसने की समस्याएं सामने आई थीं। इसलिए अबकी बार अंडरपास निर्माण के लिए प्राधिकरण डायाफ्राम तकनीक का चयन किया है।

इसमें बगैर खुदाई के डायाफ्राम वॉल कास्ट की जाएगी। इसके बाद दो तरफ जमीन के अंदर यह दीवार बनाकर उसके ऊपर अंडर पास की छत ढाल दी जाएगी। नीचे दोनों दीवारों व छत के बीच की मिट्टी खुदाई कर निकाली जाएगी। इसके बाद नीचे की सड़क का काम शुरू होगा। इसी तरह से दोनों लेन का काम प्राधिकरण करवाएगी। इसके कारण कुछ दिनों तक ट्रैफिक का संचालन प्रभावित रहेगा।

नोएडा के 4डी जंगल ट्रैल पार्क में होगा एडवंचर

- **जिपलाइन, रॉक क्लाइंबिंग जैसे गेम्स होंगे शामिल**
- **करेंगे नाइट सफारी, 15 करोड़ हो रहे खर्च**

नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। सेक्टर-44 में महामाया फ्लाईओवर और ओखला पक्षी विहार के बीच बन रहे जंगल ट्रेल में एडवेंचर भी किया जा सकेगा। इसके लिए जंगल में की जाने वाली एक्टिविटी को भी शामिल किया है। जैसे रॉक क्लाइंबिंग, जिप लाइन, जिप साइकलिंग के अलावा और अधिक एडवेंचर गेम्स को जंगल ट्रैल में शामिल किया जा रहा है। इसके लिए आपको पैसा देना होगा। यानी टिकट खरीदकर आप इन गेम्स को कर सकते है। इसके अलावा नाइट सफारी भी यहां होगी। पार्क में प्रवेश के लिए मिनिमन 100 रुपए चार्ज देना होगा।

महा फ्लाईओवर के पास 500 वाहनों की पार्किंग होगी। जिससे एक्सप्रेस वे और दिल्ली आने जाने वाले लोग आसानी से पार्क आ जा सकेंगे।

500 टन लोहे का होगा प्रयोग

पार्क में 500 टन लोहा वेस्ट का प्रयोग किया गया है। यहां लोहे से पार्क में स्कल्पचर बनाए जा रहे है। इसके अलावा प्लास्टिक वेस्ट का प्रयोग भी किया जा रहा है। इस पार्क को बनाने में करीब 15 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है। इसमें हाथी, पैंगुविन, शेर, जिराफ़, बर्ल्डस, बत्तख, फ्लेमिंगो, बरटफ्लाई, जंगली भैस, डाइनासौर, गैंडा, मोर, भालू, क्वाला, पांडा आदि को बनाए गए है।

प्राधिकरण एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि जंगल गेम्स एक्टविटी से यहां फुटफाल बढ़ेगा। बच्चे यहां जंगली जानवरों के बारे में जान सकेंगे साथ ही गेम्स का मजा ले सकेंगे। इसका लैंड स्केप का काम किया जा रहा है। बारिश के साथ इसे जंगल के रुप में बनाया जा रहा है। कुछ ही दिनों में ये अपना पूर्ण रुप ले लेगा। यहां कबाड़ से बने जानवरों को हल्का वार्निष कलर किया जाएगा जो इनकी सजीव बनाएंगे।

जून 2024 में पीपीपी मॉडल पर पार्क का निर्माण शुरू हुआ था। प्राधिकरण यह पार्क करीब 18.27 एकड़ में बना रहा है। पार्क के अंदर कबाड़ से बने डायनाशोर, गैंडा, मगरमच्छ, अजगर, बंदर की आकृतियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही छोटी आकृतियों में सुंदर-सुंदर चिड़ियां भी कबाड़ से बनी हुई होंगी। पार्क में आने वाले लोग जंगल में सैर का लुत्फ भी उठा सकेंगे।

तीन जोन में बांटा गया

पार्क के तीन जोन में बांटा गया है। पहला जोन-ए 4.05 एकड़ का है। इसमें पार्किंग, एंपीथियेटर (1000 लोगों की क्षमता का), फूड कोर्ट और ऐग्जीबिशन एरिया है। यहां 8 बसों और 76 कारों की पार्किंग होगी। जोन-बी 8.77 एकड़ का बनाया जा रहा है। इसमें ट्रोपिकल रेन फारेस्ट, ग्रास लैंड, वेट लैंड को बनाया जा रहा है। तीसरा जोन-सी 5.45 एकड़ का है। इसमें आईस लैंड ओशियन, ट्रेमप्रेट फारेस्ट और पोलर रीजन होगा।

अब जानते है पार्क के फीचर

- एनसीआर का पहला पार्क होगा जिसमें जंगल नाइट सफारी होगी। ई कार्ट के जरिए।
- पार्क में जल, मरुस्थल, बर्फ और घने जंगलों में रहने वाले 800 जानवरों को बनाया जाएगा।
- फूड कोर्ट होगा, किड्स प्ले एरिया बनाया जाएगा, पिकनिक स्पॉट होगा।
- वेस्ट के जरिए आउट डोर फर्नीचर, आउट डोर लाइटिंग और शॉप बनाई जाएंगी।
- पानी में रहने वाले जंतुओं को दिखाया जाएगा

उवाच “

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ इस नीति का विरोध करेगा। जिला अध्यक्ष प्रवीण ने कहा कि यह शासन आदेश गरीब वर्ग के बच्चों एव अध्यापक के लिए पूर्ण रूप से हानि कारक है। जिला मंत्री गजन भाटी ने बताया कि विभाग द्वारा 25 प्रतिशत विद्यालय कम्पोजिट के नाम पर एवं 25 प्रतिशत विद्यालय अब युग्मन के नाम पर बंद किए जा रहे है : **मेघराज भाटी, मांडलिक अध्यक्ष।**

कैपिटल ज़ोन

ग्रेनो को और हरा-भरा बनाने के लिए पौधारोपण अभियान में जनसहभागिता जरूरी : एसीईओ

- केंद्रीय विहार व फ्लोरीकल्चर सोसायटी के प्रतिनिधि एसीईओ से मिले, ग्रीन बेल्ट के अनुरक्षण की जताई इच्छा
- अभियान के लिए बनाया ऐक्शन प्लान, शासन से सवा लाख पौधारोपण करने का मिला लक्ष्य

‘पौधे लगाने का उत्तरदायित्व सिर्फ सरकारी संस्थानों तक सीमित न रहे, बल्कि ग्रेटर नोएडा के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह कम से कम एक-एक पौधे अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करे। घरों की बालकनी में भी गमले में पौधे लगाएं। इससे शुद्ध हवा मिलती रहेगी।

एनजी रवि कुमार, सीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। एनसीआर के सबसे ग्रीन शहर ग्रेटर नोएडा को और हरा-भरा बनाने के लिए इस वर्ष के पौधारोपण अभियान में जनसहभागिता पर जोर रहेगा। शासन ने प्राधिकरण को सवा लाख पौधे लगाने का लक्ष्य दिया है, मगर सीईओ एनजी रवि कुमार ने इसे बढ़ाकर लगभग दो लाख कर दिया है। इसमें बड़े आकार वाले पौधों के साथ ही झाड़ियों की प्रजाति के पौधे भी शामिल हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए सोमवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने उद्यान विभाग की टीम के साथ बैठक की और इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनभागीदारी पर जोर दिया। इसके लिए एनजीओ, सामाजिक संगठनों और आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने शासन से पौधारोपण के लक्ष्य को हासिल करने और ग्रेटर नोएडा व ग्रेनो वेस्ट को और अधिक हरा-भरा बनाने के लिए बृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने को कहा है। इसी सिलसिले में प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने सोमवार को बैठक की। बैठक में पौधारोपण अभियान को सफल बनाने पर चर्चा की गई। ग्रेटर नोएडा में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण अभियान के अंतर्गत प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा के आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों, संस्थाओं, ग्राम संगठनों, एनजीओ आदि को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए उद्यान विभाग के प्रभारी डीजीएम संजय कुमार जैन और सहायक निदेशक बुद्ध विलास को नोडल ऑफिसर बनाया गया है। इसके साथ ही अगर कोई सोसाइटी या संस्था ग्रीन बेल्ट को अडॉप्ट कर उसे विकसित करना चाहती है, तो प्राधिकरण उसके लिए भी तैयार है। इस बैठक के दौरान फ्लोरीकल्चर सोसाइटी और केंद्रीय विहार सोसाइटी के प्रतिनिधि भी एसीईओ से मिले और ग्रीन बेल्ट के मेंटेनेंस की इच्छा जताई। केंद्रीय विहार सोसायटी के प्रतिनिधि ने समिति के सामने की ग्रीन बेल्ट को मेनटेन करने और फ्लोरीकल्चर सोसायटी ने ईटा वन में ग्रीन बेल्ट को मेनटेन करने का प्रस्ताव दिया है। दोनों संगठनों को ग्रीन बेल्ट की साइट विजिट भी कर दी गई है। इसके अलावा आईआईपीपीटी संस्था के सचिव संजीव कुलश्रेष्ठ भी एसीईओ से मिले और 10 एकड़ एरिया में ग्रीन बेल्ट को विकसित करने के लिए लगभग 25 हजार पौधे लगाने व उसको मेनटेन करने का प्रस्ताव दिया। सोमवार को बैठक में उद्यान विभाग के प्रभारी डीजीएम संजय कुमार जैन, प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक पीपी मिश्र, सहायक निदेशक उद्यान बुद्ध विलास सहित उद्यान विभाग की टीम मौजूद रही।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दो नए यू-टर्न बनाए जाएंगे

- गौर सिटी-2 सोसाइटी और राष्ट्रीय राजमार्ग-24 की तरफ जाना होगा आसान
- ग्रेनो प्राधिकरण ने निविदा जारी की, तीन करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने पर जोर है। जलापूर्ति, सड़कों को चौड़ा करने सहित सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। ट्रैफिक जाम से निजात के लिए गौड़ चौक और तिगरी के बीच दो नए यूटर्न बनाए जाएंगे। इसकी निविदा जारी कर दी गई है। इटेड़ा गोलचक्कर के पास और गौड़ सिटी-1 और 2 के बीच की सड़क पर फुटओवर ब्रिज बनाने की भी अनुमति दे दी गई है।

प्रेरणा सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण।

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में गौड़ चौक और तिगरी के बीच 60 मीटर चौड़ी सड़क पर दो नए यूटर्न बनाए जाएंगे। प्राधिकरण ने इसकी निविदा जारी कर दी है। एक माह में काम शुरू होने की उम्मीद है। इससे गौर सिटी-टू की विभिन्न सोसाइटी में रहने वाले 40 हजार से अधिक लोगों को सबसे अधिक फायदा होगा।

खजूर चौक के पास तिगरी गोलचक्कर से पहले बनने वाले इस यूटर्न से गौड़ सिटी-टू की तरफ से आना-जाना आसान हो जाएगा। वाहन चालकों को तिगरी गोलचक्कर से घूम कर नहीं आना पड़ेगा, जिससे तिगरी गोलचक्कर पर भी ट्रैफिक जाम की समस्या कम हो जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-24 गाजियाबाद की तरफ जाना आसान हो जाएगा। गौर सिटी-2 में 10 से अधिक सोसाइटी हैं, जिनमें 40 हजार से अधिक लोग रहते हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में इधर से गुजरने वाले लोगों को सुबह व शाम व्यस्त घंटों में जाम से जूझना पड़ता है। इस समस्या से निजात के लिए प्राधिकरण ने प्रमुख सड़कों को चैड़ा करने के साथ जरूरी स्थानों पर यूटर्न बनाने के साथ अन्य विकल्प पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत गौड़ चौक और तिगरी के बीच गौड़ सिटी-टू सोसाइटी के सामने और खजूर चौक से पहले दो यूटर्न का निर्माण किया जाएगा।

दो यूटर्न के निर्माण पर लगभग तीन करोड़ रुपए की लागत आएगी। अधिकारी के मुताबिक इन दोनों यूटर्न के बनकर तैयार हो जाने पर गौड़ सिटी-टू की 10 से अधिक सोसाइटी में रहने वाले लोगों और नोएडा से गाजियाबाद की तरफ जाने वाले लोगों को काफी सहूलियत हो जाएगी। इससे गौड़ सिटी-टू की तरफ से आना-जाना आसान हो जाएगा। वाहन चालकों को तिगरी गोलचक्कर से घूमकर नहीं आना पड़ेगा, जिससे तिगरी गोलचक्कर पर भी ट्रैफिक जाम की समस्या कम हो जाएगी।

ग्रेनो वेस्ट में पांच यूटर्न बनकर तैयार

वाहनों के सुगम आवागमन के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट में पांच यूटर्न बनकर तैयार हो गए हैं। इनमें गौड़ चौक व इटेड़ा गोलचक्कर के बीच 2, इटेड़ा व एकमूर्ति गोलचक्कर के बीच 2 और एकमूर्ति व रोजा गोलचक्कर के बीच 1 शामिल हैं। इसके अलावा चार यूटर्न पहले से ही बने हुए हैं।

वहीं 130 मीटर चौड़ी सड़क पर सेक्टर पाई-1 के पास भी यू-टर्न बनकर तैयार हो गया है। इससे पाई-1,2, बिरौंडी गांव के आसपास की अन्य सोसाइटी में रहने वाले लोगों को काफी सहूलियत हो रही है।

यीडा में एक मुश्त भुगतान की योजना आज से नहीं हो सकती लागू

- यीडा 85 वीं बोर्ड बैठक में ओटीएस योजना को मिली थी मंजूरी
- बोर्ड के मिनट्स अभी नहीं मंजूर

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण में एक जनवरी से बिल्डर ग्रुप हाउसिंग योजना छोड़कर सभी प्रकार के लिए आवंटियों को एक जुलाई से एक मुश्त भुगतान लागू होनी थी। बोर्ड बैठक की कार्ययोजना को अध्यक्ष से मंजूरी न मिलने के कारण ओटीएस योजना कुछ दिन के लिए लटक सकती है। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड मिनट्स आने के बाद ही इस पर विचार किया जाएगा। बता दें कि यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की 85 वीं बोर्ड बैठक 18 जून को प्राधिकरण अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई थी। बोर्ड बैठक में बकाएदार आवंटियों को ब्याज दर में राहत देने के लिए एक मुश्त भुगतान योजना को मंजूरी दी गई थी। जिसे एक जुलाई से 31 अगस्त तक लागू किया जाना था। योजन लागू होने से पहले इसका समाचार पत्रों में प्रकाशन किया जाता है। सोमवार तक शासन से बोर्ड बैठक की कार्ययोजना को मंजूरी नहीं मिल पाई ऐसे में अब प्राधिकरण को एक मुश्त भुगतान योजना को आगे बढ़ाने पर विचार करना पड़ सकता है। दरअसल प्राधिकरण द्वारा पूर्व में आवंटियों की सुविधा हेतु एकमुश्त समाधान योजना छह बार लायी गई थी। जिससे प्राधिकरण को करीब 551.55 करोड़ रूपए की आय हुई थी। वर्तमान में अभी तक करीब 7917 करोड़ आवंटियों पर डिफाल्टर है। जिन पर लगभग 4988 करोड़ की धनराशि आवंटियों पर अतिरिक्त प्रतिकर व प्रीमियम बकाया है। आवंटी बकाया धनराशि देने के इच्छुक है। ऐसे में प्राधिकरण ने बोर्ड ओटीसी की योजना लायी थी। जिसमें बकाया राशि के ब्याज दर में राहत मिल सकती है। बोर्ड ओटीएस योजना को एक जुलाई से 31 अगस्त तक लागू करने का निर्णय लिया था। प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि बोर्ड मिनट्स आने के बाद ही योजना लागू किया जा सकता है। योजना देर से लागू होती है तो पैसा जमा करने के लिए समय सीमा बढ़ाया जा सकता है।

परिषदीय व कंपोजिट विद्यालयों के युग्मन के विरोध में ग्राम प्रधान व विद्यालय समिति हुए एकजुट

- बैठक कर इस नीति को गरीब बच्चों के विरुद्ध बताया
- बिना सहमति के नहीं बंद करने दिया जाएगा विद्यालय

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों को युग्मन अथवा बन्द करने के निर्देश जारी किए गए थे। जनपद में काफी स्कूलों को बंद करने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पत्र जारी भी किए जा चुके हैं। इस सम्बन्ध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में सम्पूर्ण प्रदेश की भांति ही जनपद गौतमबुद्धनगर समस्त विकास खण्डों में ब्लॉक अध्यक्ष की अध्यक्षता में ब्लॉक एवं जिला पदाधिकारियों द्वारा विद्यालय मर्ज होने वाले गांवों के सम्मानित प्रधान, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष, अभिभावकों एवं संबंधित विद्यालय प्रधानाध्यापक एवं अध्यापकों के साथ विद्यालय युग्मन अथवा बंद होने के सम्बन्ध में कम्पोजिट विद्यालय सादोपुर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा में इस नीति को गरीब वर्ग के बच्चों के विरुद्ध बताया गया कि इस प्रकार विद्यालय बंद होने से गरीब बच्चे कभी भी शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाएंगे।

विस्तार पूर्वक चर्चा उपरान्त सभी के द्वारा निर्णय लिया गया कि हम अपना विद्यालय बन्द होने के पक्ष में नहीं है। इस सम्बन्ध में हम सभी मुख्यमंत्री सहित सभी को विरोध पत्र द्वारा अवगत कराएंगे। मांडलिक अध्यक्ष मेघराज भाटी ने बताया कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ इस नीति का विरोध करेगा। जिला अध्यक्ष प्रवीण ने कहा कि यह शासन आदेश गरीब वर्ग के बच्चों एव अध्यापक के लिए पूर्ण रूप से हानि कारक है। जिला मंत्री गजन भाटी ने बताया कि विभाग द्वारा 25 प्रतिशत विद्यालय कम्पोजिट के नाम पर एवं 25 प्रतिशत विद्यालय अब युग्मन के नाम पर बंद किए जा रहे है। शासनादेश में स्पष्ट कहा गया है कि ग्राम प्रधान, अध्यक्ष वि. प्र. समिति, अभिभावक एवं हेड मास्टर की बिना सहमति के कोई विद्यालय बंद नहीं होगा। लेकिन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बिना सहमति के विद्यालय बंद कर रहे हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रांतीय अध्यक्ष के आदेश अनुसार इस नीति का विरोध करेगा। इस अवसर पर सैकड़ों ग्राम प्रधान, अध्यक्ष समिति, अभिभावक, प्रधानाध्यापक सहित समस्त ब्लॉक एवं जिला कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

बासमती धान के बनाए जाएं क्लस्टर, कृषि उत्पादों के निर्यात पर दें जोर : सीडीओ

- उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति के तहत निर्यात हेतु क्लस्टर सुविधा इकाई की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। कृषि विपणन एवं विदेश व्यापार विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के तहत निर्यात के लिए कलस्टर निर्माण के दायित्व की पूर्ति के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक आर्गेनिक फार्मिंग प्रोडूसर क. लिमिटेड के निर्यात उन्मुख क्लस्टर गठन हेतु समिति के समक्ष प्रस्ताव रखा गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी की अनुमति प्रदान की गई। केआरबीएल राइस एक्सपोर्ट कंपनी द्वारा क्लस्टर घोषित होने के उपरांत उत्पाद को निर्यात करने हेतु सहमति की गई। बैठक में एसएएमआई कृषि विपणन विभाग से रामकुमारी ने बताया कि क्लस्टर में निर्यात नीति के तहत 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल के क्लस्टर निर्माण करने एवं उत्पादन का 30 प्रतिशत निर्यात करने पर 10 लाख रुपए का अनुदान देने का प्राविधान है। निर्यातकों को कृषि उत्पादों एवं इनसे प्रसंस्कृत वस्तुओं के निर्यात पर परिवहन अनुदान वास्तविक भाड़े का 25 प्रतिशत तथा अधिकतम 20 लाख रु. प्रतिवर्ष देय है।

कृषि निर्यात/पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन और प्रौद्यौगिकी में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम संचालित करने वाले राजकीय संस्थानों को 25 या अधिक छात्रों के पंजीकृत होने पर एकमुश्त 50 लाख का अनुदान देय है। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को उक्त सभी चरणों को अतिशीघ्र पूर्ण कराने एवं बासमती के क्लस्टर गठन हेतु सम्बंधित विभाग को निर्देश दिए गए, जिससे जनपद के कृषि उत्पादकों को शासन द्वारा चलाई उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति के तहत लाभ प्राप्त कराया जा सके। इस दौरान उप कृषि निदेशक राजीव कुमार, डी.डी.एम. नाबार्ड गाजियाबाद, जिला कृषि अधिकारी गौतमबुद्धनगर, कृषि वैज्ञानिक (अपेडा) प्रमोद कुमार तोमर, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, ए.एच. आई उद्यान, आकांक्षा, (एएमआई दादरी) योगिता तथा कृषि उत्पादकता समूह के सदस्य तथा निर्यातक सम्मिलित हुए।

भाजपा नेता पर महिला और उसके बेटे को चप्पल और डंडों से पीटने का आरोप, वीडियो वायरल

दनकौर, 30 जून (देशबन्धु)। कोतवाली वाले क्षेत्र के बिलासपुर कस्बे में एक भाजपा नेता पर एक महिला और उसके बेटे को चप्पल और डंडों से पीटने का आरोप लगा है। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि काम करने से मना करने पर आरोपी ने महिला और उसके बेटे को पीटा था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर शांति भंग करने का आरोप में कोर्ट में पेश किया है। जानकारी के मुताबिक, बिलासपुर कस्बा निवासी अतीक पठान कासना मंडल मंत्री है। बताया जाता है कि उनके पड़ोस में सकीना नाम की एक महिला रहती है। जिसके बेटे से आरोपी ने किसी काम के लिए कहा था। जब उसने मना कर दिया तो इसी बात से गुस्साए आरोपी ने महिला के बेट को जमकर पीटना शुरू कर दिया। बीच बचाव करने पहुंची मां को भी आरोपी ने चप्पल और डंडों से पीटा। वहां मौजूद लोगों द्वारा घटना का वीडियो बना लिया गया। मारपीट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। घटना के बाद में वीडियो को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पिछले काफी समय से आरोपी उन पर दबंगई दिखाते हुए अपना निजी कार्य कराता था। अबकी बार मना करने पर उन पर आरोपी ने हमला कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने पुलिस से भी शिकायत की है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि महिला और उसके बेटे से मारपीट करने का आरोप में आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में महिला संसद सत्र का आयोजन

- महिलाओं को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आपातकाल जैसी घटनाओं कराना था परिचित

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के एक संवेदनशील एवं निर्णायक अध्याय ‘आपातकाल’ पर सोमवार को जीएन ग्रुप, नॉलेज पार्क-2 में भाजपा महिला मोर्चा, पश्चिम उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में एक भव्य एवं विचारोत्तेजक मॉक पार्लियामेंट (महिला संसद) सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा आपातकाल जैसी ऐतिहासिक घटनाओं की संवैधानिक व सामाजिक व्याख्या से परिचित कराना रहा। सत्र की शुरुआत गरिमामयी अध्यक्षीय अभिभाषण के साथ हुई, जिसके पश्चात प्रश्नकाल में आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वायतता, नागरिक अधिकारों पर प्रतिबंध तथा मीडिया सेंसरशिप जैसे गंभीर विषयों पर विचारोत्तेजक प्रश्न प्रस्तुत किए गए।

मुख्य बहस ‘आपातकाल की संवैधानिक वैधता’ विषय पर केंद्रित रही, जिसमें पक्ष और विपक्ष ने ऐतिहासिक तथ्यों, संवैधानिक प्रावधानों एवं नैतिक मूल्यों के आलोक में अपने तर्कों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विपक्ष ने इसे ‘संविधान की आत्मा पर सीधा प्रहार’ कहा जबकि सरकार पक्ष ने इसे ‘राष्ट्र की अखंडता एवं सुरक्षा की दृष्टि से अपरिहार्य निर्णय’ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद गीता शाक्य ने की, जो सदन में महिलाओं की बुलंद आवाज के रूप में जानी जाती हैं। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुनीता दुग्गल ने अपने ओजस्वी एवं भावनात्मक उद्बोधन में आपातकाल की विभीषिका का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, और इसे लोकतंत्र का ‘काला अध्याय’ बताया। सभापति के रूप में राज्यसभा सांसद कांता कर्दम ने संचालन किया, जबकि उपसभापति की भूमिका पूर्व महापौर आशा शर्मा ने निभाई। सरकारी पक्ष से प्रमुख वक्ताओं में विधायक अंजुला मोर, डॉ. मंजू शिवाच, सलोना कुशवाहा, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, महापौर हेमलता दिवाकर, प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक रश्मि रावल, पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष एवं कार्यक्रम सह-संयोजक वर्षा कौशिकगहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। विपक्ष की ओर से अंजू वॉरियर जी, राखी त्यागी, नीलम हरेंद्र जी, रजनी गॉर्ड जी एवं पायल अग्रवाल जी ने लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन की आलोचना करते हुए आपातकाल की भर्त्सना की। सत्र का समापन मतवाचन एवं प्रधानमंत्री के रूप में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद गीता शाक्य के प्रेरणास्पद संबोधन के साथ हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन को जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में जीएन ग्रुप के चेयरमैन बी.एल. गुप्ता के देखरेख में आयोजित हुआ।

एयरपोर्ट व फिल्मसिटी की चमक में खोया गांवों का विकास

- रबूपुरा वाया पारसोल होकर नोएडा को जोड़ने वाले मार्ग पर गांव पचोकरा प्राथमिक विद्यालय के सामने जलभराव
- स्कूल के प्रधानाचार्य यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक को लिख चुके हैं पत्र

रबूपुरा, 30 जून (देशबन्धु)। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, फिल्मसिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क आदि जैसी महवपूर्ण परियोजनाओं से विश्व भर में अपनी पहचान बना चुके नोएडा की ग्रामीण आबादी अभी भी मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। ग्रामीण क्षेत्रों में टूटी-फूटी सड़कें, चरमराई विद्युत आपूर्ति, बदहाल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा जैसी विभिन्न समस्याओं से शहर का ग्रामीण अंचल आज भी जूझ रहा है। विभिन्न स्थानों पर मुख्य मार्गो पर पानी की उचित निकासी नहीं होने के कारण जलभराव का नजारा आसानी से देखा जा सकता है। कुछ ऐसा ही आलम है जनपद के पचोकरा गांव में दिखता है। रबूपुरा से वाया पारसौल व दर्जन भर गांवों को जोड़ नोएडा तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर गांव के प्राथमिक विद्यालय के समीप अधिकांश रूप से गन्दा पानी भरा रहता। जिसके कारण विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों, ग्रामीणों व उक्त मार्ग से अपने गंतव्य को जाने वाले सैकड़ो लोगों को वहीं से गुजरना होता है। बताया जाता विद्यालय प्रधानाचार्य व ग्रामीणों द्वारा यमुना विकास प्राधिकरण एवं सम्बंधित से समस्या के निदान की गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन सुनवाई नहीं हुई। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक की भेजे पत्र में प्राथमिक विद्यालय पचोकरा के प्रधानाचार्य ने कहा है कि स्कूल के मुख्य द्वार पर जलभराव होने से छात्रों की शिक्षा प्रभावित होने के साथ ही संक्रमित बीमारी फैलने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के दावे अनुसार गांव में अन्य भी समस्याएं हैं जिनके समाधान की कई बार गुहार लगाई जा चुकी है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी 2 सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जपनद गौतमबुद्धनगर-201308 उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 1192/एस०टी० एस०डी०एम०/2025 दिनांक 24.06.2025 श्री गंगाराम पुत्र बुद्धाराम नि० ग्राम नंगला श्रीगोपाल, परगना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर की मृत्यू दिनांक 09.02.2025, को हो चुकी है मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
रबूपुरा	1917/2म	श्री गंगाराम पुत्र बुद्धाराम नि0 ग्राम नंगला श्रीगोपाल, परगना-जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर	पार्वती	पत्नी	59 वर्ष	विधवा
			रवि कुमार	पुत्र	36 वर्ष	विवाहित
			अनीता	पुत्री	32 वर्ष	विवाहित
			अनिकेत	पुत्र	21 वर्ष	अववाहित
			निशा	पुत्री	24 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, मंगलवार 1 जुलाई 2025
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है।

वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा।

भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरु कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।' श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है।'

चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे। लेकिन किसानों के एक साल से ज्यादा वक्त तक चले आंदोलन के बाद खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वापस लेने का ऐलान किया था और कहा था कि मेरी ही तपस्या में कोई कमी रही होगी। जब कृषि कानून निरस्त हो सकते हैं, तो वक्फ संशोधन कानून भी वापस लिया जा सकता है। दूसरी बात जिस तरह समाजवाद और नमाजवाद की तुक सुधांशु त्रिवेदी ने मिलाई है, क्या उसे नफरती भाषण की तरह नहीं समझा जाना चाहिए, यह बड़ा सवाल है।

लोकतंत्र में न समाजवाद पर किसी को आपत्ति करने का हक है, न किसी के नमाज पढ़ने, पूजा करने, या अपनी मर्जी के धार्मिक स्थल जाने या न जाने पर कोई सवाल उठा सकता है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है, कहा है, उसमें नमाज पढ़ने को गलत, गैरकानूनी, अनैतिक बताने की परोक्ष कोशिश भाजपा की तरफ से दिखाई दे रही है। नमाजवाद वैसे तो कोई शब्द है नहीं, न ही हो सकता है। जब हम प्रार्थनावाद, पूजावाद, हवनवाद, जपवाद नहीं कहते हैं, तो फिर नमाजवाद कैसे कह सकते हैं। लेकिन भाजपा प्रवक्ता ने इस अनर्गल शब्द के जरिए एक प्रार्थना पद्धति को अपमानित किया है, जो सरासर गलत है और इस पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपना पक्ष रखना चाहिए कि क्या वह भी इससे सहमत हैं।

इंडिया गठबंधन की बढ़ती ताकत से हड़बड़ाई भाजपा अपना पक्ष मजबूत करने की जगह ऐसे बयानों से और कमजोर होगी, यह बात पार्टी नेतृत्व को समझना चाहिए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला

राजेंद्र शर्मा

> बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा।

यह अगर संयोग ही है तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर-शोर से 'संविधान हत्या दिवस' के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरूआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट-छांट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम वयस्क मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं।

बेशक, इस प्रक्रिया की शुरूआत फिलहाल बिहार से हो रही है। और बिहार के सिलसिले में इस प्रक्रिया के संभावित दुष्परिणामों को रेखांकित करने के अलावा, करीब-करीब सभी जानकार और टिप्पणीकार एक और समस्या की ओर ध्यान खींच रहे हैं। प्राय: सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि बिहार के चुनाव से पहले इस प्रक्रिया का पूरा होना, इसके लिए तय की गयी समय सूची का पालन हो पाना, लगभग 'असंभव' है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से / आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि बचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरयुक्त तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद ब खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे। बेशक, अब तक के मतदाता सूचियों में शामिल मतदाताओं को, उनके मतदाता सूचियों में जुड़ने की तारीख के हिसाब से तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया और इनमें से हरेक श्रेणी में आने वाले मतदाताओं से अलग-अलग हद तक दस्तावेजों की मांग की गयी है, लेकिन अपने जन्मस्थान व जन्म तिथि के प्रमाण के साथ अर्जी देने की शर्त सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है।

बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध समय का ही नहीं है, हालांकि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी। इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पैमाने पर लागू किया जाएगा—पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय-सारणी की अनुपयुञ्चतता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी की यह कहावत इस पर एकदम फिट बैठती है कि-डेविल इज़ इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरे में है!

बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेढ़ दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहां तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व-संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों?

जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मृतकों के नाम कटने की कमजोरियों से लेकर, पलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं। लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांक रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तुक है?

अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है। नयी प्रक्रिया में, जिसमें मतदाता सूची में नाम लिखवाने के लिए मतदाता को अपने हस्ताक्षरों के साथ और विभिन्न प्रमाणों के साथ अर्जी देनी है, यह जिम्मेदारी सीधे-सीधे मतदाता पर डाल दी गयी है। अब जो इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाएगा, स्वाभाविक रूप से मतदाता सूची में नहीं आएगा। उसका छूट जाना, चुनाव आयोग या शासन की सिरदर्दी नहीं है। यह जनतंत्र की अभिव्यक्ति के रूप में चुनाव की व्यवस्था की ही जड़ पर कुठाराघात है।

ब्यौरों का दूसरा पहलू, अपनायी जाने वाली प्रक्रिया से है। प्रक्रिया यह तय की गयी है कि जुलाई 1987 से पहले से जो मतदाता हैं यानी जिनकी आयु 48 वर्ष या उससे अधिक है, उन्हें अपने जन्म स्थान/तिथि का ही प्रमाण देना होगा और मतदाता सूची में अपने नाम की यथावत मौजूदगी का प्रमाण। लेकिन, जो जुलाई 1987 से लेकर 2 दिसंबर 2004 तक मतदाता बने हैं, उन्हें उक्त प्रमाणों के साथ अपने माता-पिता में से किसी एक का जन्म स्थान/ तिथि प्रमाणपत्र भी देना होगा। और 2 दिसंबर 2004 के बाद जो मतदाता बने हैं, यानी जिनकी आयु 18 से 21 वर्ष है, उन्हें माता-पिता, दोनों का जन्म स्थान/तिथि प्रमाणपत्र देना होगा। माता/ पिता के जन्म स्थान के सत्यापन का मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य किया जाना, इस पूरी प्रक्रिया को डरावने तरीके से नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स या एनआरसी तैयार करने की विवादास्पद प्रक्रिया की प्रतिलिपि बना देता है। क्या मोदी सरकार खुद एनआरसी में विफल होने के बाद, अब चुनाव आयोग की आड़ में ही यह मकसद पूरा करने की कोशिश नहीं कर रही है, जिसका मकसद गरीब अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर संदेह खड़े करना भी लगता है।

लगभग सभी विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने और स्वतंत्र टिप्पणीकारों ने उचित ही यह सवाल उठाया है कि इस तरह के प्रमाण, कम से कम बिहार जैसे पिछड़े राज्य में, कितने लोग दे सकते हैं? और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि क्या इन शर्तों के जरिए एक तरह मतदाताओं की छंटनी ही नहीं हो रही होगी, जिसमें गरीब, अशिक्षित और सामाजिक रूप से दबे हुए लोग, खुद ब खुद मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। बेशक, चुनाव आयोग ने प्रमाणों के मामले में कुछ विकल्प भी दिए हैं। लेकिन, सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि ये वैकल्पिक प्रमाण भी, इस सच्चाई को भेद नहीं सकते हैं कि गरीबों, अशिक्षितों और सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छानकर बाहर कर दिया जाएगा। दूसरी ओर उसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्णों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छनकर मतदाता सूचियों में पहुंच जाएगा।

दुर्भाग्य से ऐसा होना चुनाव आयोग के अलोकतांत्रिक मनमाने फैसले का अनचाहा दुष्परिणाम नहीं लगता है। इसके विपरीत, ऐसा लगता है कि इसी वांछित दुष्परिणाम के लिए चुनाव आयोग ने अचानक और किसी गुप्त प्रेरणा से यह कदम उठाया है। बेशक, बिहार के संदर्भ में यह और भी प्रखर रूप से देखा जा सकता है, लेकिन वास्तव में यह कमोबेश देश के पैमाने पर सच है कि गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का ज्यादा झुकाव, बिहार में महागठबंधन और देश के पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी पार्टियों के पक्ष में है और इसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्ण तबकों का उतना ही ज्यादा झुकाव मौजूदा सत्ताधारियों के पक्ष में है। यही तात्कालिक चुनावी राजनीतिक सैटिंग चुनाव आयोग के जरिए, वर्तमान सत्ता द्वारा खेले जा रहे लाखों गरीबों को मताधिकार से ही वंचित करने के इस जनतंत्रविरोधी खेल के पीछे है। जनतंत्र की हिफाजत करने के लिए इस षड्यंत्र को विफल करना ही होगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

आपातकाल और शरद यादव!

रामबहोर साहू

> शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

ये संयोग ही है कि आपातकाल के साक्षी रहे शरद यादव की इस वर्ष की जन्म वर्षगांठ उस समय है जब देश में केंद्र और कई राज्य सरकारें आपातकाल के पचास वर्ष पूरे होने पर चर्चा जोरों-शोरों से कर रही हैं। विगत दिनों, केंद्र सरकार के साथ-साथ 'डबल इंजन' की सरकारों ने इमरजेंसी लगने वाले दिनों को 'काला अध्याय', 'काला दिवस', तथा 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में याद किया और मनाया गया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल के दौरान, समाजवादी नेता और 'मंडल मसीहा' शरद यादव मीसा कानून (मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट, 1971) के तहत विभिन्न जेलों में रहे। मीसा से पहले भी छात्र आंदोलन के चलते जेल जा चुके थे। आपातकाल लगने से पूर्व, फरवरी 1974, में ही शरद यादव जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सबसे युवा सांसद बने थे।

मंडल मसीहा समाजवादी नेता शरद यादव का जन्म 1 जुलाई 1947 को हुआ। मूलत: होशंगाबाद जिले के गांव आंखमऊ से आने वाले शरद यादव ने जबलपुर के रॉबर्टसन कॉलेज (अब शासकीय विज्ञान महाविद्यालय और महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, वह भी गोल्ड मेडल सहित।

जबलपुर में छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय राजनीति के पटल में उभरे शरद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी, अत्याचार व भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई। जबलपुर विश्वविद्यालय के निर्वाचन में धांधली के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर उन्होंने उस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। स्वयं छात्र संघ चुनाव लड़े और छात्रसंघ 'विश्वविद्यालय' चुनाव में विजयी होकर छात्र नेता से 'शरद भाई' की संज्ञा पाने वाले शरद यादव का आपातकाल के दौरान और बाद में अपनी राजनीति से देशभर में यही नाम कायम रहा।

इंदिरा गांधी सरकार की नीतियों के विरुद्ध देशव्यापी जन आंदोलन की अगुआई जयप्रकाश नारायण कर रहे थे, तब 1974 के जबलपुर लोक सभा के उपचुनाव में संयुक्त जनता पक्ष ने शरद यादव को अपना उम्मीदवार बनाया। चुनाव चिन्ह मिला 'हलधर किसान'। उनके चुनाव प्रचार सभाओं में स्वयं जयप्रकाश भी पहुंचे। कांग्रेस के धनाढ्य प्रत्याशी सेठ गोविंददासजी को पराजित कर शरद यादव ने महज 27 वर्ष की उम्र में सांसद बनने का गौरव अर्जित किया। शरद यादव जबलपुर से दो बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए - 1974 और 1977 में। जब साल 1977 में जनता पार्टी के गठन पर इसी 'हलधर किसान' चिन्ह के साथ जनता पार्टी को मिला, लोकसभा चुनाव जीता और केंद्र में सरकार बनाई। हालांकि जनता पार्टी की सरकार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। फिर भी उस अल्प अवधि में जनता पार्टी ने दो प्रधानमंत्री देश को दिए—मोरारजी भाई देसाई व चौधरी चरण सिंह।

1980 में जनता पार्टी का विघटन हुआ। संपूर्ण क्रांति के सूत्रधार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने एकता के इस आंदोलन में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नेताओं को संगठित किया था। लेकिन मतभेदों के चलते विघटन भी उसी तरीके से हुआ जैसा कि गठन हुआ था।

एक अंतराल के बाद, बोफोर्स तोप का मामला पुन: से विपक्षी दलों को एकजुट करने का माध्यम बना। तत्कालीन वित्त व रक्षा मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनता दल का गठन हुआ, और जनता दल (राष्ट्रीय मोर्चा) सरकार के वे प्रधानमंत्री बने; हालांकि यह सरकार भी केवल ग्यारह माह ही रही। तत्पश्चात, चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेता राजीव गांधी की रणनीति के चलते 'समर्थन' से छह माह के लिए प्रधानमंत्री पद संभाला।

शरद यादव लोकसभा के 5वें, 6वें, 10वें, 11वें, 13वें एवं 15वें सत्रों के लिए तीन राज्यों से चुने गए तथा उच्च सदन राज्यसभा के तीन सत्रों के लिए निर्वाचित होकर दोनों सदनों में सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को बखूबी से उठाया। उनके व्यंग्यात्मक शिल्प ने सदन में बहसों को जीवंत बनाया। अपनी लम्बी और यादगार राजनीतिक पारी में वे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से दोनों सदनों के लिए चुने जाते रहे। अंत: बिहार को राजनीतिक कर्मभूमि बनाया।

शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

मंडल मसीहा और प्रखर समाजवाद के समर्थक शरद यादव को उनकी की 78वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

(लेखक विचार मंच से जुड़े हैं।)

ललित सुरजन की कलम से

ओसियां और जोधपुर

'दूर-दूर तक फैला रेगिस्तान। जैसे रेत का समुद्र। आज से कई लाख साल पहले यहां समुद्र ही तो था। इस जनहीन विस्तार के बीच में कहीं-कहीं बालुई चट्टानों से बनी पहाड़ियां। मरुस्थल की जड़ता को तोड़ती हुई। मैं कल्पना कर रहा हूं आज से बारह-तेरह सौ साल पहले के समय की। इस निर्जन में किसे और क्यों सूझा होगा कि यहां मंदिर बनाया जाए तो क्या शायद यहां कोई छोटी-मोटी बस्ती रही होगी? वहीं कहीं आसपास मीठे पानी का कोई स्रोत रहा होगा। अगर पानी न होता तो मनुष्य की बसाहट भी कैसे होती? मैं कल्पना के घोड़े दौड़ाता हूं तो एक बात समझ आती है। यह जगह पश्चिमी भारत से उत्तर भारत को जोडऩे वाले किसी यात्रापथ पर रही होगी। शायद प्राचीन सिल्क रूट की कोई शाखा! आते-जाते काफिले मीठे पानी के सरोवर के पास डेरा डालते होंगे। धीरे-धीरे यहां स्थायी बस्ती बसी होगी। तब पहले कोई मुखिया, फिर कोई राजा यहां का शासक बन गया होगा और यह स्थान उस प्राचीन समय के मानचित्र पर अंकित हो गया होगा।'

'मैं बात कर रहा हूं ओसियां की। जोधपुर के पास बसा एक प्राचीन नगर जहां आठवीं शताब्दी से बारहवीं शताब्दी के बीच निर्मित मंदिरों का एक पूरा समूह है। मंदिरों की कुल संख्या दो दर्जन के आसपास होगी।'

देशबन्धु में 29 अक्टूबर 2015 को प्रकाशित

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/10/blog-post_30.html

आज डॉक्टर्स डे

भगवान एक बार जीवन देता है डॉक्टर बार-बार बचाता है

खेत में किसान, सीमा पर सैनिक, विद्यालय में शिक्षक और अस्पताल में डॉक्टर न हों तो मानवीय समाज का जीवन कठिन हो सकता है। इस पृथ्वी पर जिजीविषा को मूर्तरूप प्रदान करने में डॉक्टर्स की भूमिका अतुलनीय रही है।

डॉक्टर मसीहा का पर्याय है। अधमरे इंसान में जान फूंकने , रोगियों को स्वस्थ करने और हमारे अपनों को दूर जाने से बचाने में जो डटे रहते हैं , वहीं वास्तव में डॉक्टर है । वही मसीहा हैं। जब-जब लगा कि अब इस दुनिया को अलविदा कहने का समय आ गया है, तब-तब ईश्वर का प्रतिनिधि बनकर चिकित्सकों के रूप में एक इंसान ने दस्तक दी और असमय मृत्यु से बचा लिया। चिकित्सकों के समुदाय ने सदियों से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जिंदगी दोबारा भी मिल सकती है। दरअसल एक डॉक्टर एक दिन में अनेकों बार जीता और मरता है। जब भी उसके हाथों कोई रोगी ठीक होता है, तब उसे लगता है कि उसका जीवन सार्थक हो गया। इसके विपरीत जब तमाम कोशिशों के बाद भी वह रोगी को नहीं बचा पाता है , तब उसे लगता है कि सब कूछ समाप्त हो गया। इस प्रकार की स्थिति से प्रतिदिन दो-चार होना आसान नहीं कहा जा सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के चलते ही हर वह इंसान जो बीमार है और उसका परिवार डॉक्टर की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखता है। यदि अस्तित्व विहीन हो जाना इस जीवन की नियति है, तो अस्तित्व को बरकरार रखना डॉक्टर के जीवन का ध्येय है। देखा जाए तो डॉक्टर का मूल लक्ष्य जीविकोपार्जन अथवा धंधा करना नहीं बल्कि जिंदगी और मौत से जूझ रहे इंसान को येन केन प्रकारेण बचाना है।

हमारे वैद्यराजों ने अनादिकाल से आयुर्वेद के दम पर गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज कर अपनी योग्यता सिद्ध कर दिखाई है। आज की आधुनिक जीवन शैली ने चिकित्सा जगत को बड़ी चुनौतियों में डाल रखा है। अब आयुर्वेद पर विश्वास उतना नहीं रहा जितना भारतवर्ष के सादगीपूर्ण जीवनशैली के समय था। इसका जो कारण मुझे समझ में आता हैं वह बिगड़े पर्यावरण के रूप में दिखाई पड़ रहा है । खानपान से लेकर मानवीय समाज में जीवनयापन कर रहे हम लोगों ने अपने ऋषि-मुनियों द्वारा बताई गई दिनचर्या को न मानकर ही अपने शरीर के अंदर बीमारियों का बीजारोपण किया है। अब हमारे वानस्पतिक वृक्षों में भी वह ताकत नहीं रही जो सदियों पहले हुआ करती थी। यही कारण हैं कि वर्तमान युग में बीमारियों से लड़ने वैज्ञानिक शोधों का सहारा लेना पड़ रहा है। हमारा चिकित्सा विज्ञान जितना प्रगति कर रहा है, बीमारियों के नए-नए रूप भी बढ़चढ़ कर चुनौती पेश करते दिख रहे हैं। मानवीय शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति का क्षीण होना ही वह कारण है कि हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों को तुरंत असर करने वाली दवाइयों का आविष्कार करना पड़ा। आज के चिकित्सकों का जीवन हमारे जाने-माने वैद्यराजों से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बन पड़ा है।

एक डॉक्टर का जीवन चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही साथ अनेक मौकों पर कठिन भी हो सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के आधार पर यह पेशा उन्हें समाज में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जोड़ा जाता है। हर चिकित्सक का अनुभव अद्वितीय होता है। यही गुण उनकी विशेषता बनकर, कार्य, वातावरण और व्यक्तिगत लचीलेपन से नया आकार ग्रहण कर लेता है। चुनौतियों और पुरस्कारों के बीच संतुलन बनाना चिकित्सा क्षेत्र में स्थायी और संतोषजनक करियर की कुंजी मानी जा सकती है।

-डा. सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन

भारत में वर्षाकाल मे भीषण वर्षा के फलस्वरुप बाढ़, भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है। देश के साथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस में सामंजस्य बिठा कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके। आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्तरूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बहुत हानि होती है। आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

-संजीव ठाकुर

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया फतवा

तेहरान, 30 जून (एजेंसियां)। अयातुल्ला मकारिम शिराजी ने एक फतवा जारी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को 'ऊपर वाले का दुश्मन' बताया है। अयातुल्ला मकारिम शिराजी ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरुओं में से एक हैं। शीर्ष शिया धर्मगुरु ने अपने फतवे में कहा कि कोई भी व्यक्ति या शासन जो नेता या मरजा को धमकाता है, उसे ऊपर वाले का दुश्मन माना जाता है। सेमी-ऑफिशियल मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार कि रविवार को अपने ऑफिस के एक बयान में शिराजी ने दुनियाभर के मुसलमानों से ऐसी धमकियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने को कहा है।

ईरान कुछ ही महीनों में शुरू कर सकता है यूरेनियम संवर्धन : ग्रॉसी

- डोनाल्ड ट्रंप के दावे के विपरीत है ग्रॉसी का बयान
- ईरान ने आईएईए पर राजनीतिक पूर्वाग्रह, गैर-निष्पक्षता व डेटा साझा करने का लगाया आरोप

> कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है : राफेल ग्रॉसी

वियना, 30 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि अमेरिकी हमलों ने ईरानी परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है मगर वे पूरी तरह से नष्ट नहीं हुए हैं और इसी वजह से ईरान कुछ ही महीनों में यूरेनियम संवर्धन शुरू कर सकता है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार श्री ग्रॉसी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस दावे के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की परमाणु परियोजना को दशकों पीछे धकेल दिया गया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा था कि अमेरिकी हमलों में फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु ठिकानों के सेंट्रीफ्यूज को काफी नुकसान पहुंचने से ईरान का परमाणु कार्यक्रम कई वर्षों के लिए टल गया है।

फेस द नेशन विद मार्गरेट ब्रेनन के साथ साक्षात्कार में उन्होंने अलग-अलग आकलन पर अपना रुख बताते हुए कहा कि सामूहिक विनाश के हथियारों में यह दृष्टिकोण ठीक नहीं है। उनके पास जो क्षमताएं हैं, वे मौजूद हैं। आप जानते हैं कि वे कुछ ही महीनों में सेंट्रीफ्यूज के कुछ कैस्केड घुमाकर यूरेनियम संवर्धन कर सकते हैं। स्पष्ट रूप से कहें तो, कोई यह दावा नहीं कर सकता कि सब कुछ गायब हो गया है और अब वहां कुछ भी नहीं है।

श्री ग्रॉसी ने कहा कि निगरानी समूह की जांच में परमाणु हथियार कार्यक्रम का संकेत नहीं मिला, लेकिन यूरेनियम संवर्धन नागरिक उपयोग की आवश्यकता से कहीं अधिक है।

ईरान की ओर से कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवालों का जवाब देने से इनकार करने से स्थिति और जटिल हो गई है। उधर, अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि जैसा कि श्री ग्रॉसी ने कुछ दिन पहले कहा था कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर से पहले और बाद में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बीच का अंतर रात और दिन जैसा है और उसे काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास कोई हवाई सुरक्षा नहीं है, इसलिए यह विचार कि वे परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर शुरू कर सकते हैं, बकवास है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करेगा।

सुरक्षा परिषद अमेरिका व इजरायल को आक्रमण के सूत्रधार के रूप में चिन्हित करें : ईरान

तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराग्ची ने कल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से इजरायल और अमेरिका को ईरान के खिलाफ आक्रमण के सूत्रधार के तौर पर चिन्हित करने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद अध्यक्ष कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट को लिखे एक पत्र में श्री अराग्ची ने परिषद से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। उन्होंने इजरायल पर जानबूझकर ईरानी आवासीय भवनों, नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया और हमलों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को भी निशाना बनाया है-जो-संयुक्त राष्ट्र चार्टर, परमाणु अप्रसार संधि, और आईएईए के प्रस्तावों का गंभीर उल्लंघन है।

हमलों से क्षतिग्रस्त हाइफा रिफाइनरी अक्टूबर तक पुन: आरंभ होने की संभावना

यरूशलम। ईरान के हमलों से क्षतिग्रस्त हाइफ़ा रिफ़ाइनरी अक्टूबर तक पूरी तरह से चालू होने की संभावना है। टाइम्स ऑफ़ इज़रायल अख़बार ने रिफ़ाइनरी के मालिक बाज़न का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। पहले बताया गया था कि 16 जून की रात को हुए ईरानी मिसाइल हमले के परिणामस्वरूप बाज़न सुविधाओं में तीन लोग मारे गए थे। अख़बार ने कहा कि कंपनी ने नियामक को एक रिपोर्ट में कहा कि यह धीरे-धीरे परिचालन फिर से आरंभ कर रही है और संभवत: अक्टूबर तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी। इससे पहले, इज़रायल के सरकारी प्रसारक कान ने बताया कि बंदरगाह शहर हाइफ़ा में इज़राइल के बाज़न समूह की तेल रिफ़ाइनरी ने साइट पर एक बिजली संयंत्र पर ईरानी मिसाइल के हमले के बाद काम करना बंद कर दिया था। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने पुष्टि की कि ईरान ने रिफ़ाइनरी पर मिसाइल हमला किया था।

सुडोकू 6960

			5				6	
	1	5						7
8			9			5		
			7		6	3	8	
4								2
	8	3	2		9			
		9			2			1
5						4	2	
	6				3			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गो का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : मंगलवार 1 जुलाई , 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष 5

राशिफल

मेष - साहित्य और कला में रुचि रखने वालों के लिए आज का दिन शुभ है। स्नेहीजन के साथ हुई भेंट से आप का मन खुश रहेगा। दोपहर के बाद घर में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहेगा। विरोधियों से आज वाद-विवाद हो सकता है।

वृषभ - आज माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता बनी रहेगी। स्थायी संपत्ति के काम आज टालें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। दोपहर के बाद आप के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन - किसी खास काम में सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। विरोधी भी आपसे पराजित होंगे। दोपहर के बाद घर में किसी विवाद का वातावरण बना रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क - आज आपका मन किसी उलझन में रहेगा, इससे आपको किसी विशेष काम करने में निराशा होगी। परिजनों के साथ तनावपूर्ण स्थिति बन सकती है। किसी निर्धारित काम में आपको कम सफलता मिलेगी।

सिंह - आज के दिन आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। आज आप प्रत्येक कार्य दृढ़ निर्णयशक्ति से करेंगे। इससे आपको सफलता मिलेगी। आज आपमें क्रोध की भावना थोड़ी रहेगी, इसलिए ज्यादातर जगहों पर मौन बने रहें।

कन्या - आज आपका मन कुछ अधिक इमोशनल रहेगा। इमोशनल होकर किसी तरह का गलत निर्णय ना ले लें, इसका ध्यान रखें। आज चर्चा और वाद-विवाद से दूर रहें। किसी के साथ उग्रतापूर्ण व्यवहार ना करें।

तुला - आज का दिन लाभ का बना हुआ है। व्यापार में आपको लाभ होगा। संतान के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोपहर के बाद मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी बात को लेकर ज्यादा इमोशनल ना हो।

वृश्चिक - दृढ़ मनोबल और आत्मविश्वास से प्रत्येक काम पूरे होंगे। व्यवसाय में भी आपकी प्रतिभा की प्रशंसा होगी। जॉब में अधिकारी आपके काम से खुश होंगे। इससे आपको पदोन्नति मिलेगी। पिता के साथ संबंध सुमधुर रहेंगे।

धनु - आप आज धार्मिक बने रहेंगे। किसी धार्मिक या मांगलिक प्रसंग पर जाने का अवसर मिल सकता है। आपका व्यवहार भी आज अच्छा रहेगा। गलत कामों से दूर रहेंगे। क्रोध पर संयम रखें।

मकर - आज संभलकर रहें। स्वास्थ्य के विषय में लापरवाह न रहें। नकारात्मक विचारों को खुद पर हावी न होने दें। इससे आपके बहुत से काम आसानी से बन जाएंगे। आकस्मिक व्यय के लिए तैयार रहें।

कुंभ - आज साधारण सी बातों पर दांपत्यजीवन में विवाद हो सकता है। सांसारिक बातों में आपका मन नहीं लगेगा। अदालती कामकाज में संभलकर रहें। सामाजिक कार्यक्रम में किसी से विवाद हो सकता है।

मीन - आपका मन आज किसी चिंता में रहेगा। काम की सफलता में आपको विघ्न आएंगे। ऑफिस में साथियों की मदद नहीं मिलेगी। मैरीड कपल के बीच विवाद हो सकता है। परिवार में शांति बनाए रखें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

कनाडा ने अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगने वाला टैक्स हटाया

ओटावा, 30 जून (एजेंसियां)। कनाडा ने अमेरिकी टेक कंपनियों पर लगने वाले टैक्स को वापस लेने का ऐलान किया है। कनाडाई सरकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापक व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। यह ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस एक्शन के बाद आया है जिसमें उन्होंने टैक्स टैरिफ को लेकर ओटावा के साथ बातचीत रोक दी थी। डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस कनाडा की प्रेस रिलीज में कहा गया कि कनाडा की नई सरकार संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक नई आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी पर जटिल वार्ता में लगी हुई है, जिसका फोकस कनाडाई श्रमिकों और व्यवसायों के लिए सर्वोत्तम डील हासिल करने पर केंद्रित है। प्रेस रिलीज में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट किया है कि कनाडा डील को करने के लिए जितना जरूरी हो उतना समय लेगा, लेकिन इससे ज्यादा नहीं। उन वार्ताओं का समर्थन करने के लिए, वित्त और राष्ट्रीय राजस्व मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैंपेन ने घोषणा की है कि कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ डिजिटल सर्विस टैक्स (डीएसटी) को रद्द कर देगा। प्रधानमंत्री कार्नी और राष्ट्रपति ट्रंप ने सहमति जताई है कि पार्टी 21 जुलाई, 2025 तक डील पर सहमत होने की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करेगी।

ओबामा ने ईरान को बहुत कुछ दिया, मैं नहीं देने वाला : ट्रंप

- ट्रंप ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट करने का किया दावा

वाशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां)। ईरान पर भविष्य में क्या अमेरिका हमला करेगा या नहीं, फिलहाल इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। ईरान के उप-विदेश मंत्री अमेरिका के साथ भविष्य में किसी भी कूटनीतिक और न्यूक्लियर वार्ता पर शर्त रख चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान से बात नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा कि मैं ईरान को कुछ भी नहीं दे रहा हूं। ओबामा की तरह, जिन्होंने परमाणु हथियार जेसीपीओए (जो अब समाप्त हो जाएगा) के तहत अरबों डॉलर का भुगतान किया था। इतना ही नहीं, मैं उनसे इस विषय पर बात भी नहीं करने वाला हूं, क्योंकि हमने उनकी न्यूक्लियर फैसिलिटी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

ट्रंप शुक्रवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर चुके थे, जिनमें कहा गया था कि उनके प्रशासन ने सिविलियन एनर्जी प्रोड्यूसिंग न्यूक्लियर प्रोग्राम बनाने के लिए ईरान को 30 बिलियन डॉलर तक की मदद करने की चर्चा की थी।

माजिद तख्त-रवांची ने कहा था कि अमेरिका को ईरान के खिलाफ किसी भी हमले से इनकार करना चाहिए। इसके साथ ही उप-विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान के खिलाफ भविष्य के हमलों पर ट्रंप प्रशासन की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है।

माजिद ने बताया कि अमेरिका ने मध्यस्थ देशों से कहा है कि वह ईरान के साथ बातचीत करना चाहता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वह भविष्य में हमले करेगा या नहीं। अमेरिका ने ईरान की तीन न्यूक्लियर फैसिलिटी नतांज, फोर्डो और इस्फाहान को नष्ट किया था।

इजरायली अदालत ने नेतन्याहू को भ्रष्टाचार मामले में दी राहत, टाली सुनवाई

- ट्रंप की आलोचना के बाद आया फैसला

वाशिंगटन/यरुशलम, 30 जून (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी राहत मिली है। भ्रष्टाचार के एक मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी के बाद इजरायल की अदालत ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ सुनवाई को स्थगित कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर खुद एक पोस्ट को साझा करके इसकी पुष्टि कर दी है।

बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ये मामला पिछले 4 साल से चल रहा है। नेतन्याहू पर तीन अलग-अलग मामलों में घूस, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप लगे हैं। फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की इस मामले को बंद करने की मांग के कुछ घंटों बाद अदालत ने सुनवाई को स्थगित कर दिया है।

यरुशलम की जिला अदालत ने अपनी एक टिप्पणी में कहा कि नेतन्याहू को आगामी दो हफ्ते तक गवाही देने से छूट दी गई है, इसका कारण राजनयिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं बताया गया है। ये आदेश उस निर्णय के दो दिन बाद आया है, जिसमें न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री की बार-बार की गई सुनवाई टालने की मांग को खारिज कर दिया था। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार मामले को राजनीतिक षड्यंत्र बताते हुए उसकी कड़ी आलोचना की। ट्रंप ने लिखा कि इजरायल में नेतन्याहू के साथ जो किया जा रहा है, वो बेहद शर्मनाक है। वो एक युद्ध नायक हैं और उन्होंने ईरान के खतरनाक परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर शानदार काम किया। डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि संयुक्त राज्य अमेरिका इजरायल की रक्षा और उसके समर्थन के लिए हर साल अरबों डॉलर खर्च करता है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सूडान में ढही सोने की खदान, 11 की मौत, 7 घायल

खार्तूम, 30 जून (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी सूडान में एक सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। सरकारी खनिज संसाधन कंपनी ने यह जानकारी दी।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, रेड सी स्टेट में अत्बारा और हाया शहरों के बीच हौएद इलाके में स्थित केर्श अल-फील खदान में यह हादसा हुआ। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि खदान ढहने से यह घटना हुई, लेकिन हादसे की तारीख का जिक्र नहीं किया गया।

कंपनी ने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण खदान को पहले ही बंद करने का आदेश दिया गया था। लेकिन, इसने खनन गतिविधियों की निगरानी जारी रखने और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने का वादा किया, साथ ही खनिकों से सुरक्षा और पर्यावरण नियमों का पालन करने की अपील की। सूडान में पारंपरिक खनन से सोने का एक बड़ा हिस्सा निकलता है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों और पुराने ढांचे के कारण क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही खदान में काम रोक दिया था।

वर्ग पहेली 6960

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■	■	■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. विवरण, ब्यौरा (उर्दू)
३. बदनामी. अपयश (उर्दू)
५. सुरबाला, देवकन्या
६. प्रतीक्षा करना (मुहावरा)
७. बड़ा हाथी, हाथियों का राजा
८. घटना, समाचार, अवसर
१०. शामिल
१२. डर, भय
१३. ज्यों का त्यों
१४. उलझन दूर होना
१६. युवा, जवान
१८. श्रीमान (उर्दू)
२०. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
२१. असह्य, अप्रिय (उर्दू)
२३. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. विवाद, बहस (उर्दू)
२. स्वभाव, गुण, शील, चरित्र(उर्दू)
३. निवृत्त होना, छुटकारा(उर्दू)
४. वधिक, कातिल
५. जो ढंका हुआ न हो, खुला
८. लोगों का हित. जनहित
१०. कामयाब
११. लिपिबद्ध करना
१२. बुलाया गया, निमंत्रित
१३. पीड़ा होना, टीसना
१४. सौभाग्यवती, सधवा
१५. आभास होना, दीप्तिवान होना
१७. अपमानित, निंदित (उर्दू)
१८. जन्मदाता,
१९. निर्माण करना, सुधारना
२२. इच्छा, खुशी, मर्जी(उर्दू)

वर्ग पहेली-6959

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
तीं	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ रि	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1820- मीयूज की मेल अखबार का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।
1822- दैनिक समाचार पत्र %मुंबई समचार% प्रकाशित हुआ। बॉम्बे समचार भारत का सबसे पुराना लगातार प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र
1831- डमिरल जेम्स सी रॉस चुंबकीय उत्तरी ध्रुव पर पहुंच गया
1839- अब्दुल-मेद्जाद ने तुर्की के सुल्तान के रूप में महमूद द्वितीय का स्थान लिया।
1847- अमेरिका ने अपनी पहली डाक टिकटों (चित्रित) का प्रकाशन किया।
1866- रोमानिया का पहला संविधान शुरू किया गया।
1867- कनाडा के प्रांत, न्यू ब्रंसविक और नोवा स्कोटिया को कनाडाई परिसंघ में एकजुट करके ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम लागू हुआ।
1874- रेमिंगटन नंबर 1 बिक्री पर चला गया, यह पहला व्यावसायिक रूप से सफल टाइपराइटर बन गया।
1875- यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना की गयी।
1879- अमेरिकन इंजीलवादी चार्ल्स टेज़ रसेल ने द वॉचटावर का पहला प्रकाशन प्रकाशित किया, जो कि द वर्ल्ड में सबसे अधिक प्रसारित पत्रिका है।
1879- भारत में पोस्टकार्ड की शुरुआत हुई।
1881- फोन पर पहली अंतर्राष्ट्रीय बातचीत ꖴकलैसꖴ और में-सेंट स्टीफंसꖴ के बीच हुई।
1881- दुनिया का पहला अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन कॉल सेंट स्टीफन, न्यू ब्रंसविक, कनाडा और कैलिस, मेन, अमेरिका के बीच किया गया था। एक टेलीफोन कॉल कॉलिंग पार्टी और कॉल पार्टी के बीच एक टेलीफोन नेटवर्क पर एक कनेक्शन है। इसका आविष्कार ग्राहम बेल ने किया था।

चिंताजनक फिजी में गहराया एचआईवी संकट

ज्यादातर लोगों को बहुत देर से पता चलता है एचआईवी

- संक्रमण से बच्चों की जा रही जान

सुवा, 30 जून (एजेंसियां)। फिजी में एचआईवी की समस्या गंभीर होती जा रही है। पिछले साल एचआईवी की वजह से 126 लोगों की मौत हुई, जिनमें 8 बच्चे शामिल रहे। लाबासा में फिजी मेडिकल एसोसिएशन की एक बैठक में यूएनएड्स के प्रशांत सलाहकार रेनाटा राम ने ये चिंताजनक आंकड़े साझा किए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे स्वास्थ्य सिस्टम की बेहद जरूरत है जो मजबूत, जिम्मेदार और नए तरीकों से काम करने वाले हों ताकि एचआईवी जैसी समस्याओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। रेनाटा राम ने कहा कि फिजी में एचआईवी की स्थिति खराब हो रही है।

इसलिए इस साल की कांफ्रेंस का विषय फिजी में हेल्थकेयर के मानकों को मजबूत बनाना है। रेनाटा राम ने बताया कि फिजी में 2024 में सबसे ज्यादा एचआईवी के नए मामले सामने आए। 1,583 नए लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। यह 2023 की तुलना में 281 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें 415 मामले देखे गए थे। 2018 के मुकाबले यह संख्या 500 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि तब सिर्फ 131 मामले रिपोर्ट किए गए थे।

2024 में एचआईवी के 1,583 मामलों में से 1,542 वयस्क थे, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता बच्चों के 41 मामलों की थी। इनमें से 32 बच्चे अपनी मां से एचआईवी संक्रमित हुए थे। यह संख्या 2023 के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा है, जब सिर्फ 11 बच्चों में एचआईवी मिला था।

रेनाटा राम ने जोर देकर कहा कि ये बढ़े हुए नंबर सिर्फ बेहतर टेस्टिंग की वजह से नहीं हैं। ये सच में एचआईवी के मामलों में असली तेजी से बढ़ोतरी को दिखाते हैं।

उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोगों को एचआईवी बहुत देर से पता चलता है, तब तक उनकी बीमारी पहले से काफी बढ़ चुकी होती है। इसका मतलब है कि रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधाएं लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। रेनाटा राम ने कहा कि नए एचआईवी मामलों में से आधे से ज्यादा मामले युवा लोगों के बीच हो रहे हैं। इसके पीछे इंजेक्शन से नशा करने और खतरनाक यौन व्यवहार बढ़ रहा है। लेकिन ये बातें अक्सर लोगों को शर्म या डर के कारण छुपा लेनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ स्वास्थ्य की नहीं है। यह समाज की बड़ी समस्याएं भी दिखाती है, जैसे गरीबी, महिलाओं के साथ हिंसा, और इलाज पाने में भेदभाव। रेनाटा राम ने फिजी सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में एचआईवी से लड़ने के लिए 10 मिलियन फिजी डॉलर का बजट रखा है। यह एक जरूरी कदम है, जो दिखाता है कि सरकार लोगों की सेहत और सम्मान की रक्षा करने के लिए गंभीर है।

रेनाटा राम ने कहा कि कई लोग पहले देसी इलाज अपनाते हैं या इसे नजरअंदाज करते रहते हैं।

दुनिया को जानें

मिस्र के पुरातत्वविदों ने की 2686-2181 ईसा पूर्व के तीन मकबरों की खोज

काहिरा, 30 जून (एजेंसियां)। मिस्र के पुरातत्वविदों ने असवान के पास कुब्बेत अल-हवा कब्रिस्तान में प्राचीन शिला निर्मित तीन मकबरों की खोज की है जो 2686-2181 ईसा पूर्व के समय के हैं। पर्यटन और पुरातत्व मंत्रालय ने शनिवार को अपने बयान में बताया कि यह खोज मौजूदा उत्खनन सत्र के दौरान साइट पर काम कर रही मिस्र की एक टीम ने की।

मिस्र की सर्वोच्च पुरावशेष परिषद (एससीए) के महासचिव मोहम्मद इस्माइल खालिद ने कहा कि कुछ मकबरों का पुन: उपयोग मध्य राज्य काल (2055-1650 ईसा पूर्व) में भी हुआ था। यह खोज दिखाती है कि कुब्बेत अल-हवा प्राचीन मिस्र के अलग-अलग युगों में एक महत्वपूर्ण कब्र स्थल रहा है तथा यह खोज पुराने राज्य और प्रथम मध्यकाल के बीच के बदलावों को समझने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि कुछ मकबरों पर कोई शिलालेख नहीं थे, लेकिन उनमें पारंपरिक दफन वास्तुकला और रीति-रिवाज देखे गए जो उस समय आर्थिक संसाधनों की कमी को दर्शा सकते हैं।

प्रादेशिकी

ई-रवन्ना में छेड़छाड़ कर राजस्व को क्षति पहुंचाने वाले तीन गिरफ्तार

हरिद्वार। ई-रवन्ना में छेड़छाड़ कर राजस्व को क्षति पहुंचाने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से इस धोखाधड़ी में प्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरण बरामद किए गए है। जानकारी के अनुसार बीते रोज मौ. काजिम रजा प्रभारी खान अधिकारी व खान निरीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा थाना श्यामपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि विनय कुमार बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर श्यामपुर कांगड़ी, तहसील व जिला हरिद्वार, ट्रकध् डम्पर संख्या यूके 14 सीए कृ9889 का वाहन चालक नाम पता अज्ञात एवं स्वामी पार्टनर मै. महादेव गंगे स्टोन क्रेशर, समसपुर कटेबड़ थाना श्यामपुर जनपद हरिद्वार द्वारा ईकृरवन्ना छेड़छाड़ कर फर्जी ईकृरवन्ना बनाया गया। जिससे राजस्व की क्षति होने व उक्त रवन्ना स्वीकार न होने पर उनके ऊपर रायल्टी पैनेल्टी होने के सम्बन्ध में थाना श्यामपुर जनपद हरिद्वार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में आफत की बारिश ने मचाया तांडव

- लैंडस्लाइड व बाढ़ ने जन जीवन किया अस्त-व्यस्त
- मुन्याघर के निकट स्थित गदेरे में फटा बादल

देहरादून, 30 जून (देशबन्धु)। उत्तराखंड में मौसम लगातार खराब होता जा रहा है। मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसका असर अनेक जिलों में दिखाई दे रहा है। सोमवार को कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखे गए हैं। रुद्रप्रयाग के घोलतीर में गुरुवार 26 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुई बस के 6 तीर्थयात्री अभी भी लापता हैं। वहीं उत्तरकाशी में रविवार को बादल फटने से हुए हादसे के बाद से 7 मजदूर लापता हैं।

मूसलाधार बारिश ने जनपद के बांगर क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई। बंगर पट्टी को जोड़ने वाले मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर मुन्याघर के निकट स्थित मोटरपुल तेज़ बरसाती गदेरे में बह गया, जबकि चौंरा के निकट मोटरमार्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा पूरी तरह से जमींदोज हो गया। फिलहाल, बांगर पट्टी की हज़ारों की आबादी घरों में कैद है। क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी ठप्प पड गयी है। बांगर क्षेत्र के कई घर भी खतरे की जद में आ गये हैं।

पहाड़ों में लगातार आसमान से आफत बरस रही है। आम जन जीवन पर इसका बुरा असर पड रहा है। जनपद की बांगर पट्टी में बारिश ने खूब तांडव मचाया है। शनिवार रात से लगातार हुई बारिश के कारण रविवार सुबह मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर मुन्याघर के निकट स्थित गदेरे में बादल फटने से मोटरपुल बह गया, जबकि चौंरा के निकट पहाड़ी टूटने से मोटरमार्ग का एकद बड़ा हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। मोटरमार्ग पर पूरी तरह से आवाजाही ठप्प पड़ी हुई है। बांगर पट्टी के एक दर्जन से अधिक गांवों की आवाजाही का यह मोटरमार्ग मुख्य साधन है। जनता के सामने कई परेशानियां पैदा हो गई हैं। जनता का सम्पर्क पूरी तरह से कट गया है। क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बाधित है। वहीं, दूसरी ओर बांगर क्षेत्र के जखवाड़ी तल्ली थापला में भी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। यहां खेत खलिहान सहित बगीचे आपदा में बह गये। भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल सेमवाल ने बताया की बांगर क्षेत्र में जमकर तबाही मची है। जखवाड़ी, तल्ली थापला स्थित आवासीय भवन भी खतरे की जद में आ गए हैं। खेत और बगीचे तबाह हो गये हैं। उन्होंने कहा की मुख्य मोटरमार्ग मयाली-रणधार आवाजाही करने लायक नहीं बचा है।

उत्तराखंड की 179 सड़कें हुई बाधित

- बागेश्वर जिले में 10 पीडब्ल्यूडी और 16 ग्रामीण मार्ग
- चमोली जिले में 20 पीडब्ल्यूडी और 27 ग्रामीण मार्ग
- चंपावत जिले में एक स्टेट हाईवे और सात पीडब्ल्यूडी की सड़कें
- देहरादून जिले में चार लोक निर्माण विभाग की सड़कें
- नैनीताल जिले में तीन लोक निर्माण विभाग की सड़कें
- पौड़ी जिले में 10 लोक निर्माण विभाग और 11 ग्रामीण सड़कें
- पिथौरागढ़ जिले में बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन का एक राष्ट्रीय राजमार्ग और 12 ग्रामीण मार्ग
- टिहरी जिले में दो स्टेट हाईवे और 16 लोक निर्माण विभाग की सड़कें - उत्तरकाशी जिले में दो नेशनल हाईवे बाधित हैं।

बिजरानी जोन व सीतावनी जोन पर्यटकों के लिए बंद

रामनगर। मानसून को देखते हुए कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के प्रमुख पर्यटन जोनों को पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर बंद कर दिया गया है। मानसून सीजन में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व का प्रसिद्ध बिजरानी जोन और रामनगर वन प्रभाग का सीतावनी जोन को आज से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। इन जोनों में हर साल मानसून सीजन के दौरान नदी-नालों के उफान पर आने और रास्तों के खराब होने की वजह से पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। इससे पहले ही रामनगर वन प्रभाग के भंडारपानी और कालाढूंगी पर्यटन जोन को 26 जून से बंद कर दिया गया था। इसी कड़ी में अब कॉर्बेट फॉल और बाराती रौ को भी बंद कर दिया गया है। हालांकि पर्यटकों के लिए कुछ जोन अब भी खुले रहेंगे। कॉर्बेट पार्क के ढेला, झिरना, गर्जिया और तराई पश्चिमी वन प्रभाग के फाटो व हाथीडगर पर्यटन जोन डे सफारी के लिए खुले हैं और मानसून में भी इनमें सीमित पर्यटन गतिविधियां जारी रहेंगी। आमतौर पर यह जोन पूरे वर्ष खुले रहते हैं, लेकिन अत्यधिक वर्षा होने की स्थिति में इन्हें भी अस्थायी रूप से बंद किया जा सकता है। वहीं बिजरानी जोन को 15 अक्टूबर से और कॉर्बेट का सबसे लोकप्रिय ढिकाला जोन को 15 नवंबर से नए पर्यटन सत्र में दोबारा खोल दिया जाएगा।

केन्द्र ने प्रदेश की सड़कों के लिए 3667 करोड़ रुपए की वार्षिक योजना को दी स्वीकृति : विक्रमादित्य

- जलोड़ी जोत में सुरंग निर्माण को 1452 करोड़ रुपए मंजूर
- ब्रोनी नाला में 135 करोड़ से बनेगा पुल
- रक्षा मंत्री से भुभू जोत सुरंग निर्माण का मामला भी उठाया

शिमला, 30 जून (देशबन्धु)। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार ने प्रदेश में सड़कों, पुलों इत्यादि के निर्माण कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के 3667 करोड़ रुपए के प्रदेश सरकार की वार्षिक योजना को स्वीकृति प्रदान की है। इनमें प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय उच्च मार्गों में पुलों के निर्माण, सड़कों के स्तरोन्नयन और क्रैश बैरियर निर्माण इत्यादि के कार्य शामिल हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कुछ दिन पूर्व उन्होंने केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर प्रदेश के महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में राष्ट्रीय उच्च मार्ग के अधीन 1200 किलोमीटर सड़कें हैं जिनके रख-रखाव एवं सुधार कार्यों के लिए केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान प्रदेश सरकार ने 2600 करोड़ रुपए की वार्षिक योजना स्वीकृति के लिए भेजी थी लेकिन प्रदेश को मात्र 269 करोड़ रुपए ही प्राप्त हुए थे जो काफी कम थे। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 3667 करोड़ रुपए का वार्षिक योजना भेजी थी, जिसे जून माह में केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि इस दौरान उन्होंने कुल्लू जिला के राष्ट्रीय उच्च मार्ग 305 में जलोड़ी जोत के नीचे सुरंग निर्माण का मामला भी उठाया जिसे केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान कर 1452 करोड़ रुपए स्वीकृत किये हैं। उन्होंने कहा कि इस सुरंग निर्माण से जहां इस क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बल मिलेगा, वहीं इसका लाभ इस क्षेत्र के लाखों लोगों को प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग संख्या पांच में ब्रौनी नाला में लगातार हो रहे भू-स्खलन के कारण सड़क को नुकसान हो रहा है। इस स्थान पर पुल निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 135 करोड़ रूपये स्वीकृत किए हैं। इसके अतिरिक्त काला आंब-पांवटा साहिब-देहरादून सड़क के 4 लेन निर्माण कार्य जिसमें भू-अधिग्रहण, निर्माण पूर्व गतिविधियां शामिल हैं के लिए भी केंद्र सरकार ने 1385 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने प्रदेश के लिए धनराशि स्वीकृत करने के लिए केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार के बीच समन्वय की स्थिति भविष्य में भी बनी रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केंद्र के सहयोग से राज्य के प्रत्येक क्षेत्र का समग्र व संतुलित विकास सुनिश्चित बनाने की दिशा में निरन्तर कार्यरत है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि उन्होंने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर मंडी व कुल्लू जिला को जोडने वाली भुभू जोत सुरंग एवं सड़क निर्माण का मामला भी उठाया।

सार संक्षेप

चारधाम यात्रा से रोक हटने के बाद 5 हजार यात्रियों को भेजा गया केदारनाथ

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के केदारनाथ और बदरीनाथ घाटियों में लगातार बारिश जारी है। जिस कारण अलकनंदा और मंदाकिनी नदी में पानी का बहाव खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। इसके चलते प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। बारिश के बीच बीते दिन से बंद केदारनाथ धाम की यात्रा भी सुचारू हो गई है। आज सोनप्रयाग से लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं को केदारनाथ धाम भेजा गया। वहीं बदरीनाथ हाईवे के सिरोबगड़ में खतरा बना हुआ है। वाहन चालक जान हथेली पर रखकर सफर करने को मजबूर हैं। बीते दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश जारी है। बारिश के चलते केदारनाथ धाम की यात्रा को 24 घंटे के लिए बंद किया गया था, लेकिन आज बारिश के बीच यात्रा को शुरू किया गया है। सोनप्रयाग में इंतजार कर रहे 5 हजार से अधिक यात्रियों को पैदल यात्रा मार्ग से केदारनाथ धाम भेजा गया है।

चाय बागान की जमीन खरीद-फरोख्त पर रोक बरकरार

नैनीताल। हाईकोर्ट ने देहरादून में चाय बागान की जमीन की खरीद-फरोख्त के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ ने पूर्व में लगी रोक को जारी रखते हुए सरकार से जवाब पेश करने को कहा है। याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि पूर्व में भी कोर्ट ने सरकार को जवाब पेश करने का समय दिया था, लेकिन अभी तक जवाब पेश नहीं किया गया। इसलिए खरीद फरोख्त पर लगी रोक को आगे बढ़ाया जाये और सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश दिए जाएं। देहरादून के विकेश सिंह नेगी ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर सरकार में निहित जमीन को खुर्द बुर्द करने का आरोप लगाया है।

खाद के लिए दर-दर भटक रहे किसान : हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोमवार को कहा कि राज्य में जब से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई है, किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), खाद और बीज के लिए तरस गए हैं। श्री हुड्डा ने कहा कि आज हालात यह बन गए है कि पुलिस की सुरक्षा में किसानों को खाद बांटनी पड़ रही है। कि किसानों को मक्का और सूरजमुखी पर एमएसपी नहीं मिल रहा है। खाद की किल्लत के चलते किसानों को कालाबाजारी और खेती में घाटे का सामना करना पड़ रहा है।

सुडोकू 6960 का हल

3	9	4	5	7	1	2	6	8
6	1	5	3	2	8	9	4	7
8	2	7	9	6	4	5	1	3
9	5	2	7	1	6	3	8	4
4	7	6	8	3	5	1	9	2
1	8	3	2	4	9	6	7	5
7	4	9	6	5	2	8	3	1
5	3	8	1	9	7	4	2	6
2	6	1	4	8	3	7	5	9

महेंद्र भट्ट का दोबारा उत्तराखंड बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ

■ अमरनाथ तिवारी

- संगठन के चुनाव के दौरान सोमवार को केवल उन्होंने ही किया नामांकन दाखिल

देहरादून, 30 जून (देशबन्धु)। महेंद्र भट्ट फिर से उत्तराखंड बीजेपी के अध्यक्ष बनने वाले हैं। दरअसल बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के लिए सिर्फ उन्होंने ही नामांकन किया है। ऐसे में महेंद्र भट्ट निर्विरोध दोबारा उत्तराखंड बीजेपी के अध्यक्ष बन जाएंगे। महेंद्र भट्ट के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन के समय उनके साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे। महेंद्र भट्ट ने 30 जुलाई 2022 को उत्तराखंड के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का पदभार संभाला था। उनको मदन कौशिक के स्थान पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। महेंद्र भट्ट 2002 से 2007 तक नंदप्रयाग विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक रहे। इसके बाद 2007 में उन्हें हार मिली थी। 2017 में उन्होंने बदरीनाथ विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद बीजेपी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। 2 अप्रैल 2024 को बीजेपी ने महेंद्र भट्ट ने उत्तराखंड राज्यसभा सांसद बनाया। महेंद्र भट्ट उत्तराखंड बीजेपी के कद्दावर और मुखर नेताओं में एक हैं। वो अपने बेलाग बयानों के लिए जाने जाते हैं। इनका जन्म 1971 में सीमांत जिले चमोली के ब्राह्मण थाला में हुआ। भट्ट का राजनीतिक करियर 1991 में शुरू किया था। 1991 से 1996 तक महेंद्र भट्ट एबीवीपी यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सहसचिव रहे। 1994 से 1998 तक वो एबीवीपी में टिहरी विभाग के विभाग संगठन मंत्री के पद पर रहे। इस दौरान किए गए उनके कार्यों को देखते हुए पार्टी ने 1998 में भट्ट को बीजेपी युवा मोर्चा का सचिव बनाया।

बीजेपी युवा मोर्चा सचिव पद के बाद महेंद्र भट्ट राजनीतिक सीढ़ियां चढ़ते चले गए। 2000-2002 तक वो बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव रहे। इसके बाद उन्हें 2002-04 तक बीजेपी युवा मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष रहने का अवसर मिला। महेंद्र भट्ट की राजनीतिक पारी ने तब बड़ा उछाल मारा जब पार्टी ने राज्य के पहले विधानसभा चुनाव में महेंद्र भट्ट को विधायक का टिकट दिया।

कैबिनेट मंत्री बहुगुणा उड़ा रहे आचार संहिता की धज्जियां

- अपनी ही सरकार के मंत्री पर भाजपा नेता ने उठाए सवाल

रुद्रपुर, 30 जून (देशबन्धु)। जैसे-जैसे पंचायत चुनाव नज़दीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे सियासी तापमान भी बढ़ता जा रहा है। ऊधम सिंह नगर में जिला पंचायत अध्यक्ष पद को लेकर भी सरगर्मियां तेज हो चुकी है। पंचायत चुनाव में सबसे अहम पद को लेकर सियासी घमासान सरकार के कैबिनेट मंत्री तक पहुंच चुका है। सितारगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगा है, वो भी उन्हीं की पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेश गंगवार की ओर से लगाया गया।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार के पति भाजपा नेता सुरेश गंगवार ने मंत्री बहुगुणा पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि मंत्री बहुगुणा सरकारी तामझाम, गनर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, जिससे स्पष्ट रूप से आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है।

सुरेश गंगवार ने आरोप लगाया है कि मंत्री बहुगुणा अपने प्रभाव का उपयोग कर पंचायत चुनावों में अपने ही विभाग के अधिकारियों की तैनाती करा रहे हैं। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारी संजय छिम्वाल को इसका उदाहरण बताया, जिन पर पहले से ही विजिलेंस जांच लंबित है, फिर भी उन्हें सितारगंज विकासखंड का आरओ (रिटर्निंग ऑफिसर) बना दिया गया है। सुरेश गंगवार का कहना है कि संबंधित अधिकारी मंत्री के प्रभाव में काम करते हैं और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं।

बांध सुरक्षा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करें उपायुक्त : जगत सिंह नेगी

- मानसून को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

शिमला, 30 जून (देशबन्धु)। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं जनशिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में आज यहां मानसून को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति, बिजली बोर्ड, एसडीआरएफ, राजस्व व अन्यों विभागों के अधिकारी शामिल हुए। जगत सिंह नेगी ने सभी विभागों से वर्तमान स्थिति की जानकारी हासिल करने के साथ-साथ जिला स्तर पर तैयारियों को लेकर समीक्षा की। बैठक में अवगत करवाया गया कि कांगड़ा, मंडी में भारी बारिश हो रही है और यहां हर तरह की पूरी तैयारी और मशीनरी तैनात की गई है। प्रदेश में बारिश-भूस्खलन के कारण बाधित 234 सड़कों को आज शाम तक बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी तक सभी नेशनल हाईवे यातायात के लिए सुचारू हैं। बिजली बोर्ड के 968 ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हैं और बिजली बहाली के प्रयास जारी हैं। जलशक्ति विभाग की 23 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं जिन्हें शीघ्र बहाल किया जाएगा ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। जगत सिंह नेगी ने निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में घटना होने पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तुरंत प्रतिक्रिया दें।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर डॉ. राजीव बिंदल की एक बार फिर ताजपोशी

शिमला, 30 जून (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर डॉ राजीव बिंदल की एक बार फिर ताजपोशी तय हो गई है। डॉ बिंदल हिमाचल भाजपा के 15वें प्रदेश अध्यक्ष होंगे और तीसरी बार इस अहम पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनकी नियुक्ति को लेकर औपचारिक घोषणा मंगलवार को भाजपा के केंद्रीय मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव अधिकारी डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा की जाएगी।

भाजपा प्रदेश कार्यालय दीप कमल चक्कर में आयोजित नामांकन प्रक्रिया के दौरान डॉ बिंदल के नाम के तीन सेट पार्टी के चुनाव अधिकारी एवं राज्यसभा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज को प्राप्त हुए। इनका अनुमोदन नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसदों, पूर्व प्रदेश अध्यक्षों, पूर्व मंत्रियों एवं भाजपा विधायक दल द्वारा किया गया। नामांकन प्रक्रिया के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह बतौर पर्यवेक्षक मौजूद रहे। उनके साथ प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा और सह प्रभारी संजय टंडन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस प्रक्रिया में डॉ राजीव सैजल एवं संजीव कटवाल ने सह चुनाव अधिकारियों के रूप में सहयोग किया।

भाजपा राष्ट्रीय परिषद के लिए 8 नामांकन

प्रदेश से भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के पदेन सदस्यों में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, अनुराग ठाकुर, सुरेश कश्यप, कंगना रनौत, डॉ राजीव भारद्वाज, इंदु गोस्वामी, डॉ सिकंदर कुमार और हर्ष महाजन शामिल हैं।

बिंदल का राजनीतिक सफर

डॉ राजीव बिंदल का राजनीतिक सफर सोलन नगर परिषद अध्यक्ष के रूप में शुरू हुआ। वे पांच बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं। सोलन विधानसभा क्षेत्र के आरक्षित हो जाने के बाद वे दो बार नाहन से विधायक बने। वे प्रो.प्रेम कुमार धूमल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और जयराम ठाकुर सरकार में विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

हरिद्वार में प्राचीन स्वयंभू शिवलिंग क्षतिग्रस्त, भीमगोड़ा कुंड में हुआ विलीन

हरिद्वार, 30 जून (देशबन्धु)। मॉनसूनी बारिश ने अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश का असर मैदानी जिलों में दिखने लगा है। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में तो बारिश के बाद आपदा जैसे हालत बन गए हैं। कई इलाके में जलमग्न हो रखे हैं। नदियों का जल स्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा बना हुआ है। वहीं पहाड़ से पेड़ और पत्थर गिर जाने से भीमगोड़ा के प्राचीन कुंड में स्थित शिवलिंग भी क्षतिग्रस्त हो गया। हरिद्वार में स्थित प्राचीन भीमगोड़ा कुंड पर बने मंदिर के पुजारी रत्न लाल ने बताया कि सुबह अचानक पहाड़ के ऊपर से पत्थर और पेड़ गिरे, जिससे मंदिर के भवन को नुकसान पहुंचा। इस वजह से कुंड में मौजूद प्राचीन शिवलिंग भी क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने पहले भी प्रशासन को सूचना दी थी कि पहाड़ी धीरे-धीरे फट रही है। कभी भी कोई बड़ी जनहानि हो सकती है। क्योंकि यहां पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, लेकिन किसी भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया। यदि समय रहत इस तरफ ध्यान दिया जाता है तो आज स्वयंभू शिवलिंग क्षतिग्रस्त नहीं होता। लोगों का कहना है कि स्वयंभू शिवलिंग टूट कर कुंड में विलीन हो गया है। प्रशासन को ईश्वर ध्यान देना चाहिए।

सेवित को सेवक बनाना ही लक्ष्य : सुधीर कुमार

■ अमित नेहरा

- सेवा भारती ने कोविड काल में किया अनूठा कार्य
- कमजोर तबकों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार का कहना है कि सेवित को सेवक बनाना ही उनका असली लक्ष्य है। वे देश के सभी नागरिकों को इतना मजबूत बनाना चाहते हैं कि सभी एक दूसरे को मदद करने के योग्य हो जाएं। **सुधीर कुमार ने देशबन्धु से बातचीत की इसमें उन्होंने राष्ट्रीय सेवा भारती के इतिहास, वर्तमान व भविष्य के बारे में विस्तार से बताया।**

सुधीर कुमार ने बताया कि देश में चार वर्ग हैं वंचित, उपेक्षित, अभावग्रस्त और पीड़ित। राष्ट्रीय सेवा भारती संगठन इन चारों वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की बड़ी योजनाओं पर दिन-रात काम कर रहा है। सुधीर कुमार के अनुसार राष्ट्रीय सेवा भारती के लाखों स्वयंसेवक दिन रात इस मिशन में जुटे हैं। इसके चलते गरीब तबके, ट्रांसजेंडर, किशोरियों व परित्यक्त बच्चों के जीवन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। स्लम एरिया में चलाए जा रहे सेवा बस्ती कार्यक्रम ने झुग्गी झोपड़ी वालों को मुख्यधारा में आने में सहयोग दिया है। यह पूछे जाने पर कि राष्ट्रीय सेवा भारती के कार्यक्रमों ने देश के किन हिस्सों में बेहतरीन प्रदर्शन किया तो सुधीर कुमार ने बताया कि केरल, मध्यप्रदेश और दिल्ली में गजब का कार्य हुआ है। उन्होंने बताया कि अभी बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा आदि राज्यों में इस पर और ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय सेवा भारती इन पर ही ध्यान केंद्रित कर रहा है। सुधीर कुमार ने **देशबन्धु** को बताया कि वैसे तो संगठन 1993 से ही देशसेवा में सक्रिय है लेकिन कोविडकाल में इसने बेहतरीन काम किया। पूरे देश में प्रवासी मजदूरों को खाना, हॉस्पिटलों में आक्सीजन, जनता को ऑक्सीमीटर व आयुष काढ़ा वितरित किया गया। ये सब बिल्कुल मुफ्त में किया गया। इसके अलावा हर राज्य में काउंसलिंग सेंटर भी बनाए गए जिसके द्वारा कोविड पीड़ितों को आर्थिक, सामाजिक व मानसिक मदद की गई।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार ने दी दिलचस्प जानकारी

राष्ट्रीय सेवा भारती कोविड में इतना सक्रिय कैसे हुआ। इस बारे में अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार ने दिलचस्प जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोविड काल में वे दिल्ली में थे तो उन्हें मोबाइल पर नागालैंड के कुछ छात्रों की कॉल आई कि वे ट्रेन में सफर कर रहे हैं और बेहद भूखे हैं, उनके साथ खाने के लिए कुछ भी नहीं है। सुधीर कुमार ने उनकी लोकेशन पूछी तो बताया गया है कि वे लगभग 40 मिनट में जलपाईगुड़ी पहुंचने वाले हैं। तुरंत राष्ट्रीय सेवा भारती की जलपाईगुड़ी इकाई को इसकी जानकारी दी गई। जलपाईगुड़ी इकाई टीम तुरंत सक्रिय हो गई। पहले योजना बनाई गई कि केवल उन्हीं बच्चों को खाना पहुंचाया जाए। फिर सोचा गया कि नहीं जिसमें वे बैठे हैं उस पूरे डब्बे को खाना दिया जाए। लेकिन अंतिम फैसला यह हुआ कि उस पूरी ट्रेन के सभी यात्रियों को खाना पहुंचाया जाए। लेकिन केवल 40 मिनट में पूरी ट्रेन के लिए खाने का इंतजाम कैसे हो? सेवा भारती की टीम तुरंत जलपाईगुड़ी के बाजारों में उतर पड़ी। कस्बे के सभी ढाबों, रेस्टोरेंट, होटल्स में जितना खाना बना था लिया गया। डिपार्टमेंटल स्टोर व दुकानों से ब्रेड, मक्खन, जैम व अचार लिए गए। जब दुकानदारों को पता चला कि ये सब सामान ट्रेन में भूखे लोगों के लिए ले जाया जा रहा है तो सेवा भारती के कार्यकर्ताओं द्वारा पैसे दिए जाने के बावजूद कोई पैसा नहीं लिया गया। आखिरकार 40 मिनट के अंदर ही पूरी ट्रेन के यात्रियों को खाना खिला दिया गया। इसके बाद तो राष्ट्रीय सेवा भारती ने पूरे देश में रेल यात्रियों के लिए नि:शुल्क खाने की व्यवस्था की। सुधीर कुमार का कहना है कि अगर आप किसी नेक कार्य को करने के लिए ठान लेते हैं तो जनता आपके साथ जुड़ती चली जाती है। यही राष्ट्रीय सेवा भारती का असल मकसद है। देश के सभी वंचित, उपेक्षित, अभावग्रस्त और पीड़ित मुख्यधारा में आ जाएं तो इससे बड़ा कार्य और क्या हो सकता है।

प्रादेशिकी

पूर्व विधायक कुलदीप गंगवार कोऑपरेटिव बैंक के निर्विरोध अध्यक्ष बने

फर्रुखाबाद, 30 जून (देशबन्धु)। सोमवार को उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक फर्रुखाबाद के संपन्न हुए चुनाव में पूर्व विधायक कुलदीप गंगवार को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। इस अवसर पर कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल जिला संगठन प्रभारी शिव महेश द्विवेदी जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा सांसद मुकेश राजपूत विधायक भोजपुर नागेंद्र सिंह राठौड़ कन्नौज जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदोरिया अमृतपुर विधायक सुशील कुमार शाक्य जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन यादव पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह यादव दुग्ध संघ अध्यक्ष सत्यपाल सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. भूदेव सिंह राजपूत एवं अन्य कार्यकर्ता गणों की उपस्थिति में चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई।

आईवीआरआई बना हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र : योगी

- भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित
- मुख्यमंत्री ने की आईवीआरआई के शोधकर्ताओं की सराहना

आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/बरेली, 30 जून (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के शोधकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान की 136 वर्षों की साधना पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। संस्थान के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप जैसे वैज्ञानिक उस मूक प्राणी की आवाज बनते हैं जिसे दुनिया सुन नहीं पाती। आप सभी का शोध और सेवा समाज को एक नई दिशा देता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को 24 पदक और 576 स्नातक डिग्री की उपाधियां वितरित कीं। योगी ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि आईवीआरआई न केवल पशुधन बल्कि हर जीव-जंतु के लिए जीवन रक्षक सेवा का केंद्र बना है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान जब आरटीपीसीआर जांच एक चुनौती बनी हुई थी, तब आईवीआरआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर दो लाख से अधिक कोविड जांच करवाई। संस्थान की प्रतिबद्धता यह दिखाती है कि इसकी भूमिका केवल पशु चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि वह मानव जीवन रक्षा में भी अग्रणी रही है। उन्होने लंपी स्किन डिज़ीज पर भी विस्तार से चर्चा की और बताया कि कैसे इस बीमारी की दूसरी लहर के दौरान जब गोवंश बुरी तरह प्रभावित हुआ, तब आईवीआरआई द्वारा विकसित टीके ने उत्तर प्रदेश को संक्रमण से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में हमारी गौशाला में भी संक्रमण फैल चुका था, लेकिन जब वैज्ञानिकों ने परीक्षण वैक्सीन देने की बात कही, तब तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रुपाला से बात कर अनुमति प्राप्त की गई और आईवीआरआई द्वारा बनाई गई वैक्सीन से प्रदेश में लंपी का पूरी तरह से सफाया किया गया। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि आज का दिन आपके जीवन का एक नया अध्याय है। यह केवल डिग्री नहीं, बल्कि समाज को आपकी सेवा समर्पित करने की शपथ है। आपकी यह यात्रा राष्ट्र के भविष्य निर्माण में निर्णायक होगी।

बरेली भारत की पौराणिक व आध्यात्मिक नगर : मुख्यमंत्री

बरेली को भारत की पौराणिक और आध्यात्मिक नगरी बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह क्षेत्र प्राचीन काल में पांचाल देश के रूप में विख्यात था और यहां देवाधिदेव महादेव के सात प्राचीन मंदिरों की श्रंखला 'नाथ कॉरिडोर' के रूप में विकसित की जा रही है। बाबा अलखनाथ, वनखंडी नाथ, त्रिवटी नाथ, तपेश्वर नाथ, मढ़ी नाथ, धोपेश्वर नाथ और श्री पशुपाति नाथ मंदिर बरेली की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जहां मंदिरों की श्रृंखला इस नगर को आध्यात्मिक पहचान देती है, वहीं आईवीआरआई ने इसे आधुनिक वैज्ञानिक पहचान प्रदान की है।

बरसात भी नहीं रोक पाई पढ़ाई का जज्बा

- बारिश में स्कूल जाती दिखीं छात्राएं

मवाना, 30 जून (देशबन्धु)। शहर में सोमवार सुबह से हो रही रिमझिम बारिश के बीच जब कई लोग घरों में रहना पसंद कर रहे थे, वहीं स्कूली बच्चों का पढ़ाई के प्रति समर्पण हर किसी को प्रेरणा देने वाला रहा। स्कूल खुलते ही छात्र-छात्राएं छाते लेकर समय पर स्कूल पहुंचते नजर आए। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि भीगने और फिसलने का जोखिम होने के बावजूद छात्राएं उत्साह के साथ स्कूल जा रही हैं। उनके चेहरों पर मुस्कान और हाथों में किताबों के साथ छाते लिए हुए यह दृश्य पढ़ाई के प्रति उनके समर्पण को बखूबी दर्शाता है। यह दृश्य न सिर्फ अभिभावकों को संतोष देता है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि अगर मन में जज्बा हो तो मौसम भी पढ़ाई की राह में रुकावट नहीं बन सकता।

पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने भरी हुंकार

फर्रुखाबाद, 30 जून (देशबन्धु)। पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने भरी हुंकार। जनपद फर्रुखाबाद के बड़ी तादात में पत्रकारों का मिला साथ और दूसरी तरफ जिला वार एसोसिएशन ने भी पूरी दमदारी से पत्रकार अरविन्द शुक्ला के साथ में माफियावाद के विरुद्ध आरपार की लड़ाई लड़ने का ऐलान कर दिया है। आज इसी संबंध में पत्रकारों के साथ वार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुंअर सिंह यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिध मंडल ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन भी सौंपा और इसी के साथ वार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने खुले तौर पर ऐलान किया कि पत्रकार अरविन्द शुक्ला ने जो खनन माफियाओं के विरुद्ध जंग छेड़ी है इस फैसले में हमारी पूरी वार ने निर्णय लिया कि अन्याय के विरुद्ध जनपद से माफियावाद को खत्म कर ही दम लेंगे। वार एसोसिएशन और पत्रकारों ने एक स्वर में पुलिस की कार्यशैली पर उंगली उठाते हुए कहा कि चार दिनों तक जब एक पत्रकार को न्याय नहीं दिला पाई पुलिस तो आम आदमी को क्या न्याय दिला पाएगी। अध्यक्ष ने कहा कि क्या

- बार एसोसिएशन ने माफियावाद के विरुद्ध लड़ाई लड़ने का किया ऐलान

खनन माफिया समरजीत कटियार कानून और प्रशासन से ऊपर है जो उसके विरुद्ध कार्यवाही में पुलिस हांफ रही है उसके विरुद्ध कार्यवाही करने में ये सरासर पुलिस और खनन माफियाओं की मिलीभगत की तरफ इशारा करता है। अरविंद शुक्ला द्वारा दिए गए ज्ञापन पर पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर को गहनता पूर्वक जांच पड़ताल कर हमें अवगत कराने को आदेशित किया है, वहीं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि जांच उपरांत दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सार संक्षेप

युवाओं के लिए मार्केट लिंक्ड प्रोडक्ट लॉन्च

मेरठ। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई स्मार्ट इंश्योरेंस प्लान प्लस लॉन्च किया है। यह एक मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट है, जिसे ग्राहकों को दीर्घकालिक रूप से संपत्ति बनाने में मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस प्रोडक्ट को सिर्फ 1000 रुपए की मासिक प्रीमियम पर खरीदा जा सकता है। इससे युवा ग्राहक आसानी से नियमित निवेश कर सकते हैं और अपने लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इसमें जीवन बीमा का लाभ भी शामिल है, जिससे ग्राहक के न रहने पर उसके परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिलती है। अमित पालटा (चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस) ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है व मॉर्गन स्टेनली के अनुसार 2028 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

भरभराकर गिरी दो मंजिला इमारत

मेरठ। शास्त्रीनगर इलाके के सेक्टर-9 में देर रात स्कूल यूनिफॉर्म बनाने की एक फैक्ट्री अचानक गिर पड़ी। फैक्ट्री की डबल स्टोरी इमारत में अचानक हादसा हुआ। हादसे के कारण आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं जिस वक्त हादसा हुआ उस समय केवल चौकीदार ही इमारत में था। इसलिए चौकीदार जाहिद घायल हुआ। जर्जर और पुरानी इमारत होने के कारण ही अचानक इमारत गिरी है। जिस वक्त इमारत गिरी उस समय फैक्ट्री की छत पर केवल चौकीदार जाहिद सो रहा था। इसलिए वो घायल हुआ है। अन्य कोई हताहत नहीं हुआ।

निगम कार्यालय में भरा पानी बदहाल दिखी सफाई व्यवस्था

मेरठ। रविवार रात से जारी बारिश ने शहर की व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के प्रमुख इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। लालकुर्ती, सदर बाजार, घंटाघर, दिल्ली रोड, ब्रह्मपुरी, माधवपुरम, खैरनगर, जाकिर कॉलोनी, शहर सर्राफा, वैली बाजार, जयदेवी नगर, सेंट्रल मार्केट और कंकरखेड़ा बाजार में पानी भर गया है। नगर निगम की लापरवाही से नालों की सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई है। नगर निगम के घंटाघर स्थित कार्यालय में भी डेढ़ फुट तक पानी भर गया है। सोहराब गेट पुलिस चौकी में भी पानी घुस गया है। गढ़ रोड पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण स्थिति और खराब हो गई है। कार्यालय जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहिया वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा बर्दाश्त : उर्मिला

फर्रुखाबाद। सपा मुखिया के निर्देश पर समाजवादी पार्टी इन दिन पूरे प्रदेश में बूथ स्तर पर पीडीए जन पंचायतों का आयोजन कर रही है इसी क्रम में जिले की 195 विधानसभा भोजपुर में पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत के नेतृत्व में ग्राम कंदुआपुर, अखमेलपुर एंव नगला केसरी में पीडीए जन पंचायतों का आयोजन किया गया जिनमें उन्होंने ग्रामीणों से समस्याएं पूछीं, ग्रामीणों एंव कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न तरीकों से सरकार पर उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया।

शोभित में राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न

मेरठ, 30 जून (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ के

मानविकी, भौतिक एवं गणितीय विज्ञान संकाय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेपी विश्वविद्यालय ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुना (म.प्र.) से आमंत्रित विशेषज्ञ प्रो. रश्मि त्यागी ने नवीन सर्फैक्टेंट्स पर एक दृष्टि विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में हुआ, जो ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों में आयोजित हुआ। देशभर से 100 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन सहभागिता की। कुलाधिपति कुंवर शेखर विजेन्द्र ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए नवाचार व अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य वक्ता प्रो. रश्मि त्यागी ने सर्फैक्टेंट्स की आधुनिक अवधारणाओं, हरित रसायन, बायोसर्फैक्टेंट्स एवं नैनोटेक्नोलॉजी में उनके अनुप्रयोगों पर विस्तृत जानकारी दी। व्याख्यान के उपरांत प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन आकृति गोस्वामी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ। प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. विनोद त्यागी आदि मौजूद रहे।

कुलसचिव डॉ. गणेश भारद्वाज, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. अशोक गुप्ता, एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

जल निगम ने की पालिका की सड़कों की दुर्दशा

- मानसूनी बरसात में बढ़ेगा खतरा
- जनता की समस्याओं पर कोई सुनवाई नहीं, व्यापारियों में रोष

मवाना, 30 जून (देशबन्धु)। मवाना नगर व आसपास क्षेत्र में रविवार-सोमवार रात से हुई लगातार बारिश के कारण सड़कों व गलियों में पानी भर जाने से आमजनों को परेशानी हुई और हाईवे पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

कई स्थानों पर दोपहिया वाहन पानी में बंद हो गए, वहीं पैदल चलने वालों को गड्ढों और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ा। जलनिकासी की असफल व्यवस्था पर नागरिकों में रोष व्याप्त है। नगारिकों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा हर साल लाखों रुपए नालों की सफाई पर खर्च किए जाते है लेकिन चंद घंटों की पहली बरसात ने नगर पालिका के सारे दावों की पोल खोलकर रख दी। लोगों ने मांग की है कि नालों की सफाई कराई जाए और जलभराव वाले इलाकों से तुरंत पानी निकाला जाए। हस्तिनापुर रोड स्थित व्यापारी अक्षत जैन का कहना है कि उनकी दुकान जैन फर्नीचर हाउस के सामने हाइवे के दोनों ओर सड़क नीचे बैठ गयी है। जल निगम ने नगर में खोदे गए गड्ढों से लोगों को रुलाकर रख दिया। कोई सुनने वाला नहीं है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष मोहित दुबलिश ने बताया कि स्टेट बैंक से मिल रोड तक जल निगम द्वारा बनाई गई सड़कें बेहद जर्जर हो चुकी हैं। सोमवार सुबह गहरे गड्ढे में कार फंस गई और कई दुकानों के सामने दो-दो फीट गहरे गड्ढे बन चुके हैं। महामंत्री अंकित जैन ने हस्तिनापुर रोड पर जल निगम द्वारा बनाई गई सड़क के धंसने का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में बेहद घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष चौधरी राजवीर सिंह ने बताया कि लक्ष्मी देवी डिग्री कॉलेज के सामने बने नालों की नगर पालिका द्वारा अभी तक सफाई नहीं की गई है। वहीं, संयुक्त व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष शैवाल दुबलिश ने जल निगम द्वारा थाने से चौड़े कुएं तक बनाई गई सड़क के धंसने की स्थिति पर चिंता जताई। सोमवार को तय समय पर जनसुनवाई के लिए नगर पालिका कार्यालय पहुंचे।

जिला न्यायाधीश ने किया सूरजकुंड बाल गृह का निरीक्षण

मेरठ, 30 जून (देशबन्धु)। जिला न्यायाधीश संजीव पाण्डेय, जिलाधिकारी डा. वी.के. सिंह द्वारा सूरजकुंड बाल गृह व राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन लालकुर्ती (नारी निकेतन) का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। सूरजकुंड बालगृह पर जिला न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने बच्चो से वार्ता करते हुये उनसे खान-पान, पढाई, दवाई आदि विषयो पर जानकारी प्राप्त की। उन्होने संबंधित से कैमरो के संबंध में जानकारी प्राप्त की व आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जिला न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने राजकीय पश्चातवर्ती देखरेख संगठन लालकुर्ती (नारी निकेतन) में बच्चो को दी जा रही सुविधाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह, सूरजकुंड बाल गृह तथा नारी निकेतन का स्टॉफ सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरोपी के यहां दबीश देने गई पुलिस पर मारपीट का आरोप

- अस्पताल में चल रहा है घायल बुजुर्ग का उपचार
- मवाना के गांव मुबारकपुर का है मामला

मवाना, 30 जून (देशबन्धु)। 27 दिन पहले मवाना के गांव मुबारकपुर में रास्ते में महिंद्रा पिकअप खड़ी करने को लेकर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग के आरोपी की गिरफ्तारी करने गई पुलिस के ऊपर मारपीट करने का आरोप अस्पताल में घायल बुजुर्ग का उपचार चल रहा है। उधर पुलिस का आरोप है कि दबीश इसके दौरान पुलिस के साथ अभद्रता धक्का-मुक्की की गई है। बता दे की 2 जून को रास्ते में महिंद्रा पिकअप गाड़ी खड़ी कर भैंस उतरने को लेकर गांव मुबारिकपुर में रास्ते में गांव निवासी प्रदीप द्वारा महिंद्रा पिकअप गाड़ी खड़ी कर भैंस उतारने के दौरान हुए विवाद हो गया था। इस दौरान एक पक्ष के करीब 15 से अधिक दबंगों द्वारा पिस्टल एवं तमंचे से चलाई गई। 15 से 20 राउंड फायरिंग के बाद गांव में दहशत फैल गई। फायरिंग की वारदात के बाद पूरा गांव दहल गया था। लोगों ने अपने घरों में अपने आप को कैद कर लिया था। गोली चलाने वाले दबंग सरेआम हवा में हथियार लहराते हुए फरार हो गए थे। वारदात के बाद क्षेत्राधिकारी अभिषेक पटेल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे। उधर इस मामले में फरार चल रहे फायरिंग के आरोपी मुबारकपुर निवासी ललित की गिरफ्तारी करने को लेकर शुक्रवार की रात मवाना पुलिस बवाना खुर्द पुलिस चौकी इंचार्ज सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पहुंची थी जहां ललित के परिजनों से पुलिस की नौकरी हुई थी और पुलिस का आरोप था कि भविष्य के दौरान पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की गई है। इस मामले में ललित के परिजनों द्वारा थाना समाधान दिवस पर शिकायत करते हुए पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। इस मामले में परिजनों ने बताया था कि ललित के पिता मनोज शर्मा मारपीट के बाद अस्पताल में भर्ती है। इस मामले में मवाना खुर्द चौकी इंचार्ज सत्येंद्र कुमार का कहना है कि पुलिस दबीश देने गई थी। इस दौरान पुलिस के साथ धक्का मुखी की गई थी। धक्का मुखी के दौरान ही ललित के पिता मनोज शर्मा को चोट आई है।

खंभे उखाड़ने पहुंची क्रेन में करंट उतरने से ड्राइवर की मौत

- हेल्पर भी झुलसा

मेरठ, 30 जून (देशबन्धु)। क्रेन में करंट उतरने से ड्राइवर की मौत हो गई। तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सोमवार सुबह समर गार्डन में 12 बजे मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) की टीम अवैध कालोनी में लगे बिजली के खंभों को हटाने पहुंची थी। तभी मेडा की जेसीबी मशीन अचानक कालोनी के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टच हो गई। घटना लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से झुलसे कर्मचारियों को हॉस्पिटल पहुंचाया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। हादसे के बाद मेडा के कर्मचारी और अधिकारी मौके से फरार हो गए। मेरठ विकास प्राधिकरण की टीम आज लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के समर गार्डन में मदीना फेज-2 की अवैध कालोनी में लगे बिजली के खंभों को हटाने पहुंची थी। मेडा ने बिजली विभाग में भी इसकी सूचना नहीं दी थी। बिना शटडाउन लिए ही टीम ने खंभे हटाना शुरू कर दिया था। मौके पर क्रेन लेकर ड्राइवर छोटेलाल और हेल्पर गया प्रकाश आया था। काम करने के दौरान अचानक 11 केवी की लाइन से जेसीबी मशीन टच हो गई। छूते ही पूरी क्रेन में करंट दौड़ गया। हेल्पर गया प्रकाश तुरंत उतरकर भाग गया। वहीं ड्राइवर छोटेलाल की मौके पर ही मौत हो गई।

जल निगम की लापरवाही से रोजाना हो रहे हादसे

मवाना, 30 जून (देशबन्धु)। नगर क्षेत्र में जल निगम की लापरवाही लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। जगह-जगह खुदे हुए गड्ढों और अधूरी मरम्मत के चलते रोजाना हादसे हो रहे हैं। ताजा मामला मवाना नगर पालिका क्षेत्र का है, जहां एक मालवाहक वाहन सड़क पर बने गहरे गड्ढे में धंस गया। गाड़ी के पिछले पहिए पूरी तरह से गड्ढ में फंस गए, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई और व्यापारी व आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निगम द्वारा खोदी गई सड़कों को ठीक करने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की जा रही है। कई स्थानों पर सड़कें खुदी पड़ी हैं, जिनकी मरम्मत अधूरी छोड़ दी गई है। ऐसे गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं और आए दिन दोपहिया व चौपहिया वाहन

- गड्ढे में फंस रही गाड़ियां, नगर पालिका की छवि पर दाग

चालक इन गड्ढों में फंस रहे हैं या गिर रहे हैं। व्यापारियों का आरोप है कि नगर पालिका की छवि खराब हो रही है, जबकि गलती जल निगम की है। फिर भी न कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आता है और न ही गड्ढों को भरने का कोई स्थायी समाधान किया जा रहा है।

आयोजन *सुभारती के कुलपति सेवानिवृत्त, सम्मान पूर्वक दी गई विदाई*

पवित्र विचारधारा देश को सशक्त बनाएगी यूनिवर्सिटी : जी.के.थपलियाल

मेरठ, 30 जून (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल का कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यकाल के दौरान डॉ. थपलियाल द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदानों को सभी ने सराहा और उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदा किया गया। इसके साथ ही नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सत्यजीत रे प्रेक्षागृह में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी. के. थपलियाल।

- प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा बने विवि के नए कुलपति
- अनुसंधान के साथ छात्र-कल्याण पर रहेगा फोकस : प्रो.प्रमोद कुमार शर्मा
- स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों को किया आत्मसात

नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा, सुभारती समूह के संस्थापक डॉ. अतुल कृष्ण, कुलाधिपति डॉ. स्तुति नारायण कक्कड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज, कार्यकारी अधिकारी डॉ. कृष्णा मूर्ति ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलसचिव एम याकूब ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए नए कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा का

औपचारिक स्वागत किया। कुलाधिपति डॉ. स्तुति नारायण कक्कड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज, कार्यकारी अधिकारी डॉ. कृष्णा मूर्ति ने सेवानिवृत्त कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी. के. थपलियाल को सफल कार्यकाल की बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा का सुभारती परिवार में स्वागत किया। सेवानिवृत्त कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के. थपलियाल ने प्रस्थान व्याख्यान देते हुए कहा कि सुभारती की पवित्र विचारधारा देश को सशक्त बनाएगी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय राष्ट्र को समर्पित होकर कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी विवेकानन्द शोध पीठ द्वारा स्वामी जी के आदर्श एवं उनकी शिक्षाओं के प्रचार प्रसार हेतु गौरवशाली कार्य किए जा रहे है। शिक्षा, सेवा, संस्कार एवं राष्ट्रीयता के मंत्र से विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों में राष्ट्र चरित्र निर्माण के भाव पैदा कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का गौरवशाली कार्य कर रहा है। सुभारती परिवार के यह सभी भाव पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अनुसंधान के क्षेत्र में प्रमुखता से कार्य करने की अपील की। उन्होंने नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर प्रमोद कुमार शर्मा का स्वागत करते हुए उन्हें चार्ज सौंपा दिया। उन्होंने कहा कि सुभारती विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में उनका कार्यकाल हमेशा उन्हें अविस्मरणीय रहेगा।

सुभारती समूह के संस्थापक डॉ.अतुल कृष्ण ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से सेवानिवृत्त कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी. के. थपलियाल को विदाई दी। उन्होंने कहा कि डॉ. थपलियाल के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने जो प्रगति की है, वह प्रशंसनीय है। मंच का संचालन डॉ. सीमा शर्मा द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन इंजीनियरिंग कॉलेज के डीन डॉ. मनोज कपिल ने दिया। वंदे मातरम गायन से कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी संकाय के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक गण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

देशबन्धु नई दिल्ली, मंगलवार, 1 जुलाई, 2025, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

अभिनेता धनुष मेरी रचनात्मकता के आड़े नहीं आए : वेट्री मारन

चेन्नई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और भारत के मशहूर फिल्म निर्देशकों में शामिल वेट्री मारन ने हाल ही में फैली उन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि अभिनेता धनुष ने अपनी लोकप्रिय फिल्म फ्रेंचाइजी 'वडा चेन्नई' की कहानी पर आधारित एक नई फिल्म के लिए कॉपीराइट अधिकार देने के बदले पैसे की मांग की थी। वेट्री मारन यह नई फिल्म अभिनेता सिलंबरासन के साथ बनाने जा रहे हैं। वेट्री मारन ने बताया कि उनकी अगली फिल्म सिम्बु के साथ होगी और यह फिल्म 'वडा चेन्नई' की दुनिया पर आधारित होगी। उन्होंने कॉपीराइट विवाद पर कहा कि धनुष 'वडा चेन्नई' के निर्माता हैं और इस फिल्म के किरदारों, प्रीक्वल, सीक्वल या स्पिन-ऑफ के कॉपीराइट उनके पास हैं।

रेखा के साथ अनन्या व आलिया का स्पेशल मोमेंट, शेयर की तस्वीरें

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। साल 1981 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'उमराव जान' 27 जून को सिनेमाघरों में री-रिलीज की गई है। इसकी स्क्रीनिंग के दौरान कई सेलेब्स शामिल हुए। अनन्या पांडे और आलिया भट्ट ने रेखा जी के साथ तस्वीरें शेयर कीं।

अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया पर दिग्गज अभिनेत्री रेखा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, रे (रेखा) आंटी के लिए स्वाइप करें और सिनेमाघरों में जाकर उमराव जान देखें। उनकी पोस्ट में वर्तमान और बचपन के पलों का मिश्रण दिखाया गया है, जिसमें उमराव जान के री-रिलीज इवेंट की एक तस्वीर शामिल है, जिसमें अनन्या रेखा के साथ नजर आ रही हैं। साथ ही अनन्या के बचपन की थ्रोबैक तस्वीरें रेखा के साथ हैं। एक तस्वीर में, नन्हीं अनन्या रेखा की तस्वीर के बगल में पोज दे रही हैं, जबकि दूसरी तस्वीर में दिग्गज स्टार ने अनन्या को प्यार से अपनी बाहों में पकड़ा हुआ है। इस पोस्ट में अनन्या पांडे की कई स्टाइलिश तस्वीरें भी हैं, जिसमें वह एक खूबसूरत सफेद सूट में हैं। अभिनेत्री ने ये सूट 'उमराव जान' की री-रिलीज के दिन पहना था। इससे कुछ दिन पहले, आलिया भट्ट ने भी 'उमराव जान' के री-रिलीज इवेंट में शामिल होने पर रेखा के लिए एक प्यारा-सा पोस्ट शेयर किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा कि आपके जैसा कोई और न कभी था, न है और न कभी होगा, रेमां।

39 खास प्रजातियों में से एक चोपचीनी

गर्भवती महिलाएं व पेट संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे लोग बरते सावधानी

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां मौजूद हैं जो शरीर से कई समस्याओं को दूर करने में उपयोगी मानी गई हैं। ऐसी ही एक जड़ी बूटी चोपचीनी/चोबचीनी है। आयुर्वेदिक दवाओं में इसके जड़ से बने चूर्ण का इस्तेमाल किया जाता है। तासीर गर्म होती है इसलिए सेवन करते वक्त विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

भारत सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मुताबिक, दुनिया भर में इसकी लगभग 262 अलग-अलग प्रजातियां मौजूद हैं, जबकि भारत में 39 प्रजातियां हैं। 39 में से, स्मिलैक्स टर्बन, पहली बार 20वीं सदी की शुरुआत में आया था। यह पौधा चीन, कोरिया, ताइवान, जापान, फिलीपींस, वियतनाम, थाईलैंड, म्यांमार और भारत में पाया जाता है।

चोपचीनी 'चाइना रूट' (चीनी जड़) के नाम से भी जाना जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम स्मिलैक्स चाइना है। यह एक बारहमासी पौधा है जो पूर्वी एशिया का मूल निवासी है और पारंपरिक चिकित्सा में इसके उपयोग का एक लंबा इतिहास है। चोबचीनी स्मिलैकेसी परिवार से संबंधित है, जिसे रक्त को शुद्ध करने, हानिकारक पदार्थों को खत्म करने, सूजन संबंधी बीमारियों का इलाज करने में मदद करता है।

- **शरीर से कई समस्याओं को दूर करने में उपयोगी**
- **चीन, कोरिया, ताइवान, जापान, म्यांमार व भारत में पाया जाता है पौधा**
- **यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में लाभदायक**

नेश्नल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार, चोपचीनी की जड़ के अर्क में क्वेसरटिन, रेस्वेराट्रोल और ऑक्सीरेस्वेराट्रोल जैसे तत्व पाए जाते हैं। जो मुहांसों को ठीक करने के लिए उपयोगी होते हैं। जोड़ों के दर्द को दूर करने में भी चोपचीनी तेल कारगर है।

आयुर्वेद के अनुसार, यूरिक एसिड की समस्या को दूर करने में यह लाभदायक है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से चोपचीनी के चूर्ण को आधा चम्मच सुबह खाली पेट और आधा चम्मच रात को सोते समय सादे पानी से लेने से यूरिक एसिड की समस्या कम होने लगती है।

चरक संहिता में चोपचीनी का उल्लेख एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में किया गया है। चरक संहिता में इसे कुष्ठघ्न महाकाषाय (त्वचा रोगों को ठीक करने वाली जड़ी-बूटियों का समूह) के तौर पर शामिल किया गया है। क्योंकि तासीर गर्म होती है इसलिए गर्भवती महिलाओं और पेट संबंधी दिक्कतों से जूझ रहे लोगों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। बिना चिकित्सीय परामर्श के सेवन नहीं करना चाहिए।

प्लॉस्टिक रिंग संग करें मनोरंजन

मुंबई, 30 जून (आईएएनएस)। क्या आप फिट रहने का मजेदार तरीका ढूंढ रहे हैं? तो हुला हूपिंग आपके लिए है! यह प्लॉस्टिक रिंग वाला व्यायाम न सिर्फ कोर मांसपेशियों को मजबूत करता है, बल्कि मनोरंजन का भी पूरा डोज देता है। यह करने में न केवल सरल बल्कि खुश रहने का भी एक मजेदार साधन है।

जर्नल ऑफ स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग रिसर्च (2021) में छपे एक अध्ययन के अनुसार, 6 सप्ताह तक हुला हूपिंग करने वालों की कमर की परिधि में उल्लेखनीय कमी आई और कोर की ताकत बढ़ी, जो चलने से भी ज्यादा प्रभावी साबित हुई।

अब सवाल उठता है कि सरल से दिखने वाले मनोरंजन से भरपूर हुला हूपिंग करते कैसे हैं? इस सवाल का जवाब सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट पूजा मखीजा देती हैं। उन्होंने बताया कि यह एक साधारण व्यायाम है, जिसमें एक प्लॉस्टिक रिंग को कमर, कूल्हों या शरीर के अन्य हिस्सों के चारों ओर घुमाया जाता है। इसे शुरू करने के लिए एक हल्का या भारी

तन-मन दोनों को रखें तंदुरुस्त

शुरुआत में 5 से 10 मिनट तक ही करना चाहिए

हुला हूप लें। अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई पर रखें, रिंग को कमर पर टिकाएं और इसे घुमाने के लिए कूल्हों को गोलाकार गति में हिलाएं। एक्सपर्ट बताते हैं कि शुरुआत में इसे 5 से 10 मिनट तक ही करना चाहिए और धीरे-धीरे समय बढ़ाना चाहिए।

एक्सपर्ट बताते हैं कि हुला हूप की सबसे खास बात यह है कि इसे जिम के अलावा, घर पर भी आसानी से किया जा सकता है।

इससे मिलने वाले फायदे बहुत हैं। एक्सपर्ट के अनुसार, हुला हूपिंग एक फुल-बॉडी वर्कआउट है, जो

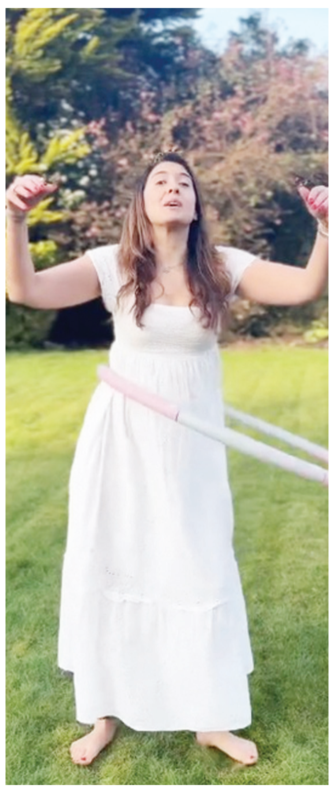

कोर मांसपेशियों को मजबूत करता है और कमर को टोन करता है। यह कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का शानदार मिश्रण है। नियमित अभ्यास से पेट की चर्बी कम होती है, लचीलापन बढ़ता है और तनाव भी घटता है। यह व्यायाम मस्ती के साथ कैलोरी बर्न करता है, जिससे फिटनेस का लक्ष्य बोरिंग नहीं लगता। बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी इसे आसानी से आजमा सकते हैं।

हुला हूप करने में बरते सावधानी

हुला हूप करने में कुछ सावधानियां भी बरतनी जरूरी हैं। इसे शुरू करने से पहले सही आकार का हूप चुनें; बड़ा हूप शुरुआती लोगों के लिए आसान होता है। पीठ दर्द या कोई चोट है, तो डॉक्टर से सलाह लेना आवश्यक है। शुरुआत में ज्यादा जोर नहीं लगाना चाहिए और धीरे-धीरे स्पीड बढ़ानी चाहिए। अभ्यास करने से पहले ध्यान रखना चाहिए कि जगह खुली और बड़ी हो, ताकि रिंग किसी चीज से टकराए न। हल्के कपड़े और आरामदायक जूते पहनें।

मानसून में स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें : डॉ. जग मोहन

चंबा, 30 जून (एजेंसियां)। मानसून के आगमन के साथ जहां हरियाली और ठंडक आती है, वहीं यह मौसम स्वास्थ्य के लिए कई चुनौतियां भी लेकर आता है। इस दौरान कई तरह की बीमारियों और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के भंजराडू उपमंडल में आयुष चिकित्सा अधिकारी का कार्यभार संभाल रहे डॉ. जग मोहन ने लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की अपील की।

डॉ. जग मोहन ने कहा कि बरसात के मौसम में बढ़ी हुई नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सर्दी, खांसी, बुखार, दस्त और त्वचा रोगों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषकर चर्म रोग इस मौसम में अधिक देखने को मिलते हैं। आयुर्वेद में ऐसे संक्रमणों से बचाव के लिए कई कारगर घरेलू उपाय बताए गए हैं।

उन्होंने लोगों को नियमित रूप से हल्दी और तुलसी का काढ़ा पीने, त्रिकटु चूर्ण का सेवन करने और

- **तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण सर्दी, खांसी, बुखार, दस्त व त्वचा रोगों का खतरा**
- **हल्दी और तुलसी का काढ़ा पीने, त्रिकटु चूर्ण का करें सेवन**

गुनगुने पानी का उपयोग करने की सलाह दी। ये उपाय शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। उन्होंने लोगों को एक विशेष सलाह देते हुए कहा कि मानसून के दौरान पीने वाले पानी का विशेष ध्यान रखें। पानी को उबालकर पीना फायदेमंद है।

इसके साथ ही, डॉ. मोहन ने नीम और गिलोय जैसी आयुर्वेदिक औषधियों के सेवन को भी बेहद लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि ये जड़ी-बूटियां शरीर को भीतर से मजबूत बनाकर मौसमी संक्रमणों से बचाती हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि बारिश में भीगने से बचें, साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और संतुलित आहार का पालन करें। यदि किसी को कोई भी स्वास्थ्य संबंधी लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत नजदीकी आयुष स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

उन्होंने आगे कहा कि आयुष विभाग मानसून के इस संवेदनशील मौसम में लोगों को जागरूक करने के लिए जनहित में निरंतर अभियान चला रहा है, ताकि हर व्यक्ति स्वस्थ और सुरक्षित रह सके।

उद्योग में उत्कृष्ट कार्य के लिए अमित उपाध्याय को किया गया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा, 30 जून (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर वाणिज्य कर विभाग ने दानवीर भामाशाह की जयंती समारोह में सांसद डॉ. महेश शर्मा ने जिला में सबसे ज्यादा वाणिज्य कर देने वाले टॉप 10 उद्यमियों को 'दानवीर भामाशाह पुरस्कार' से सम्मानित किया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के साथ सांसद ने इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय को उद्योगों के हित में उत्कृष्ट काम करने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया। आईबीए के अध्यक्ष अमित उपाध्याय ने सांसद गौतम बुद्ध नगर, जिलाधिकारी, वाणिज्य कर अधिकारियों के प्रति इस उत्कृष्ट पुरस्कार के लिए आभार व्यक्त कर धन्यवाद व्यक्त किया। आईबीए द्वारा उद्यमियों की समस्याओं को विभिन्न विभागों के सामने रख उनका उचित समाधान कराने में सदैव तत्पर रहने का संकल्प लिया और समाजहित में अपना उचित योगदान देने के लिए कटिबद्ध है। इस अवसर पर संस्था के महासचिव सुनील दत्त, और अन्य पदाधिकारी सुधीर त्यागी, राकेश अग्रवाल, एस के शर्मा, नरेश चौहान, आकाश चौहान, संजय पांचाल, राजेश खन्ना एवं अन्य उद्यमी उपस्थित रहे।

नसीरुद्दीन शाह के बयान पर सिने एम्प्लॉइज ने जताई नाराजगी

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी कलाकार को लेकर विवादों में फंसी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ का समर्थन किया था।

एफडब्ल्यूआईसीई ने कहा कि उन्होंने पहले ही साफ कर दिया था कि भारत में ऐसी किसी फिल्म को रिलीज नहीं होने दिया जाएगा, जिसमें पाकिस्तानी कलाकार हों। उन्होंने बताया कि पुलवामा और ऑपरेशन सिंदूर जैसे बड़े आतंकी हमलों के बाद यह नियम बनाया गया था कि कोई भी भारतीय कलाकार या आयोजक किसी पाकिस्तानी कलाकार के साथ काम नहीं करेगा, चाहे वह शो भारत में हो रहा हो या विदेश में।

फेडरेशन ने बताया कि पहले भी

- **कहा कि देश से बड़ा कोई नहीं**
- **फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ का किया था समर्थन**

दिलजीत दोसांझ को ऐसा ही एक नोटिस भेजा गया था, जब वह विदेश में एक पाकिस्तानी गायक के साथ शो करने वाले थे। उस शो को बाद में कैंसिल करना पड़ा था। फेडरेशन ने कहा कि जब पाकिस्तान की तरफ से भारत पर हमला हुआ, तब एक पाकिस्तानी कलाकार ने भारतीय लोगों और हमारी सेना को डरपोक और गद्दार कहा था। इसके बाद भी फिल्म के निर्माता या कलाकारों ने कोई बयान नहीं दिया, न ही विरोध किया। जब आप भारत में रहकर कमाई कर रहे हैं, यहां की जनता से प्यार पा रहे हैं, तो आपको भारत की भावनाओं की भी इज्जत करनी चाहिए। वहीं, दिलजीत दोसांझ के समर्थन वाले नसीरुद्दीन शाह के पोस्ट और कैलासा जाओ के बयान पर फेडरेशन ने नाराजगी जताई। दरअसल, नसीरुद्दीन शाह ने फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने लिखा कि मैं दिलजीत के साथ मजबूती से खड़ा हूं। जुमला पार्टी की गंदी चालें चलाने वाला विभाग लंबे समय से उन्हें निशाना बनाने का मौका तलाश रहा था और उन्हें अब लगा कि यह मौका मिल गया है। फिल्म की कास्टिंग का फैसला दिलजीत का नहीं था।

1933 में आए एक छोटे से विचार ने 1938 में लिया आकार

सुपरमैन की यात्रा यूं ही नहीं शानदार

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। सुपरमैन दुनिया के सबसे मशहूर और सबसे पसंदीदा सुपरहीरो में से एक है। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई सुपरमैन को जानता है और पसंद करता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुपरमैन पहली बार कब और कैसे कॉमिक्स के पन्नों पर आया था?

सुपरमैन की शुरुआत बेहद दिलचस्प है। 1933 में एक युवा लड़के, जेरी सीगल ने सुपरमैन की पहली कहानी लिखी थी। उस समय सुपरमैन एक अच्छा हीरो नहीं बल्कि एक विलेन था, जो अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल करता था। उसके बाद जेरी सीगल और उनके दोस्त जो शस्टर ने मिलकर सुपरमैन को पूरी तरह बदल दिया। जो शुस्टर चित्र बनाने का काम करते थे। दोनों ने उसे अच्छा, ताकतवर और दयालु सुपरहीरो बनाया। उन्होंने सुपरमैन को एक एलियन, यानी दूसरे ग्रह से आया हुआ बताया, जिसके पास खास शक्तियां थीं और वह एक पत्रकार क्लार्क केंट के रूप में चुपचाप आम जीवन जीता था। 30 जून, 1938 को सुपरमैन की पहली कॉमिक 'एक्शन कॉमिक 1' प्रकाशित हुई। इसे काफी पसंद किया गया और सुपरमैन तेजी से लोकप्रिय हो गया। इसके बाद कई कॉमिक्स, कार्टून, टीवी शो और फिल्मों में सुपरमैन की कहानियां बताई गईं। सुपरमैन के पास कई खास शक्तियां थीं, जैसे कि वह तेज दौड़ता था, तेज उड़ता था और बेहद ताकतवर था। इसके अलावा, वह हमेशा सही और गलत में फर्क करता था और कमजोर लोगों की मदद करता था।

सुपरमैन की एक और खास बात यह थी कि उसके कई दोस्त और दुश्मन भी उसके साथ जुड़े थे। उसकी सबसे प्रसिद्ध दोस्त और प्रेमिका लोइस लेन थी, जो एक बहादुर और समझदार रिपोर्टर थी। वह सुपरमैन को पसंद करती थी, लेकिन वह उसकी असली पहचान, क्लार्क केंट, से दूर-दूर रहती थी। इसके अलावा, सुपरमैन का सबसे खतरनाक दुश्मन लेक्स लूथर था, जो हमेशा दुनिया को नुकसान पहुंचाने की योजना बनाता रहता था। सुपरमैन और लेक्स लूथर की लड़ाई की कहानियां बहुत रोमांचक और मजेदार होती थीं।

सुपरमैन की कहानियों ने बच्चों को न

केवल मनोरंजन दिया, बल्कि उनमें अच्छाई, बहादुरी और सच्चाई की भावना भी जगाई। सुपरमैन ने हमेशा यही सिखाया कि हमें हमेशा सही के लिए लड़ना चाहिए और कमजोरों की मदद करनी चाहिए। उनकी कहानियां बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गईं।

सुपरमैन का असर सिर्फ कॉमिक्स तक सीमित नहीं रहा। उसने टीवी और फिल्मों में भी बहुत लोकप्रियता हासिल की। 1950 के दशक में टीवी पर सुपरमैन का एक शो आया, जिसमें दिवंगत एक्टर जॉर्ज रीव्स ने सुपरमैन का किरदार निभाया, जो बच्चों को बहुत पसंद आया। इसके बाद कई सुपरमैन फिल्में बनीं, जिनमें क्रिस्टोफर रीव ने सुपरमैन का रोल निभाया। उनकी फिल्मों ने सुपरहीरो की दुनिया को और भी बड़ा बनाया। आज भी नए टीवी शो और फिल्मों में सुपरमैन की कहानियां दिखाई जाती हैं, जो नई पीढ़ी को पसंद आती हैं।

सुपरमैन की खास पहचान उसके पहनावे में भी थी। सुपरमैन के शुरुआती डिजाइनरों ने सर्कस के मजबूत पुरुषों और अन्य एथलीटों को ध्यान में रखते हुए उनकी पोशाक बनाई। लाल और नीले रंग की पोशाक, उस पर एस लोगो और बाहरी अंडरवियर को 1930 के दशक के एथलेटिक और सर्कस के मजबूत पुरुषों के कपड़ों से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया था।

ये किरदार बहुत ही विनम्र और दयालु था इसलिए लोगों के दिलोदिमाग पर छा गया। सुपरमैन का असली नाम क्लार्क केंट है, जो एक आम इंसान की तरह सरल और शर्मीला होता है।

शोधकर्ताओं ने विकसित किया नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल

सिंगल ब्रेन स्कैन कर 9 प्रकार के डिमेंशिया का लगाएगा पता

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है, जो मात्र एक बार ब्रेन स्कैन कर नौ प्रकार की डिमेंशिया का पता लगा सकता है। यह उपलब्धि न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों की शुरुआती पहचान में महत्वपूर्ण कदम है।

'स्टेटव्यूअर' नामक यह टूल न केवल डिमेंशिया की जल्दी पहचान करता है, बल्कि 88 प्रतिशत मामलों में सटीक निदान भी देता है, जिसमें अल्जाइमर रोग भी शामिल है।

'न्यूरोलॉजी' पत्रिका में प्रकाशित शोध के अनुसार, यह टूल डॉक्टरों को सामान्य प्रक्रिया की तुलना में दोगुना तेजी से और तीन गुना अधिक सटीकता के साथ मस्तिष्क स्कैन की व्याख्या करने में मदद करता है।

मेयो क्लिनिक के शोधकर्ताओं ने डिमेंशिया और ऐसी किसी समस्या से न जूझ रहे मरीजों के 3,600 स्कैन रिजल्ट को एआई टूल के माध्यम से परखा।

डिमेंशिया का निदान करना मुश्किल है क्योंकि इसके लिए कई तरह के टेस्ट चाहिए, जैसे

- **डिमेंशिया की समस्या से जूझ रहे मरीजों के 3,600 स्कैन रिजल्ट को एआई टूल के माध्यम से परखा**
- **दुनिया भर में 55 मिलियन से ज्यादा लोग डिमेंशिया से प्रभावित**

कॉग्निटिव टेस्ट, खून की जांच, इमेजिंग, क्लिनिकल इंटरव्यू। अल्जाइमर, लेवी बॉडी डिमेंशिया, और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया जैसे रोगों को अलग-अलग पहचानना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उनके लक्षण कभी-कभी मिलते-जुलते हैं। मेयो क्लिनिक के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. डेविड जोन्स कहते हैं कि हर मरीज जो उनके क्लिनिक में आता है, वह अपने दिमाग की जटिलता से बनी एक अनोखी कहानी लेकर आता है। यानी, हर व्यक्ति के डिमेंशिया के लक्षण और कारण अलग हो सकते हैं।

उन्होंने 'स्टेट व्यूअर' नामक टूल के बारे में बताया, जो मेयो क्लिनिक के न्यूरोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम का हिस्सा है।

यह टूल डिमेंशिया के इलाज को आसान और सटीक बनाने में मदद करता है। स्टेट व्यूअर स्कैन का विश्लेषण करता है, जो दिमाग द्वारा ग्लूकोज के उपयोग को दर्शाता है और इसे डिमेंशिया के पक्के मामलों के डेटाबेस से मिलाकर यह पता लगाता है कि मरीज को कौन सा डिमेंशिया है (जैसे अल्जाइमर, लेवी बॉडी, या फ्रंटोटेम्पोरल), जिससे डॉक्टरों को समस्याओं को समझने में आसानी होती है। डॉ. जोन्स का कहना है कि स्टेटव्यूअर जल्द और सटीक इलाज के साथ भविष्य में डिमेंशिया जैसी बीमारियों का रुख बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अल्जाइमर, लेवी बॉडी डिमेंशिया और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया जैसे रोग मस्तिष्क के अलग-अलग हिस्सों को प्रभावित करते हैं। अल्जाइमर याददाश्त और सोचने-समझने वाले हिस्सों को नुकसान पहुंचाता है। लेवी बॉडी डिमेंशिया ध्यान और हिलने-डुलने से जुड़े हिस्सों को प्रभावित करता है। फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया भाषा और व्यवहार के लिए जिम्मेदार हिस्सों को बदल देता है। स्टेट व्यूअर नामक टूल इन पैटर्न को कलर कोडेड ब्रेन मैप्स के जरिए दिखाता है, जो ब्रेन की एक्टिविटीज के मुख्य क्षेत्रों को हाइलाइट करता है। यह डॉक्टर्स, खासकर उनको जो न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ नहीं हैं, को यह समझने में मदद करता है कि एआई ने क्या देखा और यह डायग्नोसिस को लेकर कैसे काम करता है।

दुनिया भर में 55 मिलियन से ज्यादा लोग डिमेंशिया से प्रभावित हैं और हर साल लगभग 1 करोड़ नए मामले सामने आते हैं। अल्जाइमर, जो सबसे आम प्रकार है, अब दुनिया में मृत्यु का पांचवां सबसे बड़ा कारण है।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

ट्रेंट	3.34 प्रतिशत
एसबीआई	1.86 प्रतिशत
बीईएल	1.63 प्रतिशत
इटरनल	0.72 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	0.70 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	2.11 प्रतिशत
कोटक बैंक	2.03 प्रतिशत
मारुति	1.95 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	1.33 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.09 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	96,000
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,05,510
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7900-8000
उड़द दाल	9250-9350
मूंग दाल	9200-9300
अरहर दाल	8400-8500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

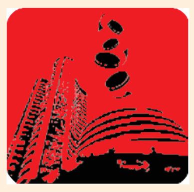

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : सीतारमण

■ आने वाले समय में अच्छे मानसून के कारण और बेहतर करने का अनुमान

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकोनॉमी है और आने वाले समय में अच्छे मानसून और कृषि के कारण और बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। यह बयान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से सोमवार को दिया गया।

आरबीआई के ताजा डेटा के मुताबिक, कृषि, निर्माण और सेवा क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन के दम पर 2024-25 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई, जिसके परिणामस्वरूप पूरे वित्तीय वर्ष के लिए विकास दर 6.5 प्रतिशत पहुंच गई थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना मीडिया इंटरव्यू पोस्ट करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह विकास दर जारी रहेगी और अच्छे मानसून के कारण अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन में सुधार होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारे बाजारों की गहराई वास्तव में दिख रही है और इससे खुदरा विक्रेताओं और आम नागरिकों को लाभ हो रहा है।

हमारी प्रणालियां पारदर्शी व डिजिटल हैं और घर बैठे ही उन तक पहुंचा जा सकता है : निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि हमारी प्रणालियां पारदर्शी और डिजिटल हैं और घर बैठे ही उन तक पहुंचा जा सकता है। व्यक्ति दूसरों की मदद पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही यह काम कर सकते हैं। ये एक बहुत अच्छी गतिशील अर्थव्यवस्था के संकेत हैं।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि हमारी नीति स्पष्ट है कि श्रम-प्रधान इकाइयों को सहायता दी जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि हमने स्पष्ट किया है कि हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित सामान आदि को सहायता मिलेगी। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे हम एक (श्रम) और दूसरे (पूंजी/तकनीक) के बीच अंतर करें। विनिर्माण, चाहे वह रोजगार-प्रधान हो या स्वचालित, उसे नीतिगत समर्थन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सभी बजट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली इस सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हम कुछ ठोस नीतियां बनाएं जो लोगों, खासकर एमएसएमई की मदद करें।

सीतारमण पांच जुलाई तक स्पेन, पुर्तगाल व ब्राजील की यात्रा पर

■ रियो डी जेनेरियो में वित्त मंत्री भारत के गवर्नर के रूप में एनडीबी की बैठक को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 30 जून से 05 जुलाई तक स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगी। इस दौरान वे वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। स्पेन के सेविले की अपनी यात्रा में वित्त मंत्री संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित विकास के लिए वित्तपोषण पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेंगी और भारत की ओर से एक वक्तव्य देंगी।

वित्त मंत्री सेविले में 'सम्मेलन परिणाम से कार्यान्वयन तक: सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता को अनलॉक करना' विषय पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन में भाग लेंगी और मुख्य भाषण देंगी। इस दौरान, श्रीमती सीतारमण जर्मनी, पेरू और न्यूजीलैंड के वरिष्ठ मंत्रियों और यूरोपीय निवेश बैंक के अध्यक्ष से मिलेंगी। पुर्तगाल के लिस्बन की अपनी यात्रा में वित्त मंत्री पुर्तगाल के वित्त मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करने की उम्मीद है। इसके अलावा प्रमुख निवेशकों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ बातचीत भी करेंगी। रियो डी जेनेरियो में, वित्त मंत्री भारत के गवर्नर के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक की 10वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करेंगी।

वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति औसतन 3.2 प्रतिशत रहेगी : रिपोर्ट

■ बड़े पैमाने पर खपत को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अनुकूल मौसम की स्थिति के कारण अगले छह महीनों में मुद्रास्फीति औसतन 2.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सोमवार को जारी एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्षों से उच्च आधार प्रभाव और मजबूत अनाज उत्पादन के कारण भारत में खाद्य मुद्रास्फीति लंबे समय तक कम रहने की उम्मीद है। एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मजबूत भारतीय रुपए, कमोडिटी की गिरती कीमतें, चीन से आयातित मुद्रास्फीति और एक साल पहले की तुलना में कम वृद्धि के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नियंत्रित बनी हुई है। इन सभी कारकों को देखते हुए वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति औसतन 3.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025 भारत के अन्न भंडारों के लिए मजबूत नोट पर समाप्त हुआ, जिसमें मजबूत अनाज उत्पादन ने पर्याप्त स्टॉक स्तर सुनिश्चित किया। इस प्रचुरता से निकट भविष्य में अनाज मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2026 में बारिश, जलाशयों का स्तर और बुआई मायने रखेगी। वर्तमान में, वर्षा का स्तर सामान्य से 9 प्रतिशत अधिक है, जो पिछले तीन वर्षों में हुई बारिश से बहुत अधिक है। क्षेत्रवार, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। आईएमडी को उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में पूरे देश में बारिश होगी। अच्छी बारिश से न केवल गर्मियों की बुआई को फायदा होता है, बल्कि जलाशयों को भरने में भी मदद मिलती है, जो अस्थायी रूप से बारिश रुकने की स्थिति में बफर प्रदान करते हैं।

25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले : पीएचडीसीसीआई

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने सामाजिक सुरक्षा कवरेज को लेकर भारत को वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान दिया है। पिछले 10 वर्षों में भारत की सामाजिक सुरक्षा कवरेज जनसंख्या के 19 प्रतिशत हिस्से से बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो गई है, देश की इस उपलब्धि पर पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और सेक्रेटरी जनरल डॉ. रंजीत मेहता ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं की बदौलत ही आज 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

डॉ. रंजीत मेहता ने कहा कि पीएम मोदी खुद एक ऐसे लीडर हैं, जो कभी खुद संघर्षमयी जीवन का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से कनेक्ट करते हुए देश की जनता के लिए कई बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। उन्होंने लाल किला से अपने सबसे पहले भाषण में स्वच्छ भारत मिशन के तहत फ्री टॉयलेट को लेकर घोषणा की थी। मेहता ने आगे कहा कि देश के हर व्यक्ति के पास एक घर की जरूरत को समझते हुए आवास योजना लाई गई।

घरेलू बचत के वित्तीयकरण में तेजी से हो रही वृद्धि : एसबीआई

■ अधिक से अधिक भारतीय इक्विटी में कर रहे निवेश

■ सरकार की 4आर रणनीति को लगातार मिल रही सफलता

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत में घरेलू बचत के वित्तीयकरण में तेजी से वृद्धि हो रही है। देश में घरेलू बचत का इक्विटी में निवेश वित्त वर्ष 2020 में 2.5 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 5.1 प्रतिशत दर्ज किया गया है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में दी गई। घरेलू बचत को वित्तीय परिसंपत्तियों जैसे शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड आदि में निवेश करना घरेलू बचत का वित्तीयकरण कहलाता है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ऋण बाजार में बैंक ऋण वृद्धि के साथ कुछ नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भविष्य में, बैंक जमा (मुख्य रूप से बैंक जमा में घरेलू बचत) के माध्यम से ऋण उत्पत्ति के स्रोतों पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है।

रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक/पीएसबी वित्त वर्ष 2025 में 12.2 प्रतिशत की स्थिर वृद्धि दर्शाते हैं, जबकि वित्त वर्ष 2024 में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। हालांकि, पीएसबी की वृद्धिशील ऋण हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018 के 20 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 56.9 प्रतिशत हो गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की 4आर रणनीति को लगातार सफलता मिल रही है। बैंकिंग सिस्टम में परिसंपत्ति की गुणवत्ता अब वित्त वर्ष 2018 के 11.5 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 2.6 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। बकाया ऋण में पीएसबी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2010 के 75.1 प्रतिशत से वित्त वर्ष 2024 में 51.8 प्रतिशत तक गिरने के 14 वर्ष बाद वित्त वर्ष 2025 में 52.3 प्रतिशत हो गई है।

सार संक्षेप

एरिक्सन की पहली एंटीना विनिर्माण संयंत्र का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मानेसर में वीवीडीएन के ग्लोबल इनोवेशन पार्क में एरिक्सन की अत्याधुनिक एंटीना विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। श्री सिंधिया ने इसको भारत की डिजिटल और विनिर्माण यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि यह एक विनिर्माण इकाई के शुभारंभ से कहीं अधिक है। यह एक ऐसी सुविधा के जन्म का प्रतीक है जो कल के नेटवर्क को शक्ति प्रदान करेगी और दुनिया भर में लाखों लोगों को जोड़ेगी। यह भारत की क्षमताओं में वैश्विक विश्वास और अपने भविष्य में भारत के बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। मंत्री ने कहा कि यह वह जगह है जहां वैश्विक प्रौद्योगिकी भारतीय सरलता के साथ मिलती है।

अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने नेशनल इलेक्ट्रिकल सेफ्टी वीक मनाया

मुंबई। अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने सोमवार को कहा कि वह 26 जून से 2 जुलाई तक अपने सभी डिवीजनों और आपूर्ति क्षेत्रों में नेशनल इलेक्ट्रिकल सेफ्टी वीक मना रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस सप्ताह के दौरान कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए विभिन्न विद्युत सुरक्षा संबंधी शैक्षिक कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी, अडानी फाउंडेशन के सहयोग से बीएमसी स्कूलों में विद्युत सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन भी कर रही है। अप्रैल में आग की रोकथाम को बढ़ावा देने के लिए अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने अपने पूरे बिजली वितरण क्षेत्र में 'फायर सर्विस वीक' मनाया था। इस हफ्ते के दौरान, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी के पावर वॉरियर्स के लिए कई फायर सेफ्टी वर्कशॉप का आयोजन किया। इस वर्ष की थीम यूनाइट टू इग्नाइट, फायर सेफ इंडिया तय की गई थी, जिसमें फायर सेफ्टी में सामुदायिक भागीदारी, शिक्षा, तैयारी और इनोवेशन के महत्व पर जोर दिया गया।

88 प्रतिशत ग्लोबल फर्मों के पास अब डेडिकेटेड एआई बजट

नई दिल्ली। लगभग 88 प्रतिशत वैश्विक उद्यमों के पास अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए डेडिकेटेड बजट है, जिनमें से लगभग दो-तिहाई अपने कुल टेक बजट का 15 प्रतिशत से अधिक हिस्सा एआई प्रोजेक्ट्स पर खर्च कर रहे हैं। यह जानकारी सोमवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। नैसकॉम द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, यह प्रमुख निवेश जनरेटिव एआई के शुरुआती प्रयोग से एआई एजेंट बनाने की ओर शिफ्ट को दर्शाता है। एंटरप्राइस एक्सपेरिमेंट्स विद एआई एजेंट्स-2025 ग्लोबल ट्रेंड्स शीर्षक वाली रिपोर्ट दर्शाती है कि दुनिया भर की कंपनियां एआई अपनाने के अगले चरण के लिए किस प्रकार तैयारी कर रही हैं। नैसकॉम की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य रणनीति अधिकारी संगीता गुप्ता ने कहा कि उद्यम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा कि एआई एजेंट एंटरप्राइस एआई के अगले विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बिकवाली से शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक

■ सेंसेक्स 452.44 अंक की गिरावट लेकर 83606.46 पर रहा

■ निफ्टी 120.75 अंक लुढ़ककर 25517.05 अंक पर बंद

मुंबई, 30 जून (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, ऑटो, बैंकिंग, धातु और रियल्टी समेत दस समूहों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार की पिछले लगातार चार दिन की तेजी आज थम गई।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 452.44 अंक की गिरावट लेकर 83606.46 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 120.75 अंक लुढ़ककर 25517.05 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर लिवाली हुई, जिससे बाजार को समर्थन मिला। मिडकैप 0.67 प्रतिशत की छलांग लगाकर 46,854.46 अंक और स्मॉलकैप 0.81 प्रतिशत उछलकर 54,690.91 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान बीएसई में कुल 4290 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2362 में लिवाली जबकि 1750 में बिकवाली हुई वहीं 178 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 3052 कंपनियों के शेयरों में से 1756 में तेजी जबकि 1188 में गिरावट रही वहीं 108 में टिकाव रहा।

बीएसई के 10 समूहों में गिरावट का रुख रहा।

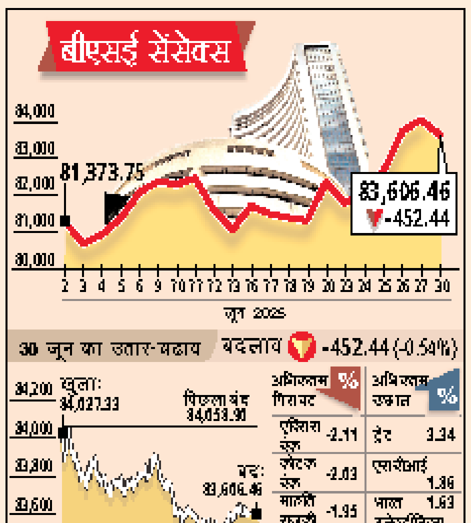

इससे ऊर्जा 0.41, एफएमसीजी 0.26, वित्तीय सेवाएं 0.17, यूटिलिटीज 0.19, ऑटो 0.49, बैंकिंग 0.59, धातु 0.49, तेल एवं गैस 0.19, रियल्टी 0.87 और टेक समूह के शेयर 0.06 प्रतिशत गिर गए। वहीं, हेल्थकेयर 0.56, इंडस्ट्रियल्स 0.66, कैपिटल गुड्स 1.10, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.42 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.08 प्रतिशत मजबूत रहे।अंतराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.30, जर्मनी का डैक्स 0.19 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.87 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि जापान का निक्केई 0.84 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.59 प्रतिशत उछल गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 32 अंक फिसलकर 84,027.33 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 84,099.53 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 83,482.13 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गए। अंत में पिछले दिवस के 84,058.90 अंक के मुक़ाबले 0.54 प्रतिशत की गिरावट लेकर 83,606.46 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में एक्सिस बैंक 2.11, कोटक बैंक 2.03, मारुति 1.95, अल्ट्रासिम्को 1.33, बजाज फाइनेंस 1.09, आईसीआईसीआई बैंक 1.09, रिलायंस 1.02, टाटा स्टील 1.02, भारती एयरटेल 0.99, एनटीपीसी 0.89, एशियन पेंट 0.76, एचडीएफसी बैंक 0.68, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.67, आईटीसी 0.58, सन फार्मा 0.55, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.49, इंफ़ोसिस 0.45 और एलटी 0.10 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, ट्रेंट 3.34, एसबीआई 1.86, बीईएल 1.63, इटरनल 0.72, अदानी पोर्ट्स 0.70, बजाज फिनसर्व 0.56, टाइटन 0.56, टीसीएस 0.52, टेक महिंद्रा 0.47, टाटा मोटर्स 0.20, एचसीएल टेक 0.15 और पावरग्रिड के शेयर 0.07 प्रतिशत लाभ में रहे।

भारत में नई कंपनियों के रजिस्ट्रेशन में जबरदस्त उछाल

■ मई में 29 प्रतिशत का हुआ इजाफा

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम मासिक बुलेटिन के अनुसार, इस वर्ष मई में भारत में नई कंपनियों के पंजीकरण में पिछले वर्ष की तुलना में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह बढ़कर 20,718 हो गई है, जो आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दर्शाता है।ß 31 मई, 2025 तक देश में पंजीकृत कंपनियों की कुल संख्या अब 28,96,943 हो गई है, जिनमें से 65 प्रतिशत यानी 18,90,305 कंपनियां सक्रिय हैं। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2025 की तुलना में सक्रिय कंपनियों के कुल अनुपात में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पंजीकृत नई कंपनियों के आर्थिक गतिविधि के अनुसार वर्गीकरण से पता चलता है कि कंपनियों का 27 प्रतिशत प्रमुख हिस्सा सामुदायिक, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाओं में है, इसके बाद 17 प्रतिशत हिस्सा व्यापार जबकि 15 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग और 15 प्रतिशत बिजनेस सर्विस में है। नई पंजीकृत कंपनियों के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि मई 2025 के दौरान सबसे अधिक नए पंजीकरण प्राप्त करने वाले शीर्ष तीन राज्य महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली थे। महाराष्ट्र में 17 प्रतिशत यानी 3,458 कॉर्पोरेट पंजीकृत हुए, उत्तर प्रदेश में 11 प्रतिशत यानी 2,379 और दिल्ली में नौ प्रतिशत यानी 1,858 कंपनियां पंजीकृत हुईं। 31 मई, 2025 तक भारत में कुल 5,247 विदेशी कंपनियां पंजीकृत थीं।

सोया रिफाइंड, वनस्पति तेल व उड़द दाल सस्ती व अन्य जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड, वनस्पति तेल के साथ ही उड़द दाल सस्ती हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 27 रिंगिट गिरकर 3959 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.29 सेंट की तेजी के साथ 52.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में सोया रिफाइंड में 36 रुपये और वनस्पति तेल में 133 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन के बाजार में उड़द दाल की 250 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **अनाज :** अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9200-9300, उड़द दाल 9250-9350, अरहर दाल 8400-8500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

अडानी ग्रीन ने की भारत के इतिहास में सबसे बड़ा व तेज हरित ऊर्जा निर्माण

■ अडानी ग्रीन ने 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को किया पार

अहमदाबाद, 30 जून (एजेंसियां)। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने सोमवार को बताया कि कंपनी ने 15,000 मेगावाट (मेगावाट) की परिचालन क्षमता को पार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो कि अब 15,539.9 मेगावाट तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि भारत में अब तक की सबसे तेज और बड़ी क्षमता वृद्धि को दर्शाती है। भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी ने कहा कि परिचालन पोर्टफोलियो में 11,005.5 मेगावाट सोलर, 1,977.8 मेगावाट विंड और 2,556.6 मेगावाट विंड-सोलर हाइब्रिड क्षमता शामिल है।

अडानी समूह के अध्यक्ष ने कहा कि यह जानकारी साझा करते हुए खुशी हो रही है कि अडानी ग्रीन ने 15,000 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता को पार कर लिया है, जो भारत के इतिहास में सबसे बड़ा और तेज हरित ऊर्जा निर्माण है।

उन्होंने कहा कि खावड़ा के रेगिस्तानी परिदृश्य से लेकर दुनिया के टॉप 10 ग्रीन पावर उत्पादकों में गौरवपूर्ण स्थान तक, यह मील का पत्थर एक संख्या से कहीं अधिक है। यह ग्रह के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और भारत के हरित पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने के हमारे संकल्प को दर्शाता है।

एजीईएल भारत की पहली और एकमात्र रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है, जिसने मुख्य रूप से ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के माध्यम से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

एजीईएल के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा कि 15,000 मेगावाट के मील के पत्थर को पार करना बहुत गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि हमारी टीम के अथक प्रयासों और समर्पण का प्रमाण है। यह हमारे प्रमोटरों के दूरदर्शी नेतृत्व और हमारे निवेशकों, ग्राहकों, टीम और भागीदारों के अटूट समर्थन के बिना संभव नहीं होता, जो हर कदम पर हमारे साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि अडानी को रिन्यूएबल एनर्जी में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करने की गौतम अदाणी की महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर यह साबित करते हुए कि क्लीन एनर्जी को अभूतपूर्व पैमाने और गति से वितरित किया जा सकता है, एजीईएल इनोवेशन और परिचालन उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एजीईएल का 15,539.9 मेगावाट का परिचालन पोर्टफोलियो लगभग 7.9 मिलियन घरों को बिजली दे सकता है। उत्पादित क्लीन एनर्जी तेरह अलग-अलग भारतीय राज्यों को रोशन कर सकती है।

खेल जगत

चोट से कितना उबर चुके स्टीव स्मिथ, खुद दिया फिटनेस अपडेट

बारबाडोस, 30 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को ग्रेनेडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले फिट होने की उम्मीद है। स्मिथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में चोटिल हुए थे, जिससे उबरते हुए उन्होंने न्यूयॉर्क में फिर से बल्लेबाजी शुरू की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान कैच लेने की कोशिश में स्मिथ अपने दाहिने हाथ की छोटी उंगली को चोटिल करवा बैठे थे। उन्हें 'कम्पाउंड डिस्लोकेशन' का सामना करना पड़ा। हालांकि, 36 वर्षीय खिलाड़ी भाग्यशाली रहा कि उन्हें सर्जरी नहीं करवानी पड़ी। यह अनुभवी बल्लेबाज चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट में नहीं खेल सका था। स्टीव स्मिथ ने हाल ही में हाथ पर लगे टांके हटवाए हैं। वह रविवार को अपने साथियों के साथ जुड़ गए।

दूसरे टेस्ट में भारत का तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं कुलदीप यादव

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत हेडिंग्ले, लीड्स में इंग्लैंड से पांच टेस्ट मैच की क्रिकेट सीरीज का पहला लगभग पहला टेस्ट पांच विकेट से हारने और जसप्रीत बुमराह के लोड मैनेजमेंट के चलते खेलने को ले संदेह के चलते भारत खासतौर पर अपने गेंदबाजी संयोजन को लेकर खासे असमंजस में नजर आ रहा है। भारत को अब एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे मैच इंग्लैंड की बाज बॉल यानी शुरू से दे दनादन की रणनीति की काट के लिए ऐसा गेंदबाजी संयोजन चाहिए जो कि उसके दोनों पारियों में 20 विकेट चटका सके। बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव अपनी अलग शैली की गेंदबाजी के चलते एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत की तुरुप के इक्के साबित हो सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत कुलदीप यादव पर दांव लगा उन्हें एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे टेस्ट में अपनी एकादश में शामिल करेगा। भारत में बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव का अपने घर में तो इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है लेकिन वह अब तक मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में कोई खास कमाल नहीं कर पाए है। भारत के लिए बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में और प्रसिद्ध कृष्णा ने पहले टेस्ट की दोनों पारियों को मिलाकर कुल पांच विकेट लिए लेकर वह बेहद महंगे साबित हुए।

बुमराह को छोड़ कर भारत के मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध और शार्दुल ठाकुर सहित बाकी तीनों गेंदबाज बेदम साबित हुए और इसी के चलते इंग्लैंड ने आयोजित बाज बॉल के बूते दूसरी पारी में जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य बेन डकेट के बड़े शतक के बूते मात्र विकेट खोकर हासिल कर जीत के साथ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली ।

भारत के लिए बड़ी दिक्कत है यह रही कि उसने पहले टेस्ट में आधा दर्जन कैच टपकाने और शीर्ष क्रम में पांच शतकों के बावजूद निचले क्रम के ताश के पत्तों की तरह ढहने से उसे पहले टस्ट में दबदबे के बावजूद हार का वरण करना पड़ा। कुलदीप के एकादश में शामिल करने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन के जेहन में यह बात भी रहेगी कि भारत के बाहर खासतौर पर इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में खेलने का उन्हें कोई खास अनुभव नहीं है। कुलदीप हालांकि 2018 में सिडनी में चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट चटका चुके हैं। वहीं 2018 में कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में उसके खिलाफ लॉडर्स में जो इकलौता टेस्ट खेला था उसमें वह एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। कुलदीप यादव ने मेहमान इंग्लैंड के खिलाफ 2024मे अपने घर में टेस्ट सीरीज में 19 विकेट चटकाए थे और उसकी बाज बॉल की शैली पर अंकुश लगाया थ। कुलदीप भी अपने आदर्श ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न की तरह कलाई के लेग स्पिनर हैं। वॉर्न इंग्लैंड के खिलाफ खासे कामयाब रहे और उनसे प्रेरणा ले भारत को एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में जीत दिला कर सीरीज में एक एक की बराबरी दिला सकते हैं।

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन के टेस्ट को अलविदा कहने के बाद रवींद्र जडेजा के बाद कुलदीप यादव भारत के दूसरे सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। इंग्लैंड की बाज बॉल शैली का अपनी अलग शैली की लेग स्पिन के कारण कुलदीप यादव भारत के तुरुप के इक्के साबित हो सकते है। दिक्कत यह है कि भारत यदि कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करता तो उसका निचला क्रम और कमजोर हो जाएगा। भारत कम से कम बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को बाहर उनकी जगह तो कुलदीप यादव को एकादश में शामिल नहीं करेगा ? एजबेस्टन में मंगलवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट की पिच को इंग्लैंड में स्पिनरों की सबसे मुफीद बताया जा रहा है। भारत चाहे तो शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को एकादश में शामिल कर बड़ा दांव खेल सकता है। यदि बुमराह नहीं खेलते है तो बाएं हाथ का तेज गेंदबाज होने और गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने के कौशल के चलते अर्शदीप सिंह उनका भारत की एकादश में सही विकल्प हो सकते हैं।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंताजनक : ग्रेग चैपल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट से मिली हार में निराशाजनक क्षेत्ररक्षण प्रदर्शन से कहीं अधिक, गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी उनके लिए चिंता का विषय रही। हेडिंग्ले में, बुमराह ने 43.4 ओवर में 5-140 के मैच आंकड़े दर्ज किए - जिसमें उनके सभी पांच विकेट पहली पारी में आए। यह बुमराह का मामला था जो किसी और से कहीं बेहतर था, क्योंकि अन्य तेज गेंदबाजों - शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा - ने 92 ओवर में 9-482 के आंकड़े संयुक्त रूप से हासिल किए थे। स्पिन-गेंदबाजी के लिए एकमात्र विकल्प रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों में 0-68 और 1-104 के आंकड़े दर्ज किए। 'हेडिंग्ले में क्षेत्ररक्षण जितना निराशाजनक था, यह भारत के टेस्ट हारने का मुख्य कारण नहीं था। भारत की अधिकांश समस्याएं खुद से ही उत्पन्न हुई थीं। शायद सबसे महंगी गलती नो-बॉल थी जिसने हैरी ब्रूक को दूसरी पारी में शुरुआती जीवनदान दिया।

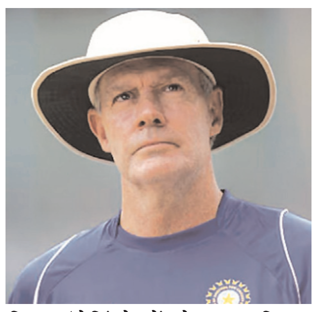

चैपल ने सोमवार को अपने ईएसपीएनक्रिकइन्फो कॉलम में लिखा, 'हालांकि, मेरे लिए सबसे अधिक चिंता की बात गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, भारत के तेज गेंदबाज बहुत हद तक एक जैसे हैं - सभी दाएं हाथ के, मध्यम गति के, समान कोण पर गेंदबाजी करते हुए। गेंदबाजी में बदलाव के बाद अक्सर विकेट गिरने का एक कारण है। यह बल्लेबाज को फिर से तालमेल बिठाने के लिए मजबूर करता है। शुभमन गिल के पास मौजूदा दौर में वह विविधता नहीं है।' उन्हें यह भी लगता है कि अगर भारत को 2 जुलाई से एजबस्टन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी करनी है, तो उन्हें बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिए और अपनी प्लेइंग इलेवन में बेहतर संतुलन बनाना चाहिए।

भारत बनाम इंग्लैंडः वो दो मौके, जब एक ही टेस्ट पारी में बने 700 प्लस रन

नई दिल्ली। भारत इंग्लैंड के बीच साल 1932 से अब तक कुल 137 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें दो बार पारी में 700 से ज्यादा रन बने। इनमें एक बार भारत ने यह कारनामा किया, तो एक बार इंग्लैंड ने पारी में 700 से ज्यादा रन बनाए। आइए, इन मुकाबलों के बारे में जानते हैं... 1) भारत (759/7 पारी घोषित): यह मुकाबला 16-20 दिसंबर 2016 के बीच चेन्नई में खेला गया था, जिसमें भारत ने अपनी पहली पारी 759/7 के स्कोर पर घोषित कर दी। टीम इंडिया को यहां तक पहुंचाने में करुण नायर की अहम भूमिका रही, जिन्होंने 381 गेंदों में 303 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान करुण नायर के बल्ले से चार छक्के और 32 चौके देखने को मिले। करुण नायर के अलावा केएल राहुल ने पारी में 199 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन (67) और रविंद्र जडेजा (51) ने टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। इंग्लैंड की पहली पारी 477 रन पर सिमटी थी। अगली पारी में उसे भारतीय गेंदबाजों ने महज 207 रन पर ढेर कर दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 75 रन से अपने नाम कर लिया। 2) इंग्लैंड (710/7 पारी घोषित): यह मैच 10-13 अगस्त 2011 के बीच बर्मिंघम में खेला गया था, जिसे इंग्लैंड ने पारी और 242 रन से अपने नाम किया। टीम इंडिया को पहली पारी में 224 रन पर समेटने के बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 710/7 के स्कोर पर घोषित की। इंग्लैंड की टीम को इस विशाल स्कोर तक पहुंचाने में एलेस्टेयर कुक का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 545 गेंदों का सामना करते हुए 294 रन बनाए। इस दौरान 33 चौके उनकी पारी में शामिल थे।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूं : नीरज चोपड़ा

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे। हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा। स्टार्ट

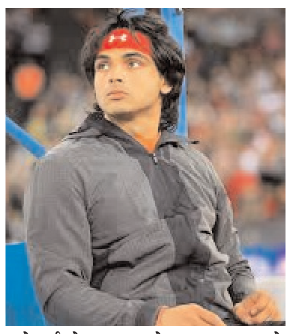

स्पोर्ट्स से बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया।

चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया - मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा। इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।'

27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। 'मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा।' चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर 'हेलीकॉप्टर शॉट' शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है।

खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं।

क्लब विश्व कप: पीएसजी ने मेसी की मियामी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

अटलांटा, 30 जून (एजेंसियां)। शुरू से अंत तक पूरी तरह से नियंत्रित मैच के बाद, पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मियामी सीएफ पर 4-0 की जबरदस्तजीत दर्ज की और फीफा क्लब विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। क्वारत्सखेलिया के पास के बाद बारकोला ने चौथे मिनट में पहला चेतावनी शॉट मारा, लेकिन उस्तारी ने उसे नकार दिया। सिर्फ दो मिनट बाद, बॉक्स के बाएं किनारे पर डूए द्वारा जीती गयी फ्री किक के बाद, विटिना ने एक क्रॉस मारा और जोआओ नेवेस ने अपना सिग्नेचर मूव निष्पादित किया, स्कोरिंग खोलने के लिए दूर पोस्ट पर एक बिल्कुल सही हेडर लगाया।

बारकोला के साथ एक शानदार वन-टू के बाद, हकीमी ने अपने शॉट को ब्लॉक होते देखा (21'), 20 मीटर से विटिना की स्ट्राइक को उस्तारी (21') ने रोका और बॉक्स के किनारे से क्वारात्शेलिया का रॉकेट शॉट सिर्फ कुछ इंच दूर (24') गया, जैसा कि रुइज के प्रयास (31') ने किया। इस

बीच, जॉर्जियाई विंगर को भी गोलकीपर (28') ने नजदीकी रेंज से नकार दिया।

आखिरकार रुइज-बारकोला की जोड़ी ने ही अंतर पैदा किया। इंटर के बॉक्स के पास गेंद जीतने के बाद, फ्रांसीसी खिलाड़ी ने स्पैनियार्ड को गेंद दी, जिसने क्षेत्र के किनारे पर नेवेस को पाया। पुर्तगाली मिडफील्डर ने शांति से गेंद को नेट में डाला और दो गोल (2-0, 39') हासिल किए। हकीमी ने डू को राइट विंग से भेजा, जिसने रुइज के लिए छह-यार्ड बॉक्स में क्रॉस किया।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : आयुष ने जीता मेंस सिंगल्स खिताब, तन्वी उपविजेता

काउंसिल ब्लफ्स, 30 जून (एजेंसियां)। आयुष शेट्टी ने सोमवार को 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट' के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को हराया। इसी के साथ आयुष ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना पहला खिताब जीत लिया है। यह मुकाबला मिड-अमेरिका सेंटर में खेला गया। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप-2023 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट आयुष ने 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में विश्व के 33वें नंबर के खिलाड़ी यांग को 21-18, 21-13 से शिकस्त दी।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, 'आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 जीतकर अपना पहला 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300' खिताब जीता। उन्होंने ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-13, 21-18 से हराया। इस दौरान उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक शानदार खेल दिखाया। यह एक शानदार जीत है, जिसने बैडमिंटन के शीर्ष खिलाड़ियों में उनकी जगह पक्की कर दी है। यह एक नए 'इंडियन पावरहाउस' के उदय का प्रतीक है।'

चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने टूर्नामेंट की शुरुआत डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 85 मैग्नस जोहानसन पर 21-17, 21-19 से जीत के साथ की। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ-16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन पर 22-20, 21-9 से जीत दर्ज की थी।

डब्ल्यूसीएल 2025: ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम में ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श

लंदन, 30 जून (एजेंसियां)। ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श जैसे दिग्गज 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025' में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस का हिस्सा होंगे। यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त के बीच यूके में खेला जाएगा। इस टीम में बेन कटिंग, मोइजेस हेनरिक्स, पीटर सिडल, नाथन कुल्टर-नाइल और डी 'आर्सी शॉर्ट शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी टीम में अनुभव, एथलेटिकिज्म और हौसले का एक आदर्श मिश्रण पेश करती है। ब्रेट ली ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं, जिन्होंने 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लिए हैं। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए साल 2010 की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। ब्रेट ली ने 221 वनडे में 380 विकेट चटकाए। इसके अलावा उन्हें 25 टी20 मैचों में 28 विकेट हाथ लगे। उन्होंने अंततः जुलाई 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस से जुड़ने पर ब्रेट ली ने कहा, 'डब्ल्यूसीएल का हिस्सा बनना शीर्ष स्तर के क्रिकेट के रोमांच को फिर से जीने का एक शानदार मौका है। अपने कुछ बेहतरीन साथियों के साथ फिर से ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे दिल के बहुत करीब है। हम मनोरंजन करने और विपक्षी टीम पर हावी होने के इरादे से आ रहे हैं।' ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के मालिक पुनीत सिंह ने कहा, 'यह सिर्फ एक टीम नहीं है। यह एक स्टेटमेंट है। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को उन दिग्गजों के साथ बनाया गया है, जिन्होंने पीढ़ियों को परिभाषित किया है। ब्रेट, लिनी और कटिंग के नेतृत्व में हम डब्ल्यूसीएल में ऑस्ट्रेलियाई भावना को वापस ला रहे हैं। आतिशबाजी और जुनून की उम्मीद करें।' 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड' से स्वीकृत, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स एक प्रमुख वैश्विक टी20 लीग है, जो क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित नामों को एक साथ लाती है। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया हमेशा से विश्व क्रिकेट में एक ताकत रहा है।

हमारा जू. पुरुष हॉकी विश्व कप का पूल-बी खासा चुनौतीपूर्ण : श्रीजेश

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश ने शनिवार को चेन्नई और मदुरै मे होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 के लुसाने में निकाले गए ड्रॉ में घोषित पूल की बाबत कहा, 'हमारा पूल बी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड की मौजूदगी में खासा चुनौतीपूर्ण दिखाई देता है। मैं चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपना पूल बी मैच खासा रोचक रहने की उम्मीद करता हूं। सच तो यह असल जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तो क्वार्टर फाइनल से ही शुरू होगा। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और एक समय मैच की बाबत सोच कर इसमें पूरे अंक हासिल कर क्वॉर्टर में सबसे बढ़िया स्थिति में हो सकते हैं। अब मौजूदा जूनियर विश्व कप नए विस्तृत प्रारूप के मुताबिक खेला जाएगा और इसमें पहले बार

■ चिर प्रतिद्वंद्वी पाक के खिलाफ मैच रोचक रहने की उम्मीद

सबसे ज्यादा 24 टीमें शिरकत करेंगी। हम इसी को जेहन में रख कर अपनी योजना बनाने के साथ तैयारी कर रहे हैं।' दो बार 2001 और 2016 के संस्करण का विजेता भारत पिछले जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रहा था। मौजूदा चैंपियन जर्मनी ने अब तक सबसे ज्यादा सात बार एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब जीता है।

पिछले संस्करण में 16 टीमों ने शिरकत की थी और इस बार जूनियर विश्व कप में 24 टीमें खिताब के लिए टक्कर देंगी। शुरू में जूनियर विश्व कप में 12 टीमें होती थी और बाद में इसे बढ़ाकर 16 टीमों का कर दिया गया। अब जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 नए प्रारूप के मुताबिक होगा और इसमें शिरकत करने वाली 24 टीमों को चार चार टीमों के छह पूल ए,बी,सी, डी, ई एफ में बांटा गया है। हर पूल की शीर्ष दो टीमें क्वॉर्टर फाइनल में स्थान पाएंगी। क्वॉर्टर फाइनल नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल की विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल की विजेता फाइनल में खेलेंगी। टीमों को उनके पूल में अर्जित अंकों के आधार पर स्थान दिया जाएगा और वे क्रॉसओवर मैचों में आगे बढ़ेंगी हैं, जहां प्रत्येक पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें अपनी अंतिम रैंकिंग निर्धारित करने के लिए क्रॉसओवर मैच खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर होनी वाली टीमें पांचवें से आठवें स्थान के लिए भिड़ेंगी और क्रॉसओवर में हारने वाली टीमें नौवें से 16 स्थान के लिए भिड़ेंगी। अपने पूल में एकदम नीचे रहने वाली टीमें 17 से 24 वें स्थान के लिए भिड़ेंगी।

एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में होने वाले हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित है, क्योंकि उन्हें बाहर करने की मांग बढ़ रही है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर, राजगीर हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम की भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट के लिए दो महीने से भी कम समय बचा है, हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

सार संक्षेप

भारत के नेतृत्व में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस

नई दिल्ली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस के वैश्विक उत्सवों की अगुवाई की, जहां इस पारंपरिक खेल की विरासत और इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। दिन की शुरुआत नई दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर मंतर से हुई, जहां सैकड़ों खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और छात्रों ने खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अधिकारियों के नेतृत्व में एक ऊर्जावान रैली निकाली। यह आयोजन उस दिन की शुरुआत का संकेत था, जिसे पारंपरिक भारतीय खेल खो-खो की एक वैश्विक आंदोलन में बदलती छवि को उजागर करने के लिए समर्पित किया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) द्वारा आयोजित इस उत्सव में एक मनोरंजक जादू शो और खेल के इतिहास, नियमों और विकास पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी शामिल थी। इन आयोजनों ने समुदाय को एक उत्सवपूर्ण वातावरण में जोड़ा और साथ ही खो-खो की अंतरराष्ट्रीय प्रगति के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। समारोहों के तहत राष्ट्रीय खो-खो दिवस भी मनाया गया, जिसमें राज्य संघों ने अपने-अपने राज्यों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवसर पर केकेएफआई और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'मैं पूरी खो-खो बिरादरी को हार्दिक बधाई देता हूं। पिछले कुछ वर्षों में खो-खो हमारे देश की पहचान और गौरव का प्रतीक बनकर उभरा है। आज यह खेल 56 देशों में खेला जा रहा है, जो हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

अजहर महमूद को पाकिस्तान का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया

लाहौर। पाकिस्तान द्वारा 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र शुरू करने से पहले, पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टीम का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया है और वह अपने मौजूदा अनुबंध के समापन तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले साल के अंत में जेसन गिलेस्पी के पाकिस्तान के रेड-बॉल हेड कोच के पद से हटने के बाद, आकिब जावेद ने यह भूमिका संभाली थी। लेकिन 50 वर्षीय महमूद अब पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच और बाद में सहायक मुख्य कोच के रूप में लंबे समय तक काम करने के बाद इस पद पर आसीन हुए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'खेल के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सर्किट में सिद्ध सफलता के साथ, उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है। उनकी लाल गेंद की विरासत दो काउंटी चैंपियनशिप खिताबों से रेखांकित होती है - एक उपलब्धि जो उनके नेतृत्व, सामरिक कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बारे में बहुत कुछ कहती है। पीसीबी को विश्वास है कि अजहर के मार्गदर्शन में, लाल गेंद की टीम वैश्विक मंच पर ताकत, अनुशासन और प्रदर्शन में आगे बढ़ती रहेगी।'